RNI No. : MPHIN/2010/38129 MP/IDC/1375/2020-22 www.hariyalikerastey.com

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 10 » अंक : 4 » फरवरी 2020 » मूल्य : 40 रु.

Email : hariyalikeraste2010@gmail.com

71वाँ गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया

गणतंत्र दिवस की सभी किसान भाइयों को हार्दिक बधाइयाँ

श्री तँवरसिंह चौहान
(अध्यक्ष म.प्र. राज्य को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लि., भोपाल)
एवं संचालक

साँची

स्वाद और शक्ति से भरपूर साँची

श्री मोतीसिंह पटेल
(अध्यक्ष)

संचालकगण

श्री रामेश्वर गुर्जर

श्री किशोर परिहार

श्री विक्रम मुकाती

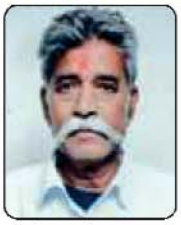
श्री जगदीश जाट

श्री राजेन्द्रसिंह पटेल

श्री रामेश्वर रघुवंशी

श्री सुरेश पटेल

श्री प्रहलादसिंह पटेल

श्री कृपालसिंह सेंधव

श्री महेन्द्र चौधरी

श्री ए.एन. द्विवेदी
(मुख्य कार्यपालन अधिकारी)

इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ मर्या.

तलावली चांदा, मांगलिया, जिला इन्दौर (फोन : 0731-2811189, टोल फ्री नं. : 1800 233 2535

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 10 » अंक : 4 » फरवरी 2020 » मूल्य : 40 रु.

» विशेष संरक्षक : जूनापीठाधीश्वर
आचार्य महामंडलेश्वर अनन्त श्री विभूषित
स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज
» संरक्षक : विष्णु नारायण त्रिपाठी
» प्रधान संपादक : बृजेश त्रिपाठी
» प्रबंध संपादक : अर्चना त्रिपाठी
» सलाहकार मंडल :
व्ही.जी. धर्माधिकारी (सेवानिवृत सचिव एवं आयुक्त सहकारिता)
एल.डी. पंडित (सहकारी विशेषज्ञ)
सुशील मिश्र (पूर्व अपर आयुक्त सहकारिता)
मणिशंकर उपाध्याय (कृषि विशेषज्ञ)
एम.एस. भटनागर (कृषि रत्न, बीज विशेषज्ञ, सलाहकार बीज संघ)
सुरेशचंद्र ताम्रकर (वरिष्ठ पत्रकार)
डॉ. आर.ए. शर्मा (पूर्व डीन, कृषि महाविद्यालय, इंदौर)
डॉ. वी.एन. श्रॉफ (कृषि वैज्ञानिक)
यशोवर्धन पाठक (व्याख्याता जबलपुर)
पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक' (अध्यक्ष, म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद)
डॉ. राजीव शर्मा (प्रोफेसर एवं कवि, इंदौर)
डॉ. भरत शर्मा (समाजसेवी)
हरप्रसाद मोदी (वरिष्ठ पत्रकार, झाँसी-ललितपुर)
अरुण के. बंसल (फ्यूचर पॉइंट प्रा.लि., नई दिल्ली)
पं. रतन वशिष्ठ (ज्योतिषाचार्य एवं कथावाचक)
लेफ्टिनेंट कर्नल अजय (वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य)
कैप्टन (डॉ.) लेखराज शर्मा (ज्योतिषाचार्य)
» विशेष संवाददाता
इंदौर-उज्जैन संभाग : परीक्षित शर्मा (मो. 7999692727)
भोपाल संभाग : आलोक मालवीय (मो. 9806750146)
होशंगाबाद संभाग : धनराज मालवीय (मो. 9827744248)
छत्तीसगढ़ (रायपुर) : पी.एल. चुरहे (मो. 7389652211)
» प्रकाशक : बृजेश त्रिपाठी
306/ए-ब्लॉक, शहनाई-II रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186
» लेआउट-डिजाइन : नितिन पंजाबी (मो. 9893126800)
ई-मेल : nitinpunjabi5@gmail.com
» मुद्रक : वी.एम. ग्राफिक्स
के-29, एल.आय.जी. कॉलोनी, इंदौर

3
लम्बे भविष्य का दूरदर्शी बजट

10
हम होंगे कामयाब

14
सहकारिता से किसानों की समृद्धि

17
मध्यप्रदेश की सभी पंचायतों में डिजिटल भुगतान

19
गेहूँ के प्रमुख रोग एवं प्रबंधन

27
कुदरत के हुस्न का अनमोल खजाना : ओरछा

32
किचन में मौजूद चीजें वजन घटाने में मदद करे

60
सलमान ने नहीं चुकाई थी सवा रुपये की उधारी

सत्तर साल समृद्धि की ओर

हमारा गणतंत्र 70 वर्ष के दौरान एक परिपक्वता हासिल कर चुका है। इन सत्तर वर्षों में देश ने अभूतपूर्व प्रगति की है। भारत अंतरिक्ष में भी अपने हुनर का डंका बजा रहा है। कभी हमारे उपग्रह विदेशी प्रक्षेपण केन्द्रों से अंतरिक्ष में भेजे जाते थे, आज हम अमेरिका, जापान, जर्मनी, फ्रांस, इजराइल जैसे देशों के उपग्रह अपने केन्द्र से प्रक्षेपित कर रहे हैं। चंद्रमा और मंगल पर हम अपने यान भेज चुके हैं। वह दिन दूर नहीं जब हम समानव अंतरिक्ष मिशन में भी सफलता का परचम लहराएँगे। हमारा देश दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है। भारत के बाजार विदेशी निवेशकों को लुभा रहे हैं। साल 1991 में तत्कालीन नरसिंहराव सरकार ने हमारी अर्थव्यवस्था के द्वार निजीकरण के लिए खोले थे। उदारीकरण की यह प्रक्रिया तब से ही जारी है और यह उदारीकरण का तीसवाँ साल है। इस दौरान शिक्षा के क्षेत्र में चार गुना वृद्धि हुई है। जीवन के ग्राफ में भी वृद्धि हुई है। 1991 में जीवन प्रत्याशा 60.3 वर्ष थी, अब 69 वर्ष हो गई है। लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। पहले हम यह सुनकर अचरज करते थे कि अमेरिका में सफाईकर्मी कार से आते हैं और सफाई कार्य करने के बाद कार से घर लौटते हैं। अब हमारे मुल्क में भी सफाईकमी कार से तो नहीं मगर बाइक से आने लगे हैं। ग्रामीण भारत की जिंदगी में भी सुधार आया है। गाँव पक्की सड़कों द्वारा शहरों से जुड़ गए हैं। गाँव-गाँव में इंटरनेट की पहुँच से जागरूकता बढ़ी है। नेक गाँवों में किसानों के वाट्स-एप ग्रुप बन गए हैं जिनके जरिए उन्हें बाजार और मंडियों की अद्यतन जानकारियाँ सहज सुलभ हो रही हैं। ऑनलाइन खरीदी बिक्री और ऑनलाइन भुगतान की सुविधा ने भी जिंदगी को सरल बना दिया है। 1 फरवरी को संसद में अपना दूसरा बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने साल 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का भाजपा सरकार का वादा दोहराया है। यद्यपि कृषि बजट में सिर्फ 5 प्रतिशत की वृद्धि की है। गाँवों के लिए सोलह सूत्री कार्यक्रम की घोषणा की है। कृषि का कुल बजट 1.42 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया है। प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान के तहत 20 लाख किसानों को सोलर पम्प लगाने में मदद की जाएगी। किसानों को बंजर भूमि पर सौर ऊर्जा यूनिट लगाने की अनुमति दी जाएगी। इससे बंजर भूमि का उपयोग सौर बिजली के निर्माण में होने लगेगा। यह बिजली ग्रिड को बेचकर किसान पैसे कमा सकेंगे। अर्थात् बंजर भूमि पर बिजली की खेती होगी। बजट में गाँव और किसानों के विकास पर विशेष जोर दिया गया है। 2.83 लाख करोड़ रुपये कृषि, सिंचाई तथा ग्रामीण विकास पर खर्च किये जाएँगे। कृषि वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन ने भी अपनी प्रतिक्रिया में कृषि और किसान को प्राथमिकता देने की प्रशंसा की है। किसानों को दिये जाने वाले कर्ज का लक्ष्य 13 लाख करोड़ से बढ़ाकर 15 लाख करोड़ किया गया है। भारतीय खाद्य निगम और नाबार्ड अपनी जमीनों पर कोल्ड स्टोरेज बनाएँगे। यह कदम अति आवश्यक है क्योंकि उचित रखरखाव के अभाव में हमारे यहाँ बहुत सा अनाज और अन्य उपज बर्बाद हो जाती है। महिला स्व-सहायता समूह को भंडारण व्यवस्था की लगाम सौंपने का कदम भी सराहनीय है। महिलाएँ इस कार्य में निःसंदेह दक्ष होती हैं। उन्हें धान्यलक्ष्मी का स्थान देने का वित्तमंत्री का प्रयास निश्चय ही अच्छे नतीजे देगा। हार्टिकल्चर सेक्टर में वन प्रोडक्ट वन डिस्ट्रीक्ट योजना पर फोकस किया जाएगा। दूध उत्पादन भी 53 से बढ़ाकर 108 लाख टन करने का लक्ष्य है। गैर फसल योजना जैसे मधुमक्खी पालन, पशु पालन को बढ़ावा दिया जाएगा। दीनदयाल अंत्योदय योजना के तहत 50 लाख परिवारों को जोड़ा जाएगा। ट्रेन और उड़ान योजना से फलों और सब्जियों का परिवहन किया जाएगा।

लम्बे भविष्य का दूरदर्शी बजट

क्या सस्ता और क्या हुआ महंगा

महंगा : ● आयातित जूते-चप्पल ● बटर घी ● मूंगफली बटर ● चुइंग गम ● छिलके वाला अखरोट ● दाढ़ी बनाने वाले शेवर ● हेयर क्लिप ● बाल में लगाने वाली पिन ● कंघी ● हेयर रीमूवर उपकरण ● रसोई में इस्तेमाल होने वाले बर्तन ● बोनचाइना-मिट्टी-पोर्सलीन से बने बर्तन ● वाटर फिल्टर ● कांच के बर्तन ● माणिक, पन्ना, नीलम, बिना तराशे रंगीन रत्न ● ताले ● वॉटर हीटर ● हेयर ड्रायर ● बिजली से चलने वाला प्रेस (इस्त्री) ● ग्राइंडर, ओवन, कुकर, ग्रिल ● चाय और कॉफी बनाने वाली मशीन और टोस्टर ● लैंप और प्रकाश उपकरण ● कीट मारने वाले उपकरण ● खिलौने ● पेन-कॉपी समेत स्टेशनरी उत्पाद ● कृत्रिम फूल, घंटी, मूर्ति, ट्रॉफी

सस्ता : ● सौर पैनल ● अखबारी कागज ● कृषि-पशु आधारित उत्पाद ● प्यूरिफाइड टेरेफेथिक एसिड (पीटीए) ● कुछ मादक पेय

वर्तमान राजनीतिक-आर्थिक माहौल के बीच नरेन्द्र मोदी सरकार ने आम बजट पेश किया। बजट से लगता है छोटे-छोटे कदमों से बड़े बदलाव का आधार तैयार करना शुरू कर दिया है। जिसने बजट से बड़ी आशाएँ लगा रखी थी उसे इस बजट से जरूर निराशा हो सकती है लेकिन जो लंबे भविष्य की सोचता है उसके लिए यह उम्मीदों का दूरदर्शी बजट है। पिछले वर्षों मोदी सरकार बजट के माध्यम से भी कोई न कोई ऐतिहासिक संदेश देती रही है जिसका इस बार सर्वथा अभाव रहा लेकिन विश्व के साथ कदमताल करते हुए तकनीकी क्षेत्रों में बढ़ने, सरकार में हर वर्ग का भरोसा बढ़ाने और 2022 में न्यू इंडिया का सपना साकार करने के लिए ठोस कदम उठाया गया है। संतुलन, समन्वय और सावधानी इस बजट का मूल मंत्र कहा जा सकता है।

भारत के सबसे लंबे बजट भाषण में लोकलुभावन वादों के बजाय अर्थव्यवस्था की वर्तमान जमीनी हकीकत को पहचानते हुए भविष्य का आधार गढ़ने की कोशिश की गई है। बजट में अगले एक दशक में अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने का रोडमैप पेश किया गया है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने अर्थव्यवस्था की जरूरत के हिसाब से अहम सुधारों को आगे बढ़ाते हुए मौजूदा मंदी से निपटने और भविष्य के लक्ष्य को हासिल करने का जज्बा दिखाया है। उन्होंने बजट पेश करते हुए देश को याद दिलाया कि इस बजट के जरिए प्रधानमंत्री मोदी के 'सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास' का नारा आगे बढ़ रहा है।

मोदी सरकार ने इस बार टैक्स स्लैब में बड़ा सुधार किया है। बजट में नए टैक्स को चुनने का विकल्प दिया गया है। इसमें नए स्लैब में पुराने स्लैब की तुलना में लगने वाले टैक्स की दरों को कम किया गया है, हालांकि इसमें दी जाने वाली टैक्स छूट नहीं ली जा सकेगी। उद्योगों के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को लेकर कई घोषणाएं की जिसमें शिक्षा के साथ ही निवेश को और आसान बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी भी दी। वित्त मंत्री ने बजट में इंडस्ट्री और कॉमर्स के विकास के लिए 27,300 करोड़ का प्रावधान किया है। स्किल इंडिया के लिए 3 हजार करोड़ का प्रावधान किया है वहीं स्मार्ट सीटी के लिए पीपीपी मॉडल की बात कही। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए 16 सूत्रीय कार्ययोजना पेश की। इसमें सबसे अहम किसान रेल के तहत ट्रेनों और कृषि उड़ान योजना के तहत विमानों से देश के कोने-कोने और दूरदराज तक फल-सब्जियों और अन्य खाद्य उत्पादों की आपूर्ति शामिल है।

विजन और एक्शन दोनों

इस बजट में विजन और एक्शन दोनों हैं। एक ओर जहाँ आमदनी और निवेश को बढ़ावा मिलेगा वहीं माँग और खपत में भी इजाफा होगा।

● **नरेन्द्र मोदी** (प्रधानमंत्री)

बेरोजगारी के लिए कुछ नहीं

मुख्य मुद्दा बेरोजगारी है। बजट में ऐसा कोई रणनीतिक विचार नहीं देखा जिससे युवाओं को रोजगार मिल सके। यह सरकार सिर्फ बातें करती है।

● **राहुल गाँधी** (कांग्रेस नेता)

16 सूत्री फार्मूले का ऐलान

बजट में किसानों के लिए 16 सूत्रीय फॉर्मूले का ऐलान किया है। इससे किसानों को सीधा फायदा पहुँचेगा विश्व कृषि बाजार के रास्ते आसान होंगे।

● **नरेन्द्रसिंह तोमर** (कृषिमंत्री)

आँकड़ों का मायाजाल

बजट के माध्यम से केन्द्र सरकार ने प्रदेश के हितों के साथ कुठाराघात किया है। पूरा बजट आँकड़ों का मायाजाल बनकर रह गया है।

● **कमलनाथ** (मुख्यमंत्री, मप्र)

आयकर

5-7.5 लाख तक की आय पर 10 प्रश, 7.5-10 लाख तक की आय पर 15 प्रश, 10-12.5 लाख तक की आय पर 20 प्रश, 12.5-15 लाख तक 25 फीसद और 15 लाख से अधिक की आय पर 30 फीसद की दर से टैक्स लगेगा।

कृषि

कृषि और ग्रामीण विकास के लिए 3 लाख करोड़ का प्रावधान। किसानों की आय वर्ष 2022 तक दोगुनी करने का लक्ष्य पाने के लिए ठोस कदम। उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए बाजार विस्तार पर विशेष फोकस रहा। किसान रेल चलेगी।

शिक्षा

शिक्षा क्षेत्र के लिए 99300 करोड़ और कौशल विकास के लिए 3000 करोड़ रुपये बजट में प्रस्तावित हैं। शीर्ष 100 शिक्षण संस्थान डिग्री स्तर का पूर्णकालिक ऑनलाइन शिक्षा कार्यक्रम शुरू करेंगे।

जल संरक्षण

स्थानीय जल स्रोतों की संख्या बढ़ाई जाएगी। मौजूदा जल स्रोतों का पुनर्भरण और जल संचयन किया जाएगा। पानी की कमी की समस्या वाले 100 जिलों के लिए व्यापक प्रयास किये जाएँगे। हर घर तक पाइप से पानी पहुँचाने के लिए जल जीवन मिशन चलेगा।

गरीबी उन्मूलन

पोषण अभियान के लिए 35600 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इससे महिलाओं और बच्चों के लिए पोषण अभियान शुरू होगा। गरीबों को घर के मिलेगा मुफ्त इलाज। 10 करोड़ परिवारों को पोषण संबंधी जानकारी देंगे।

नारी सशक्तीकरण

महिलाओं से जुड़े कार्यक्रमों के लिए 28600 करोड़ रुपये खर्च करेंगे। 6 लाख से ज्यादा आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्ट फोन दिये गये। मातृत्व की उम्र तय करने के लिए टास्क फोर्स बनाई जाएगी।

पर्यावरण संरक्षण

10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों को साफ हवा के लिए 4400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। जलवायु परिवर्तन पर इंटरनेशनल सोलर एलायंस को मजबूती देकर आ रही चुनौतियों का सामना किया जाएगा। कोयले वाले पॉवर प्लांट बंद किये जाएँगे

स्वास्थ्य

पीएम जनआरोग्य योजना के त हत टियर-2 और टियर-3 शहरों में पीपीपी मॉडल से जनआरोग्य अस्पताल खुलेंगे। पहले चरण में 112 जिलों में शुरुआत होगी। मिशन इंद्रधनुष का दायरा बढ़ाया जाएगा।

उद्योग जगत

उद्योग जगत और कारोबारी विकास के लिए 27300 करोड़ रुपये का प्रावधान। छोटे-मझौले उद्योगों को विदेशी बाजार में उतारने की तैयारी। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में घरेलू मेन्युफेक्चरिंग को बढ़ावा दिया जाएगा।

ट्रांसपोर्ट

2024 तक 100 हवाई अड्डे विकसित होंगे। 150 ट्रेनें पब्लिक-प्रायवेट पार्टनरशिप के जरिए शुरू होंगी। निजी क्षेत्र की मदद से डाटा सेंटर पार्क बनाए जाएँगे। तेजस जैसी कई ट्रेनें चलाई जाएँगी। एक लाख गाँवों को ब्रॉडबैंड से जोड़ा जाएगा।

रक्षा

रक्षा बजट में पिछले वर्ष के मुकाबले 5.83 फीसदी की बढ़ोतरी करते हुए 3.37 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। रक्षा आवंटन में 1.13 लाख करोड़ रुपये पूँजीगत व्यय के लिए दिये गये हैं।

युवा रोजगार

वर्ष 2025 तक चार करोड़ बेहतर सैलेरी वाली नौकरियाँ उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाली स्टार्टअप कंपनियों के लिए भी कर में छूट की घोषणा की गई। नेशनल रिक्रूटमेंट एजेन्सी बनाई जाएगी।

किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए 16 सूत्री कार्य योजना

केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में वित्त वर्ष 2020-21 का केन्द्रीय बजट पेश करते हुए किसानों की आमदनी दोगुनी करने, बागवानी, अनाज भंडारण, पशुपालन और नीली अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने पर केन्द्रित 16 सूत्रीय कार्य योजना की घोषणा की।

वित्त मंत्री ने बजट भाषण में प्रधानमंत्री कुसुम योजना के दायरे में और 20 लाख किसानों को लाने का प्रस्ताव किया। बजट में पीएम-कुसुम योजना का विस्तार कर इसे 20 लाख किसानों तक पहुंचाया जाएगा। 2020-21 के लिए 15 लाख करोड़ रुपये के कृषि ऋण का लक्ष्य। ब्लॉक स्तर पर भंडार गृह बनाने के लिए पूंजी की कमी की पीपीपी मॉडल के तहत भरपाई करने का प्रस्ताव। ग्रामीण स्तर पर अनाज भंडारण के क्षेत्र में महिला स्व-सहायता समूहों की धन्य लक्ष्मी की भूमिका को प्रोत्साहित किया जाएगा। मत्स्य पालन क्षेत्र के साथ युवाओं को जोड़ने के लिए 3477 सागर मित्रों की व्यवस्था।

किसानों की आमदनी दोगुनी

2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लक्ष्य के साथ वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में प्रधानमंत्री कुसुम योजना के दायरे में और 20 लाख किसानों को लाने का प्रस्ताव किया। इसके अलावा 15 लाख अतिरिक्त किसानों को उनके बिजली के पंपों को सौर ऊर्जा चलित बनाने में मदद की जाएगी।

किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए वित्त मंत्री ने सभी तरह के उर्वरकों के संतुलित इस्तेमाल तथा जीरो बजट प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्षा संचित क्षेत्रों में एकीकृत खेती प्रणाली को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ ही बहुस्तरीय फसल उगाने, मधुमक्खी पालन, सौर पंपों के इस्तेमाल तथा सौर ऊर्जा उत्पादन को भी बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जैविक खेती से संबंधित ऑनलाइन राष्ट्रीय पोर्टल को भी मजबूत बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जल संकट की समस्या से जूझ रहे देश के 100 जिलों में इस समस्या से निपटने

के लिए व्यापक इंतजाम किये जाएंगे।

भंडारण और लॉजिस्टिक सेवाएं

खाद्यान्नों की बर्बादी रोकने तथा उनके लिए सक्षम भंडारण अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए बजट में सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से ब्लॉक स्तर पर भंडार गृह बनाये जाने का प्रस्ताव है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय खाद्य निगम और सेन्ट्रल वेयर हाऊसिंग कॉरपोरेशन भी अपनी भूमि पर ऐसे भंडार गृह बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि धन्य लक्ष्मी के रूप में महिला स्व-सहायता समूहों की भंडारण क्षेत्र में भूमिका को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दूध, मांस जैसी जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं के लिए एक अबाधित राष्ट्रीय शीत आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए भारतीय रेल पीपीपी मॉडल के जरिये किसान रेल चलाएगी। एक्सप्रेस तथा मालगाड़ियों में प्रशीतन कोच लगाए जाएंगे। पूर्वोत्तर तथा जनजातीय जिलों में कृषि उत्पादों का बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा कृषि उड़ान योजना शुरू की जाएगी।

पशुपालन

पशुपालन क्षेत्र के योगदान को देखते हुए निर्मला सीतारमण ने 2020 तक मवेशियों के खुर और मुंह में होने वाली बीमारी %ब्रूसिलोसिस% तथा बकरियों को होने वाली बीमारी को पूरी खत्म करने का प्रस्ताव है। वित्त मंत्री ने कहा कि 2025 तक देश में दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता 53.5 मिलियन मीट्रिक टन से दोगुना करके 108 मिलियन मीट्रिक टन कर दी जाएगी। 2020-21 के लिए 15 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य तय। पीएम-किसान लाभार्थियों को केसीसी योजना के तहत लाने का प्रस्ताव।

रेल और विमानों से देश-विदेश तक पहुंचेंगी फल सब्जियां

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के आम बजट 2020-21 के पिटारे से किसानों की आय दोगुनी करने के लिए 16 सूत्रीय कार्ययोजना पेश की। इसमें सबसे अहम किसान रेल के तहत ट्रेनों और कृषि उड़ान योजना के तहत विमानों से देश के कोने-कोने और दूरदराज तक फल-सब्जियों और अन्य खाद्य उत्पादों की आपूर्ति शामिल है।

बजट में कृषि उड़ान और कृषि रेल चलाकर देश के अन्नदाता का भाग्य बदलने का खाका तैयार किया गया है। अन्नदाता के साथ किसानों को उर्जादाता का मार्ग प्रशस्त किया गया है। बजट में किसानों के बाजार को उदार बनाने, लॉजिस्टिक निवेश आदि क्षेत्र पर फोकस किया गया है।

नाबार्ड देशभर में 16.2 करोड़ टन क्षमता वाले कृषि गोदामों की मैपिंग व जियों टैगिंग करेगा। आम बजट में किसान रेल और कृषि उड़ान चलाने का प्रावधान किया गया है। सरकार ने फल सब्जी जैसी जल्दी खराब होने वाले कृषि उत्पादों की ढुलाई के लिए किसान रेल चलाने की घोषणा की है। इसके तहत एयरकंडीशनयुक्त (रेफ्रिजरेटेड वैगन) किसान मालगाड़ियां चलाई जांएगी। यह मालगाड़ियां पीपीपी के तहत चलाई जाएगी। फल, सब्जी, डेयरी उत्पाद, मछली, मांस आदि को लंबी दूरी की ढुलाई के लिए मेल-एक्सप्रेस व मालगाड़ियों को चलाने का प्रस्ताव किया है।

तीन स्तंभों पर टिका बजट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2020 की शुरुआत में कहा कि यह बजट तीन महत्वपूर्ण विषयों महत्वाकांक्षी भारत (एस्पायरेशनल इंडिया), सबके लिए (इकोनॉमिक डेवलपमेंट) आर्थिक विकास और संरक्षण समाज (केयरिंग सोसायटी) के इर्द-गिर्द केंद्रित है।

1. **महत्त्वाकांक्षी भारत :** इसे कृषि सिंचाई और ग्रामीण विकास, वेलनेस, जल और स्वच्छता और शिक्षा और कौशल से संबंधित कार्य में और योजना में बांटा गया है। यह 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने नए भारत के लक्ष्यों को पाने में मददगार होगा।

2. **सबके लिए आर्थिक विकास :** इसे प्रधानमंत्री के प्रबोधन सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास में दर्शाया गया है। इससे अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्र सुधार लाने की आवश्यकता होगी। साथ ही साथ इसमें निजी क्षेत्र के लिए अधिक गुंजाइश होगी। दोनों मिलकर अधिक उत्पादकता और बेहतर क्षमता सुनिश्चित करेंगे।

3. **संरक्षण समाज :** हमारा संरक्षण समाज होगा जो मानवीय और दयाभावना से भरा होगा। अन्त्योदय विश्वास का प्रतीक है। डिजिटल गवर्नेंस के जरिए सेवाओं की आसान आपूर्ति, राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन के जरिये जीवन की भौतिक गुणवत्ता में सुधार लाना और पेंशन और बीमा प्रवेश के जरिए सामाजिक सुरक्षा शामिल है।

71वें गणतंत्र दिवस की समस्त किसान भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण

- किसान क्रेडिट कार्ड
- कृषि यंत्र के लिए ऋण
- दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
- मत्स्य पालन हेतु ऋण
- स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण
- खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

श्री कुलदीपसिंह बुंदेला (प्रशासक)

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्रीमती भारती शेखावत (अायुक्त सहकारिता)

श्री आर.एस. वसुनिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से :

श्री राजेंद्र शर्मा (शा.प्र. राजवाड़ा), श्री गिरीश देवासकर (शा.प्र. महिला शाखा), श्री नंदराम वर्मा (शा.प्र. बगड़ी)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. नौगाँव, जि.धार श्री पन्नालाल सिसौदिया (समिति प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. बिलौंदा, जि.धार श्री महेंद्रसिंह ठाकुर (समिति प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. तोरनोद, जि.धार श्री जितेंद्र यादव (समिति प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. बगड़ी, जि.धार श्री नंदराम वर्मा (समिति प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. मोहनपुर, जि.धार श्री अंतरसिंह (समिति प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. नालछा, जि.धार श्री रामगोपाल वर्मा (समिति प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. सलकनपुर, जि.धार श्री दीपक सिसौदिया (समिति प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. छोटा जामन्या, जि.धार श्री कनिराम मंडलोई (समिति प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. तीसगाँव, जि.धार श्री सुरेश ठाकुर (समिति प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. चंदरपुरा, जि.धार श्री जितेंद्र पटेल (समिति प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. उमरियाबड़ा, जि.धार श्री श्याम परमार (समिति प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. बाछनपुर, जि.धार श्री अरुण शर्मा (समिति प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

गणतंत्र दिवस पर जो सोचना है

» शशि शेखर

अभूतपूर्व वैचारिक द्वंद्व के बीच हम 71वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं। यह पहला मौका है, जब इस पुनीत राष्ट्रीय पर्व पर भारतीय समाज अनचीन्हे सवालों से जूझ रहा है। क्या हम दो धाराओं में बंटने जा रहे हैं? अगर ऐसा होता है, तो यह देश के लिए कैसा होगा? नागरिकता संशोधन कानून क्या वाकई किसी खास वर्ग के खिलाफ है? क्या इससे भारत की संघीय अवधारणा खतरे में पड़ने जा रही है?

कमाल यह है कि इस बहस में शामिल सभी लोग संविधान की दुहाई दे रहे हैं। कुलजमा एक लाख, छियालिस हजार, तीन सौ पचासी शब्दों की यह पवित्र पोथी क्या कहती है, यह जानने के लिए उसकी प्रस्तावना को समझना जरूरी है। प्रस्तावना है- हम भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को : सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई0 (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतदद्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

आजकल इन शब्दों के मर्म को ढाल बनाने की कोशिश की जा रही है। चाहे दिल्ली का शाहीन बाग हो या लखनऊ अथवा मुंबई का कोई अन्य धरना स्थल, हर जगह कुछ शब्द कॉमन हैं- संविधान, शांति, अहिंसा, भाईचारा आदि। उत्तर प्रदेश और मंगलोर की हिंसा के बाद आंदोलनकारियों ने दूसरी तरकीब अपनाई है। वे महिलाओं और नौजवानों को आगे कर रहे हैं। वे जानते हैं कि इन्हें बलपूर्वक हटाना आसान नहीं। सोशल मीडिया के उबाल के इस वक्त में, जब तिल भी आसानी से ताड़ की शक्ल ले लेता है, तब कोई भी जोर-जबरदस्ती अपयश का कारण बन सकती है। ये लोग 'शांतिपूर्ण' तरीके से अपने आंदोलन को लंबे से लंबा खींचना चाहते हैं। वे जानते हैं कि जितना लंबा आंदोलन, उतनी बड़ी सुर्खियां।

तिरंगा, क्रांतिकारी कविताएं, गांधी और आंबेडकर की तस्वीरों के साथ माहौल को सुर्खरू करने की कोशिशें अभी तक कामयाब रही हैं, पर लोहरदगा और वाराणसी की घटनाएं चिंतित करती हैं। लोहरदगा में नागरिकता कानून के समर्थन में निकल रहे जुलूस पर पथराव के बाद हिंसा पसर गई। ये पंक्तियां लिखे जाने तक वहां कर्फ्यू जारी है। इसी तरह, वाराणसी के बेनियाबाग में

प्रदर्शनरत लोगों को जब पुलिस ने हटाने की कोशिश की, तो पथराव हो गया। महाराष्ट्र से भी हिंसा की खबरें आ रही हैं। बताने की जरूरत नहीं, अगर अन्य स्थानों पर यह कहानी दोहराई गई, तो सामाजिक सद्भाव को खतरा पैदा हो सकता है।

सवाल उठता है कि हमारे देश से क्या सर्वानुमति की राजनीति के दिन सदा-सर्वदा के लिए विदा हो गए?

आज के हालात पर बात करने से पहले मैं आपको संविधान सभा के सदस्यों की ओर ले चलना चाहूंगा। उनमें से ज्यादातर आज हमारे बीच नहीं हैं, पर वे जो रच गए, वह भारत के विविधतामूलक समाज को रास्ता दिखाने के लिए पर्याप्त है। ऐसा इसलिए हो सका, क्योंकि इस सभा में विभिन्न धर्मों, वर्गों और आंदोलनों से जुड़े लोग शामिल थे। एक तरफ राजेंद्र प्रसाद, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल और मौलाना आजाद जैसे गांधीवादी थे, तो दूसरी तरफ जेबी कृपलानी और सोमनाथ लाहिड़ी जैसे समाजवादी या वामपंथी शामिल थे। आगे चलकर भारतीय जनसंघ की स्थापना करने वाले श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे, तो मुस्लिम लीग की बेगम एजाज रसूल भी। किसानों की रहनुमाई एमजी रंगा कर रहे थे, तो सिखों का प्रतिनिधित्व करने के लिए बलदेव सिंह थे। दलित अधिकारों की रहनुमाई खुद बाबा साहब आंबेडकर कर रहे थे। यह संविधान सभा सच्चे अर्थों में भारत के हर वर्ग का प्रतिनिधित्व करती थी और इसीलिए वह एक ऐसा संविधान बना सकी, जो धर्म अथवा पंथ से परे सिर्फ भारतीय जन गण मन को रूपायित करता है।

आज भी तो हर वर्ग के जन-प्रतिनिधि मौजूद हैं, पर उनके बीच अविश्वास की दरार चौड़ी होती जा रही है। वे जानते हैं कि सारी समस्या का समाधान सिर्फ आपसी बातचीत है, पर कुछ हुकूमत की जिद, तो कुछ विपक्षी दलों के दांव-पेच बीच की राह नहीं निकलने दे रहे। सरकार का कहना है कि नागरिकता संशोधन कानून पर विपक्षी पार्टियों के जरिए भ्रम फैलाया जा रहा है। सत्तारूढ़ दल के शीर्ष नेता जनसभाओं में विपक्ष को सार्वजनिक बहस की चुनौती दे रहे हैं। इसके प्रति-उत्तर में एनडीए के विरोधी दल ताल ठोक रहे हैं कि सरकार आर्थिक बदहाली से ध्यान हटाने के लिए ऐसा कर रही है। वे कहते हैं- भारत में लोकतंत्र खतरे में है और इसीलिए मशहूर पत्रिका द इकोनॉमिस्ट ने भारत की रेटिंग दस स्थान तक गिरा दी है। दोनों ओर से शाब्दिक तीरों की बौछार चरम पर है। इन दो पाटों के बीच वे आंदोलनकारी हैं, जो सरकार से समाधान की उम्मीद कर रहे हैं। नतीजतन, कड़वाहट बढ़ती जा रही है।

इस दौरान एक और खतरनाक प्रवृत्ति सिर उठाती दिख रही है। तमाम राज्यों ने नए कानून को लागू करने से इनकार कर दिया है। इन प्रदेशों की कमान संभाल रहे लोग जानते हैं कि वे ऐसा नहीं कर सकते। संसद से एक बार कानून बना दिया गया, तो वह पूरे देश में लागू होना ही है। अगर वे अपनी जिद पर अड़े रहे, तो इसका अंजाम क्या होगा? क्या इससे देश के संघीय ढांचे पर चोट पहुंचने का खतरा नहीं पैदा हो रहा? कुछ राज्यों में पहले से ही राज्यपाल और मुख्यमंत्री गरिमापूर्ण परंपराओं को मटियामेट करने में लगे हैं, उससे यह आशंका और प्रबल हो जाती है कि यह सब एक लंबे सियासी खेल का हिस्सा है।

ऐसा नहीं है कि यह सब पहली बार हो रहा है। इससे पहले कश्मीर और उत्तर-पूर्व के कुछ राज्यों में 'दिल्ली' के खिलाफ आवाजें उठी हैं। वे छितराई हुई थीं, उनसे निपटना आसान था, पर इस बार संविधान की शपथ लेने वाले तमाम मुख्यमंत्री ऐसा कर रहे हैं। चंडीगढ़ से त्रिवेंद्रम तक यह आग चौतरफा पसरती दिख रही है। यही वह मुकाम है, जो गणतंत्र में तंत्र के आगे 'गण' की असहायता को दर्शाता है। क्या संसार के सबसे बड़े लोकतंत्र को यह शोभा देता है?

हम होंगे कामयाब!

» पवन सिन्हा

चुनौतियों के बीच भारत 71वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। देश के सम्मुख सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक विकास की है। गिरती अर्थव्यवस्था का संकेत है, व्यापार में कमी, मांग और आपूर्ति में कमी, बढ़ती कीमतें, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का बिकना, विकास योजनाओं के लागू होने में परेशानियां आना और नौकरियां कम होना, ये सब ऐसे समय में हो रहा है जब भारत विश्व का सबसे युवा देश होने वाला हैं यानी दायित्व और बढ़ने वाले हैं।

भारत के आंतरिक तथा बाहरी दोनों मोर्चों पर खतरे बढ़ रहे हैं, विशेष रूप से आंतरिक सुरक्षा के सम्मुख परेशानियां अधिक हैं। हम ऐसे दौर में आ खड़े हुए हैं जहां सुरक्षा बलों के साथ-साथ नागरिकों को स्वयं सुरक्षा व्यवस्था में हिस्सेदारी निभानी होगी। सोशल मीडिया भी एक बहुत बड़ी चुनौती है। फेक न्यूज, अश्लीलता, इतिहास और धर्म की आड़ में कीचड़ उछालना, बिगड़ती हुई भाषा, हर मन पर नकारात्मक प्रभाव छोड़ रही है।

इससे समाज में आक्रामकता, अवसाद बढ़ रहा है और रिश्ते टूट रहे हैं। सोशल मीडिया ना केवल भ्रम फैलाने की मशीन बन रहा है, बल्कि ज्ञान के अभाव में दुर्भावना से प्रेरित असभ्य संवाद देश की एकता के लिए भी खतरा बन रहा है। सोशल मीडिया के लिए सख्त कानून और त्वरित सजा समय की मांग है।

सार्थक युवा नीति एवं शिक्षा नीति इस समय सबसे बड़ी जरूरत है। युवा नीति के माध्यम से युवाओं को दिशा देना तथा शिक्षा नीति के माध्यम से ज्ञान और समरसता स्थापित करना, ये वो लक्ष्य हैं, जिन पर पूरी शक्ति से जुटना होगा। यूं तो राजनीति में वोट बैंक और ध्रुवीकरण सदा साथ ही चलते हैं, परन्तु इस दौर में जिस स्तर पर ध्रुवीकरण हो रहा है वो भविष्य में बहुत परेशानियां उत्पन्न करेगा। यदि राजनीति में समावेशिता समाप्त हो जाए तो छोटे-मोटे लाभ के लिए ध्रुवीकरण चरम पर पहुंच जाएगा। ये देश की एकता और अखंडता के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है।

अभी शिक्षा, न्याय व्यवस्था, नौकरशाही, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण आदि ऐसे बहुत सारे क्षेत्र हैं, जिसमें लोक हित में कार्य करने की आवश्यकता है। जनाधार पर चलने वाली नौकरशाही आज भी देश की अधिकतर जनता को उपलब्ध नहीं है। आज भी अधिकतर राजनीतिक दलों के मेनिफेस्टो शपथ पत्र के रूप में नहीं लिए जाते, जिससे उत्तरदायी सरकार की स्थापना होने में बहुत कठिनाइयां होती हैं। चुनौतियों के साथ हम गणतंत्र के एक और वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, इस उम्मीद के साथ कि हम होंगे कामयाब।

अनुशासन मांगता है गणतंत्र

» गिरीश्वर मिश्र

प्राध्यापक और कुलपति

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की फलश्रुति के रूप में देश ने संविधान को अंगीकार कर अपने भाग्य को उसके साथ 26 जनवरी, 1950 को जोड़ दिया। इसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के रामराज्य का नक्शा होना था जिससे एक स्वावलंबी समाज में हर हाथ को काम, देश के निर्माण में सहयोग की अनुभूति, स्वस्थ जीवनशैली, प्रकृति का आदर, स्वार्थ की जगह लोकहित की स्थापना, सबके लिए शिक्षा, विकेंद्रीकृत शासन और अधिकाधिक जन-भागीदारी के अवसर की कल्पना की गई थी। पर जो सरकार बनी, वह इन सबको अव्यावहारिक करार देते हुए इनसे दूर हटती गई। देश को आगे ले जाने का जो सपना तब देखा गया था, वह पूरा न हो सका।

आज सात दशक बाद यह विचारणीय हो जाता है कि हम अपनी अब तक की यात्रा को टटोलें और देखें कि क्या भूल-चूक हुई और अब हमारे पास क्या विकल्प हैं? वैश्विकता के दौर में आज हमारे सोच-विचार के पैमाने बदल गए हैं। हम एक अंधी दौड़ में शामिल हो गए हैं, जिसका कोई ओर-छोर नहीं दिख रहा। आज हम मनुष्य और प्रकृति, दोनों से बर्बर हुए जा रहे हैं। हिंसा का उन्माद चारों ओर फैल रहा है। गांधीजी अहिंसा में स्नेह और साख्य भाव को देखते थे। पारस्परिक निकटता और सौहार्द उसका स्वाभाविक परिणाम था तथा संवाद उसका माध्यम। आज समाज और देश के सरोकार पृष्ठभूमि में जा रहे हैं। हम अपने उन उत्तरदायित्वों से कटते गए हैं, जो स्वत- हमसे जुड़े थे। हमने बड़े प्रयास से जो संविधान बनाया था, उससे छूट लेते गए। पिछले सत्तर वर्षों में हमने इसमें 103 संशोधनों को स्वीकार किया है, जिनमें कई निहित स्वार्थ की पूर्ति के लिए स्वीकार किए गए।

हमारी शिक्षा जीवनोपयोगी होना चाहिए। आज शिक्षित बेरोजगारों की बढ़ती संख्या देखकर सभी दुखी हैं। गांधीजी परिवर्तनों के साथ जीवनशैली को बदलना चाहते थे। वे जानते थे कि कहना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि जो चाहते हैं, उसे करना ही सही तरीका है। जो परिवर्तन हम चाहते हैं, उसे हमें जीना भी चाहिए। हमने संविधान में ऐसी बहुत सी व्यवस्थाएं बनाईं, जिससे सबकी भलाई हो, परंतु उन्हें लागू कर पाने में काफी हद तक नाकाम रहे। क्षुद्र स्वार्थों में फंसकर गलत ढंग से लाभ उठाना जायज होता गया। आर्थिक भ्रष्टाचार के अनेक रूप पनपने लगे। बड़े-बड़े आर्थिक घोटालों की झड़ी लग गई। सरकार सबसिडी देकर जनता को लुभाती रही। आज एक और प्रवृत्ति विकसित हो रही है कि सरकारें सस्ते कर्ज देकर पर-निर्भरता का पाठ पढ़ाकर उनके आचरण को दूषित कर रही हैं।

आज की स्थिति एक जटिल विसंगति की है। एक ओर संसाधन घटते जा रहे हैं, दूसरी ओर लोभ, संग्रह, परिग्रह और लिप्सा की भावना दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। हम भविष्य की कोई तैयारी नहीं कर रहे हैं। हमारी नजरें तकनीक पर हैं। हम सोचते हैं कि इसके सहारे हम सभी समस्याओं का समाधान कर लेंगे। गांधीजी उचित तकनीक और छोटी मशीनों के पक्षधर हैं, किंतु हम तकनीक के दास हुए जा रहे हैं। गणतंत्र अनुशासन मांगता है, किंतु हम सब अपनी सुविधा के अनुसार व्यवस्था चलाना चाहते हैं। समाज के निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों का दायित्व बनता है कि वे व्यापक सामाजिक हित को साधने की कोशिश करें। युवतर होते भारत के सामने ढेरों जन-आकांक्षाएं हैं। समानता, बंधुत्व, समरसता का लक्ष्य सामने है और इसके लिए सबको एकजुट होकर काम करना होगा। गणतंत्र दिवस पर हम सबको ऐसा संकल्प लेना चाहिए।

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री

श्री सचिन यादव
कृषिमंत्री

डॉ. विजयलक्ष्मी साधौ
प्रभारी मंत्री

गणतंत्र दिवस की 70वीं वर्षगाँठ
पर समस्त किसान भाइयों को
हार्दिक बधाइयाँ

श्री वीरेन्द्र कटारे
(भारसाधक अधिकारी)

श्री राकेश कुमार दुबे
(सचिव)

किसान भाइयों से अपील

नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के
पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही
अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति धार, जिला धार

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट

गणतंत्र दिवस की
किसान भाइयों को
हार्दिक बधाइयाँ

समस्त
किसानों को
0%
ब्याज पर ऋण

श्री जगदीश कन्नौज
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एम.एल. गजभिये
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री एस.के. खरे
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से : इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक लि., इंदौर

26 जनवरी को ही क्यों मनाते हैं ‘गणतंत्र दिवस’

भारत का संविधान दुनिया के सबसे बड़े और पुराने लिखित संविधानों में सुमार है, गौर करने वाली बात तो यह है कि, भारतीय संविधान को अपने अस्तित्व में आने में पूरे 2 साल 11 महीने और 18 दिन लगे थे, इसके बाद यह संविधान 26 जनवरी, 1950 को पूरे देश के लिए एक लोकतांत्रिक सरकार प्रणाली के साथ लागू किया गया था। इसी उपलक्ष्य में हर साल गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। हालांकि, एक स्वतंत्र गणराज्य बनने और देश में कानून का राज स्थापित करने के लिए संविधान को 26 नवंबर, 1949 को भारतीय संविधान सभा द्वारा अपनाया गया था। अब बात यह आती है कि, इसी तारीख यानी 26 जनवरी के दिन ही गणतंत्र दिवस क्यों मनाते है इसका कारण यह है कि, सन् 1929 को अंग्रेजों की गुलामी के विरुद्ध कांग्रेस ने ‘पूर्ण स्वराज’ का प्रस्ताव पास किया था।

भारतीय संविधान से जुड़ी रोचक जानकारी

- संविधान की मूल प्रति प्रेम बिहारी नारायण रायजादा ने 2 भाषाओं ‘हिंदी और इंग्लिश’ में लिखी गई थीं, जो कॉपी हस्तलिखित और कैलीग्राफ्ड थी।
- प्रेम बिहारी द्वारा बनाए गए इस संविधान में भीम राव अमेंडकर अध्यक्ष बने थे
- 06 महीने की अवधि में लिखे गए संविधान में टाइपिंग या प्रिंट का इस्तेमाल नहीं किया गया था, बल्कि हाथ से लिखा गया था।
- संविधान लागू होने के समय 395 अनुच्छेद, 8 अनुसूचियां और 22 भाग थे, लेकिन वर्तमान में 12 अनुसूचियां हो गई हैं।
- वहीं, इस संविधान को बनाने वाली समिति में कुल 284 सदस्य थे, जिनमें 15 महिला सदस्य थीं, जिन्होंने 24 नवंबर, 1949 को संविधान पर हस्ताक्षर किए थे।
- भारतीय संविधान की पांडुलिपि 1000 से भी अधिक साल तक बचे रहने वाले सूक्ष्मजीवी रोधक चर्मपत्र पर लिखकर तैयार की गई है, जिसके 234 पेज हैं और इसका वजन 13 किलो है।

एम.पी. विजन-टू-डिलीवरी रोड मैप-2020-25

सहकारिता से किसानों की समृद्धि

किसानों को कृषि आदान, अल्पकालीन कृषि ऋण तथा फसलों का उचित मूल्य दिलाने के लिए सहकारी बैंकों एवं प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों को सक्रिय किया गया है।

मध्यप्रदेश शासन के विजन टू डिलीवरी रोडमैप 2020-25 में सहकारिता के माध्यम से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने का निर्णय लिया गया है। किसानों को कृषि आदान, अल्पकालीन कृषि ऋण तथा फसलों का उचित मूल्य दिलाने के लिए सहकारी बैंकों एवं प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों को सक्रिय किया गया है। वर्तमान में इन संस्थाओं में 73 लाख से अधिक किसान सदस्यों को सहकारिता के माध्यम से कृषि आदान संबंधी सभी सुविधाएँ प्रदाय की जा रही हैं।

राज्य सरकार द्वारा सहकारी संस्थाओं की चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाया गया है, जिससे लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव हो सकें। ग्रामीण क्षेत्रों में नवीन रोजगार सृजन तथा उत्पादकता में वृद्धि के लिए रोजगार मूलक क्षेत्रों में नवीन सहकारी संस्थाओं का गठन किया जा रहा है।

9716 करोड़ फसल ऋण वितरित

राज्य शासन किसानों को कृषि आदानों के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण उपलब्ध करवा रहा है। वर्ष 2019-20 में 9,716 करोड़ रूपये का फसल ऋण वितरित किया जा चुका है। कालातीत ऋण वाले 4.95 लाख किसानों का ऋण माफ करने के बाद किसानों को 1633 करोड़ फसल ऋण उपलब्ध कराया गया।

ऋण माफी के लिए 4262 करोड़ निर्गमित

जय किसान फसल ऋण माफी योजना में 17 लाख 84 हजार किसानों के लिए 4262.68 करोड़ रूपये की राशि निर्गमित की गई है। प्रथम चरण की ऋण माफी प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। दूसरे चरण की ऋण माफी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कालातीत ऋणों के अंतर्गत 9 लाख 42 हजार किसानों के लिए 2275.27 करोड़ तथा अकालातीत ऋण के अंतर्गत 8 लाख 42 हजार किसानों के लिए 1987.41 करोड़ रूपये की राशि शासन द्वारा निर्गमित की गई है।

बैंकों के माध्यम से 63.18 लाख किसान क्रेडिट कार्ड

प्रदेश में व्यावसायिक बैंकों समेत समस्त बैंकों के माध्यम से कुल 63 लाख 18 हजार किसानों को क्रेडिट कार्ड जारी किये गये हैं। इनमें से जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों के माध्यम से 37 लाख किसानों को क्रेडिट कार्ड जारी किये गये हैं। इस प्रकार योजना में सहकारी बैंकों की 50 प्रतिशत से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की गई।

रासायनिक उर्वरक एवं उन्नत बीज प्रदाय

सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को वस्तु ऋण के रूप में रासायनिक उर्वरकों एवं उन्नत बीजों का प्रदाय किया जा रहा है। वर्ष 2019-20 में सहकारी समितियों द्वारा अभी तक किसानों को 19.80 लाख मी.टन रासायनिक उर्वरकों और 2.53 लाख क्विंटल उन्नत बीज वितरित किये गये हैं।

सहकारी बैंकों एवं साख समितियों को 3 हजार करोड़

राज्य शासन ने प्राथमिक साख समितियों एवं सहकारी बैंकों की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए 3 हजार करोड़ शासकीय अंशपूंजी सहायता स्वीकृत की है। इसमें से एक हजार करोड़ का निर्गमन किया जा चुका है। संस्थाओं को यह राशि किसानों को ऋण वितरण एवं अन्य गतिविधियों का लाभ देने के लिये उपलब्ध कराई गई है।

73.69 लाख मी.टन गेहूं एवं 5.98 लाख मी.टन धान

किसानों को सहकारी समितियों के माध्यम से फसलों का उचित मूल्य दिलाने के प्रयास शुरू किये गये हैं। इस व्यवस्था में वर्ष 2019-20 में अभी तक 73 लाख 69 हजार 549 मी.टन गेहूं तथा 5 लाख 98 हजार 28 मी.टन धान का समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया गया। इस अवधि में उपार्जित गेहूं की कुल कीमत 135549.97 करोड़ रूपये तथा उपार्जित धान की कुल कीमत 1085.42 करोड़ रूपये है।

कृषि उद्यमिता लाएगी अर्थव्यवस्था में बड़ा परिवर्तन

'वैसे तो गुजर-बसर करने के लिए खेती करने से काम चल जाता है, लेकिन कृषि उद्यमिता वास्तव में मध्यप्रदेश की कृषि आधारित अर्थ-व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव ला सकती है।' यह कहना है प्रगतिशील किसान संतोष यादव का। वे खरगोन जिले के कसरावद ब्लॉक के अहीर धामनोद में रहते है। उन्होंने हाल ही में कर्नाटक के तुमकुर में प्रधान मंत्री के हाथों कृषि कर्मण पुरस्कार प्राप्त किया। उन्हें 2016-17 के दौरान गेहूँ उत्पादन के लिए यह पुरस्कार मिला है।

संतोष यादव के खेत से गेहूँ का उत्पादन 44 क्विंटल प्रति एकड़ आंका गया था। धामनोद में उनकी खेती दस एकड़ में है। यह परिवार के चार सदस्यों के बीच विभाजित है। उनका बड़ा बेटा योगेश 10 वीं कक्षा में पढ़ता है जबकि बेटी तनुश्री 8 वीं कक्षा में है। वे बताते है कि , मेरे पास एक ट्यूबवेल और एक पारंपरिक कुआं है। मेरे खेत के लिए काफी है। इसके अलावा, तीन भैंस, दो बैल और एक गाय है। बैल अभी भी उपयोगी हैं क्योंकि बरसात में मशीनें काम नही कर पाती। इन्हीं से काम लेते हैं। खेती के विभिन्न आयामों के बारे में अपने विचार साझा करते हुए, संतोष यादव ने बताया कि- खेती में कुशल श्रमिक मिलना कम होते जा रहे हैं। मुझे खुद खेती के कई श्रम साध्य काम करना पड़ता है।

महिला प्रगतिशील किसान श्रीमती शिवलता मेहतो के परिवार में उनके नाम पर कुल 10 एकड़ में से 4.5 एकड़ जमीन हैं। बाकी उसके पति और दो बेटों के नाम हैं। बड़े बेटे ऋषभ मेहतो आरकेडीएफ कॉलेज भोपाल में एग्रीकल्चर में एमएससी कर रहे हैं, जबकि छोटा बेटा अर्जुन महतो सरदार वल्लभभाई पटेल गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक भोपाल में कंप्यूटर साइंस पढ़ रहा है। वे बताती है कि- मुझे 2017-18 के दौरान चने के उत्पादन के लिए पुरस्कार मिला। पैदावार का मूल्यांकन 18 क्विंटल प्रति एकड़ किया गया। बाजार में 4000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बड़ी राहत मिली। सबसे बड़ा फायदा यह है कि मेरा खेत पथरौटा गाँव में है। यह इटारसी तहसील मुख्यालय से सिर्फ 5 किलोमीटर दूर है। यह एक ग्राम पंचायत है जिसकी आबादी लगभग 3000 है। मेरे पति साहब लाल खेती की कई गतिविधियों के प्रबंधन में बहुत मदद करते हैं।

इसी प्रकार श्रीमती कंचन वर्मा के परिवार के पास 70 एकड़ की एक बड़ी खेती है। वे होशंगाबाद के इटारसी में सोमलवाड़ा गाँव में रहती है। यह खेती दो परिवारों में बँटी है। वर्ष 2016-17 में गेहूँ के उत्पादन के लिए उन्हें पुरस्कार मिला है। गेहूँ के उत्पादन का मूल्यांकन 44 क्विंटल प्रति एकड़ रहा। श्रीमती वर्मा मिट्टी की जाँच के बारे में अन्य किसानों को सजग रहने की सलाह देती है। वे कहती है कि- मिट्टी का परीक्षण हर मौसम से पहले फलदायी होता है । एक ही प्रकार की फसल लेकर हमेशा मोनोकल्चर से बचना चाहिए। वे बताती है कि- मेरी मिट्टी का परीक्षण जब किया गया तो जिंक की कमी की सूचना मिली। इसलिए बुवाई शुरू होने से पहले इसका इलाज किया। खेती की चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर श्रीमती कंचन ने बताया कि- प्रतिकूल मौसम सबसे बड़ा खतरा है। चुनौती समय-प्रबंधन की है। इसमें विफलता से बड़ा नुकसान होता है। वे मुख्यमंत्री कमल नाथ की कृषक समुदाय को कृषि उद्यमिता से जोड़ने की प्रशंसा करते हुए कहती हैं कि आय का आधार बढ़ाने के लिए यह एकमात्र विकल्प है।

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानो को 0% ब्याज पर ऋण

गणतंत्र दिवस की 70वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

श्री जगदीश कन्नौज
(बैंक प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सह.)

श्री के. पाटनकर
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री एन.यू. सिद्दीकी
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

श्री गजेन्द्र अत्रे
(वित्त प्रबंधक)

सौजन्य से

श्री चंपालाल यादव (शा.प्र. कृषि शाखा)
श्री मोहन मंडलोई (पर्यवेक्षक कृषि शाखा)

श्री अशोक मंडलोई (शा.प्र. खालवा)
श्री लक्ष्मण वासवे (पर्यवेक्षक खालवा)

श्री पुरुषोत्तम बलाल (शा.प्र. जावर)
श्री के.डी. बिरला (पर्यवेक्षक जावर)

प्रा. कृ.साख सह.संस्था मर्या. बगमार, जि. खंडवा श्री अनिल जोशी (प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह.संस्था मर्या. खालवा, जि. खंडवा श्री गणेश राजवैद्य (प्रबंधक)
प्रा. कृ.साख सह.संस्था मर्या. सिर्र, जि. खंडवा श्री राजेश बोमटे (प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह.संस्था मर्या. गुलई, जि. खंडवा श्री अशोक कपिल (प्रबंधक)
प्रा. कृ.साख सह.संस्था मर्या. जसवाड़ी, जि. खंडवा श्री अशोक सोनी (प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह.संस्था मर्या. सेन्धवाल, जि. खंडवा श्री नसीर अहमद कुरैशी (प्रबंधक)
प्रा. कृ.साख सह.संस्था मर्या. भानगढ़, जि. खंडवा श्री मोहन मंडलोई (प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह.संस्था मर्या. काला आमखुर्द, जि. खंडवा श्री सुनील गंगराड़े (प्रबंधक)
प्रा. कृ.साख सह.संस्था मर्या. बड़गाँव गुर्जर, जि. खंडवा श्री अनिल जोशी (प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह.संस्था मर्या. कोठा, जि. खंडवा श्री राजेश सांखला (प्रबंधक)
प्रा. कृ.साख सह.संस्था मर्या. रामेश्वर, जि. खंडवा श्री चम्पालाल मीणा (प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह.संस्था मर्या. सहेजला, जि. खंडवा श्री के.डी. बिरला (प्रबंधक)
प्रा. कृ.साख सह.संस्था मर्या. बड़गाँव माली, जि. खंडवा श्री विजय लाड़ (प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह.संस्था मर्या. जावर, जि. खंडवा श्री नरेन्द्र कोरसिया (प्रबंधक)
प्रा. कृ.साख सह.संस्था मर्या. अहमदपुर, जि. खंडवा श्री गोकुल पटेल (प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह.संस्था मर्या. सिहाड़ा, जि. खंडवा श्री के.डी. बिरला (प्रबंधक)
प्रा. कृ.साख सह.संस्था मर्या. टेमीकलां, जि. खंडवा श्री मिश्रीलाल पटेल (प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह.संस्था मर्या. मांडला, जि. खंडवा श्री अशोक अत्रे (प्रबंधक)
प्रा. कृ.साख सह.संस्था मर्या. नाहल्दा, जि. खंडवा श्री चम्पालाल मीणा (प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह.संस्था मर्या. केहलारी, जि. खंडवा श्री अशोक शर्मा (प्रबंधक)
प्रा. कृ.साख सह.संस्था मर्या. सुंदरदेव, जि. खंडवा श्री अशोक कपिल (प्रबंधक)	आ.जा. सेवा सह.संस्था मर्या. रनगाँव, जि. खंडवा श्री अशोक शर्मा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं समस्त संचालकगण की ओर से

मध्यप्रदेश की सभी पंचायतों में डिजिटल भुगतान

मध्यप्रदेश की सभी 22812 पंचायतों में 15 अक्टूबर से अपने डिजिटल सिग्नेचर द्वारा भुगतान शुरू किया जाना एक अभूतपूर्व कदम है। यह कार्य पंचायती राज व्यवस्था के वास्तविक क्रियान्वयन की दिशा में दिए गए हमारे वचन का एक सार्थक परिणाम है। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती समारोह वर्ष में लोकतंत्र की सबसे निचली इकाई ग्राम पंचायतों द्वारा अर्थ प्रक्रिया की स्वतंत्र व्यवस्था बापू के सपनों के भारत का साकार स्वरूप है। इस व्यवस्था के लागू होने से प्रदेश की पंचायतें पारदर्शिता के साथ एक स्वतंत्र इकाई के रूप में कार्य करने में सक्षम हो गई हैं। हर ग्राम पंचायत आत्मनिर्भर हो, सक्षम हो और समृद्ध मध्यप्रदेश में अपना यगदान दे सके, यही हमारा लक्ष्य है। इस नवाचार के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अमले और जनप्रतिनिधियों को बधाई और शुभकामनाएँ।

● **कमलेश्वर पटेल,**
मंत्री, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश ने पंचायतों के विकेंद्रीकरण की दिशा में अनूठा नवाचार किया है। प्रदेश देश में पहला ऐसा राज्य है जहाँ ग्राम पंचायतों द्वारा डिजिटल भुगतान किया जा रहा है। प्रदेश की सभी 22812 पंचायतों में सूचना प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग और कार्यप्रणाली ने 73वें संविधान संशोधन से हुए त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था के क्रियान्वयन को पंख लगा दिए हैं।

पंचायतों में डिजिटल सिग्नेचर की प्रक्रिया से वर्तमान सरकार के वास्तविक पंचायत राज व्यवस्था लागू करने के वचन ने आकार लिया है। यह कार्य पंचायत व्यवस्था की न्यूनतम इकाई में विकेंद्रीकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

15 अक्टूबर से प्रदेश सभी 22812 पंचायतों में सरपंच तथा सचिव के डिजिटल सिग्नेचर (डोंगल या डीएससी) के माध्यम से भुगतान प्रारंभ कर दिए गए हैं। पूरे देश में ग्राम पंचायतों द्वारा इस प्रणाली के माध्यम से भुगतान करने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक श्री सुनील जैन, उनके सहयोगी दीपक व्यास तथा दल द्वारा पंचायत दर्पण पोर्टल पर मॉड्यूल विकसित करके सफलतापूर्वक इस कार्य को सम्पन्न कराया गया।

डिजिटल पेमेंट की इस प्रक्रिया में सरपंच के डीसीएस (डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट) को जनपद के लॉग इन से रजिस्टर किया जाना होगा, जिसे बैंक द्वारा सत्यापित किया जाएगा। शेष प्रक्रिया पूर्व अनुसार रहेगी। सभी पंचायतें एक भुगतान टेस्टिंग के रूप में करके यह सुनिश्चित करेंगी कि उन्हें नई व्यवस्था से कोई कठिनाई शेष नहीं है। साथ ही एमजीएसआईआरएस (महात्मा गाँधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल

डेवलपमेंट) जबलपुर द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में पंचायत दर्पण पोर्टल तथा डीएससी (डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट) के उपयोग के संबंध में सरपंच तथा सचिव को प्रशिक्षित किया जाएगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रारंभ किए गए डिजिटल भुगतान का यह अनोखा, अद्भुत और अनूठा उदाहरण है कि जहाँ छोटी सी इकाई ग्राम पंचायत अपना भुगतान डिजिटल प्रणाली से कर रही है वहीं बड़े-बड़े विभाग आज भी चेक तथा एनआईएफटी पर निर्भर है। इस तरह पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा लागू यह प्रणाली पंचायतों के विकेंद्रीकरण की दिशा में एक ऐसा उल्लेखनीय कदम है जिससे अब किसी तकनीकी समस्या के कारण पूरे राज्य का भुगतान प्रभावित नहीं होगा।

क्या सावधानी रखनी होगी

डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) द्वारा भुगतान की प्रक्रिया में कुछ सावधानी रखना भी आवश्यक है। क्योंकि यह सम्पूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन है अतः इसमें सुरक्षा की दृष्टि से कुछ सावधानियाँ जरूरी है। इसे लेकर उप संचालक, आई.टी. पंचायत राज संचालनालय, भोपाल श्री आर.डी. त्रिपाठी ने बताया कि वर्तमान में सभी पंचाायतें ई-पंचायतें हैं। जहाँ कम्प्यूटर व अन्य आवश्यक उपकरण प्रकरण किए गए हैं। अतः सभी पंचायतों को जो कम्प्यूटर प्रदान किए गए हैं। उन्हें अद्यतन स्थिति में रखना है। ब्रॉडबैंड सुविधा का लाभ लेने के लिए बीएसएनएल से ब्रॉडबैंड कनेक्शन लेना होगा, ताकि इस व्यवस्था का सुचारू एवं सुरक्षित स्वरूप में संचालन नहीं हो सकेगा। आपने कम्प्यूटर को जनपद

डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट से भुगतान प्रक्रिया

» लॉक किए गए ई-भुगतान आदेश को सरपंच एवं सचिव के मोबाइल नंबर पर प्राप्त डिजिटल सिक्योरिटी टोकन (ओटीपी) द्वारा सत्यापित करना।

» डिजिटल सिक्योरिटी टोकन द्वारा सत्यापित ई-भुगतान आदेश का प्रिंट निकालकर सरपंच एवं सचिव के हस्ताक्षर करना।

» ई-भुगतान आदेश को सरपंच के डीएससी द्वारा वेरीफाई करें।

» प्रिंट निकले हुए हस्ताक्षरित ई-भुगतान आदेश पेपर को स्कैन कर पीडीएफ फाइल बना लें।

» ई-भुगतान आदेश को सचिव के डीएससी द्वारा वेरीफाई करें।

» ई-भुगतान आदेश को भुगतान हेतु बैंक सर्वर पर प्रेषित करें।

की मदद से कॉन्फिगर करवा लें। विशेष ध्यान देने वाली बात है कि पंचायतों को डिजिटल भुगतान साइबर कैफे अथवा अन्य किसी कम्प्यूटर से नहीं करना है और न ही किसी अन्य व्यक्ति से करवाना है।

सरपंच और सचिव स्वयं ही भुगतान करें। अपने डोंगल से पंचायतके कॉन्फिगर कम्प्यूटर से ही करें। आपकी पंचायत के कम्प्यूटर से किया गया भुगतान सुरक्षित रहेगा, किसी प्रकार की धोखाधड़ी की गुंजाइश नहीं रहेगी। यदि पंचायतों ने तकनीकी निर्देशों की कोई समस्या उत्पन्न नहीं होगी। इसीलिए सभी पंचायतें इन सभी बातों की विशेष सावधानी रखें और डीएससी के माध्यम से भुगतान कर अपने कार्य में अग्रणी रहें।

मध्यप्रदेश के संदर्भ में एक बात विशेष है कि यहाँ सूचना प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग ने कई नवाचार किए हैं और विविध आयाम विकसित किए हैं। पूर्व में मध्यप्रदेश में ही सबसे पहले इलेक्ट्रॉनिक फंड मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया गया था। देश में सबसे पहले पंचायत दर्पण पोर्टल ने पंचायत राज व्यवस्था के कार्यों को त्वरित गति प्रदान की है। इसी दिशा में आई एप्रोच, ई-मार्ग जैसी पंचायत एवं ग्रामीण विकास के लिए निर्मित प्रणालियों ने देश में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है।

देशभर में सर्वप्रथम पंचायतों के माध्यम से डिजिटल पेमेंट किया जाना प्रदेश का कीर्तिमान है। इस व्यवस्था के आने से निश्चित ही पारदर्शिता के सात पंचायतें विकास पथ पर कदम बढ़ाएँगी और संपूर्ण विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया में अपनी एक इकाई के रूप में, एक गणराज्य यही तो कल्पना है गाँधीजी के ग्राम स्वराज की।

देश में सबसे पहले पंचायत दर्पण पोर्टल पंचायत राज व्यवस्था के कार्यों को त्वरित गति प्रदान की है। इसी दिशा में आए जियो एप्रोच, ई-मार्ग जैसी पंचायत एवं ग्रामीण विकास के लिए निर्मित प्रणालियों ने देश में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। देशभर में सर्वप्रथम पंचायतों के माध्यम से डिजिटल पेमेंट किया जाना प्रदेश का कीर्तिमान है।

गेहूँ के प्रमुख रोग एवं प्रबंधन

गेहूँ उत्तर भारत की प्रमुख खाद्यान्न फसल है। अच्छी उपज एवं आमदनी प्राप्त करने के लिए इस फसल को बुवाई से लेकर भंडारण तक कई प्रकार की बीमारियों से बचाना होता है। गेहूँ की फसल में मुख्य रूप से निम्न रोग पैदा हो सकते हैं। समय रहते उनकी रोकथाम करना चाहिये।

गेरुई या रतुआ रोग

यह रोग गेहूँ की फसल का प्रमुख रोग माना जाता है। यह फफूँद जनित रोग होता है तथा इस रोग में भूरे पीले, काले रंग के लक्षण दिखाई देते हैं। भूरे रतुआ का प्रकोप प्रायः अधिक देखा जाता है। गेहूँ में गेरुई या रतुआ रोग तीन प्रकार के कवकों द्वारा उत्पन्न होता है।

गेहूँ का काला गेरुई रोग

यह रोग पक्सीनिया ग्रेमिंस फो.स्पी ट्रीटीसाई नामक फफूँद द्वारा होता है। इस रोग का प्रकोप उन क्षेत्रों में अधिक होता है जहाँ गेहूँ की फसल के समय तापक्रम अधिक रहता है। भारत में इस रोग का प्रकोप दक्षिण पूर्वी क्षेत्रों में अधिक होता है। इस रोग की प्रारंभिक अवस्था में पौधे की पत्तियों एवं पर्ण रंध्रों पर रोग जनक द्वारा लाल भूरे रंग के धब्बे बन जाते हैं। इस रोग के लक्षण मुख्यतः तने पर दिखाई देते हैं। परंतु रोग की उग्र अवस्था में बालियों के तुशों एवं शुकों पर भी दिखाई देने लगते हैं। फसल पकते समय बालियों में दानों के स्थान पर रोग जनक के टीलियम या यूरेडोस्पोर बन जाते हैं जिसके कारण बालियाँ काले रंग की दिखाई देने लगती हैं। प्रारंभ में पत्तियों/तने पर तने धब्बे छोटष–छोटे होते हैं परंतु रोग की तीव्रता के साथ–साथ यह धब्बे बड़े हो जाते हैं।

भूरा गेरुई रोग

यह रोग 'पक्सीनिया रिकांडिडा' नामक फफूँद द्वारा होता है। इस रोग के लक्षण मुख्यतः पत्तियों पर ही दिखाई देते हैं। इस रोग के प्रकोप से पत्तियों पर छोटे–छोटे, गोल चमकीले एवं नारंगी रंग के धब्बे बन जाते हैं, जो पत्तियों की सतह पर अनियमित रूप से बिखरे हुए होते हैं तथा मौसम में परिवर्तन होने के साथ–साथ शीघ्र फैलने लगते हैं, तथा ऐसे धब्बों से कवक में यूरोडो बीजाणु हवा द्वारा एक पौधे से दूसरे पौधों को संक्रमित करते रहते हैं।

पीली गेरुई रोग

गेहूँ की फसल में यह रोग 'पक्सीनिया स्ट्रीफार्मिस' नामक फफूँद द्वारा उत्पन्न होता है। इस रोग के लक्षणों में पौधों की पत्तियों पर छोटे–छोटे पिन के सिरे के आकार जैसे पीले रंग के धब्बे नज ाते हैं। इस रोग के धब्बे कतारों में बनते हैं जो रोग की उग्रता के साथ–साथ कतारें स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगती हैं। इस रोग का प्रकोप पौधों के तने एवं बालियों पर भी दिखाई देने लगता है। इसे धारीदार गेरुआ रोग भी कहा जाता है। इस रोग का प्रकोप पौधों की बढ़वार के समय तथा बालियों में दाने बनते समय होता है। इस वजह से इस रोग द्वारा फसल को बहुत नुकसान होता है। रोगग्रसित पौधों में बहुत कम दाने बनते हैं

और बनते भी हैं तो बहुत हल्के एवं सिकुड़े बनते हैं जिसके कारण उपज में भारी कमी आ जाती है।

रोग की रोकथाम

- किसान को हमेशा रोग रोधी एवं उन्नत किस्मों का प्रयोग करना चाहिये। जैसे– काली गेरुई एचआई–8498, 8381 एवं एचडी–4672 तथा एचडी–2339, जीडब्ल्यू–322 डब्ल्यूएच–2004 आदि।
- गेहूँ की बुवाई समय पर कर लेना चाहिये क्योंकि देरी से बुवाई करने पर गेरुई रोग का प्रकोप अधिक होता है।
- उर्वरकों का प्रयोग संतुलित मात्रा में करना चाहिये। फसल की सिंचाई आवश्यकता से अधिक नहीं करना चाहिये।
- गेहूँ की फसल पर गेरुई रोग के लक्षण दिखाई देने की स्थिति में मैंकोजेब 2.0 किग्रा या जाइनेब 2.5 किग्रा प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें। आवश्यकतानुसार 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव पुनः दोहराएँ।
- महामारी की दशा में बेनोमिल, हेक्साकोनाजोल एवं सर्वांगी कवक नाशियों का छिड़काव भी लाभदायक होता है।

चूर्णिल आसिता रोग

यह रोग 'ऐरीसाइफी ग्रेमिनिस ट्रिट्रिसाई' नामक फफूँद के द्वारा पैदा होता है। इस रोग के लक्षण प्रारंभिक अवस्था में पंक्तियों पर तथा बाद में उग्र होने पर सम्पूर्ण पौधे पर दिखाई देने लगते हैं। इस रोग के बीजाणु पत्तियों पर सफेद रंग के धब्बे बनाते हैं। रोग की तीव्रता बढ़ने के साथ–साथ सफेद धब्बे सम्पूर्ण पौधे पर फैल जाते हैं। यह सफेद बीजाणु चूर्ण बाद में गाढ़ा या लाल भूरा हो जाता है। रोग ग्रसित पौधे मर जाते हैं तथा फसल का उत्पादन भी काफी गिर जाता है।

रोकथाम के उपाय

- इसकी रोकथाम के लिए रोगी किस्मों का प्रयोग करें। जैसे– राज–3765, डब्ल्यूएच-542, पीबीडब्ल्यू-343, यूपी–2425 एवं डीएल–802 आदि।
- डायनोकेप 48 ईसी (75 मिली) और मेंकोजेब (925 ग्राम) का मिश्रण 0.2 प्रतिशत का घोल बनाकर खड़ी फसल पर छिड़काव करें। आवश्यकता पड़ने पर 10 से 15 दिन बाद पुनः छिड़काव दोहराएँ।

अनावृत कण्डवा रोग

यह रोग 'अस्टीलागो न्यूडा फो.स्पी ट्रिटिसाई' नामक कवक द्वारा होता है। इस रोग में पुष्पवृंत कवक बीजाणुओं में परिवर्तित हो जाता है तथा यह कवक बीजाणु द्वारा एक पुष्पवृंत से दूसरे पुष्पवृत्त पर एवं एक पौधे से दूसरे पौधे पर पहुँच जाते हैं। इस रोग की फफूँद के बीजाणु पुष्पवृत्त के साथ–साथ बीज बनते समय बीज के अंदर पहुँच जाते हैं। और जब ऐसे संक्रमित बीज को बुवाई में काम में लेते हैं तो नए उगे हुए पौधों को संक्रमित कर देते हैं।

रोकथाम के उपाय

- कार्बेन्डाजिम 50 प्रश घुलनशील चूर्ण अथवा कार्बोक्सीन 75 प्रश घुलनशील चूर्ण के 2.5 ग्राम प्रति किग्रा बीज को उपचारित कर बुवाई के काम में लेवें।
- फसल चक्र अपनाना चाहिये।
- रोग रहित एवं स्वच्छ बीजों का प्रयोग करना चाहिये।
- बीजों को मई–जून के महीने में 4 घंटे तक ठंडे पानी में भिगोकर रखने के बाद कड़ी धूप में सुखाना चाहिये जिससे बीज के अंदर उपस्थित कवक के बीजाणु पानी में सक्रिय होकर सूर्य की तेज धूप में नष्ट हो जाएँगे।

● खेत में रोग ग्रसित पौधे दिखाई देने पर उन्हें तुरंत सावधानीपूर्वक उखाड़कर खेत से बाहर निकालकर जलाकर नष्ट कर देना चाहिये।

झुलसा रोग पत्ती धब्बा रोग

यह रोग 'अल्टरनेरिया' प्रजाति व 'हेलमिन्थोस्पोरियम' प्रजाति के कवक द्वारा होता है। इस रोग का प्रकोप सामान्यतः गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, बिहार, उड़ीसा, प. बंगाल तथा मध्यप्रदेश आदि राज्यों में अधिक होता है। इस रोग में पौधे कुछ पीले व भूरापन लिए हुए अंडाकार धब्बे बनते हैं जो पत्तियों की निचली सतह पर दिखाई देते हैं। रोग की तीव्रता बढ़ने पर धब्बे किनारों पर कत्थई भूरे रंग के तथा बीच में हल्के भूरे रंग के हो जाते हैं।

रोकथाम के उपाय

● इस रोग की रोकथाम हेतु मेंकोजेब 2 किग्रा या जाइनेब 75 प्रश घुलनशील चूर्ण 2.5 किग्रा या थाइरम 80 प्रश घुलनशील चूर्ण, 2.0 किग्रा या जाइरम 27 प्रश, 3.5 लीटर/हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
● प्रोपीकोनाजोल (25 प्रश ईजी) आधा लीटर को 1000 लीटर पानी में मिलाकर छिड़कें।

गेहूँ का जड़ गलन रोग

यह रोग पूर्वी, मध्य और दक्षिणी भारत के गर्म और आर्द्र क्षेत्रों में सामान्यतः देखा जाता है। इस रोग में पौधों की प्रारंभिक अवस्था में काफी क्षति होती है जिससे गेहूँ की उपज पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

रोकथाम के उपाय

● बीज को बुवाई से पूर्व एमईएमसी 2 ग्राम/किग्रा और ब्रासीकोल 6 ग्रा. प्रति किग्रा बीज की दर से उपचारित करना चाहिये।

पीलया रोग

यह हेटेरोडेरा एवीनी नामक सूत्रकृमि द्वारा होता है। इस रोग से ग्रसित पौधे बौने रहकर पीले पड़ जाते हैं तथा रोगग्रस्त पौधों की जड़ों में गाँठें बन जाती हैं तथा पौधों की उपज घट जाती है। क्योंकि बालियों में दानों की मात्रा कम होती है।

रोकथाम के उपाय

● 2–3 वर्ष का फसल चक्र अपनाना चाहिये।
● रोग रोधी किस्मों जैसे राज–3077, राज–3765, राज–4037, राज–4120, एचआई–1544, एचडी–2932 आदि काम में लेना चाहिये।
● ग्रीष्मकालीन खेत की गहरी जुताई करनी चाहिये।
● जिन खेतों में ज्यादा प्रकोप होता है उनमें बुवाई से पूर्व कार्बोप्यूरान 3 प्रश कण 45 किग्रा/हे. की दर से 90 किग्रा यूरिया के साथ खेतों में ऊर देना चाहिये।

फरवरी माह के कार्य

सब्जियाँ : भिण्डी की पूसा ए-4 किस्म की बुवाई फरवरी माह में कर दें। भिण्डी बुवाई के 8-10 दिन बाद सफेद मक्खी व जैसिड कीटों से बचाव के लिए 1.5 मिली मोनोक्रोटोफॉस दवा प्रति 1 लीटर पानी के हिसाब से या 4 मिली इमीडाक्लोप्रिड दवा प्रति 10 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। भिण्डी में उर्वरक की पूर्ति के लिए 15 टन प्रति हैक्टेयर गोबर की खाद के साथ 100:50:50 की दर से एनपीके डालें। इस माह में लौकी की पूसा संतुष्टि, पूसा संदेश (गोल फल), पूसा समृद्धि एवं पूसा हाईबिड 3 की बुवाई करें। खीरे की पूसा उदय, पूसा बरखा की बुवाई करें। चिकनी तोरई की पूसा स्नेध व धारीदार तोरई की पूसा नूतन किस्मों की बुवाई करें। करेले की पूसा विशेष, पूसा औषधि एवं पूसा हाइब्रिड 1 व 2 की बुवाई करें।

दलहनी फसल : जायद में बुवाई के लिए मूँग की पूसा रत्नना, पूसा विशाल का प्रयोग करें। मूँग में कीट नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल दवा की 3 मिली मात्रा को प्रति 1 किलो बीज की दर से बीजोपचार करें। मूँग में खरपतवार नियंत्रण के लिए बेसालीन नामक दवाई को 1 लीटर दवा प्रति हैक्टेयर की दर से 600 लीटर पानी में घोलकर बुवाई से पहले छिड़काव कर दें।

फल फसलें : आम मे चुर्णिल आसिता रोग से बचाव के लिए 2 ग्राम प्रति 1 लीटर के हिसाब से घुलनशील गंधक का छिड़काव करें। आम में यदि पुष्प कुरूपता दिखाई दे रही है तो गुच्छों को तुरंत काटकर नष्ट कर दें। आम में हॉपर कीड़े के नियंत्रण के लिए कार्बारिल दवा 2 ग्राम प्रति 1 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। अमरूद में फलों की तुड़ाई के पश्चात कटाई-छँटाई करें।

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री

श्री सचिन यादव
कृषिमंत्री

श्री सुरेन्द्रसिंह बघेल
प्रभारी मंत्री

71वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची लें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में आकर ही करें।
किसान भाई कृषि उपज साफ करके मंडी में लाएँ ताकि उचित मूल्य प्राप्त कर सकें।

श्री हर्ष पंचोली
(भारसाधक अधिकारी)

मो. सलीम खान
(प्रभारी सचिव)

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
पेटलावद, जिला झाबुआ

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री

श्री सचिन यादव
कृषिमंत्री

श्री सुरेन्द्रसिंह बघेल
प्रभारी मंत्री

गणतंत्र दिवस की समस्त किसान भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से अपील

नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।

श्री विजय मंडलोई
(भारसाधक अधिकारी)

श्री रवीन्द्र वाणी
(प्रभारी सचिव)

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
जोबट, जिला अलीराजपुर

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज

मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ

आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण

कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

समस्त कृषक बंधुओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एस.के. सिंह
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री पी.एन. यादव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. मंदसौर

आलू का कीट व रोग प्रबंधन

आलू की फसल और भंडार में विभिन्न अवस्थाओं में कीट, व्याधियाँ तथा सूत्रकृमि आक्रमण करके आर्थिक नुकसान पहुंचाते हैं और उत्पादन तथा उसकी गुणवत्ता में बाधक हैं। इसलिए रोग एवं कीट प्रबंधन कर अधिक उत्पादन ले सकते हैं।

आलू के मुख्य कीट

व्हाइट ग्रब (होलोट्राईकिया प्रजातियाँ)

इस कीट की सूंडी व वयस्क दोनों ही अवस्था बहुभक्षी स्वभाव की होती है। इस कीट की सुंडी जमीन के अंदर रहती है और आलू की जीवित पौधों के बारिक रेशों व आलू खाती है, सूंडी द्वारा जड़ की कोट देने से पूरा पौधा पीला पड़कर सूखने लगता है। मादा वयस्क कीट संभाग के 3-4 दिन पश्चात गीली मिट्टी में 10 से.मी. गहराई में अंडे देना प्रारंभ करती है एक मादा औसतन 10-20 अंडे देती है। अंडों से 7 से 13 दिन के पश्चात छोटी सूंडी निकलती है जिसे प्रथम अवस्था सूंडी कहते हैं। सूंडी की प्रथम अवस्था लगभग 2 सप्ताह तक रहती है। तत्पश्चात यह द्वितीय अवस्था में आ जाती है जिसकी औसत लंबाई 35 मिली होती है, लगभ 4-5 सप्ताह के पश्चात तृतीय अवस्था में परिवर्तित हो जाती है जिसकी औसत लंबाई 41 मि.मी. होती है तथा तृतीय अवस्था लगभ 6-8 सप्ताह की होती है। इस कीट की द्वितीय व तृतीय सूंडी अवस्थाएं पौधे की जड़ों को काटती हैं इस प्रकार सूंडी का पूर्ण समयकाल लगभग 12-15 सप्ताह का होता है।

प्रबंधन : ● फसल बुवाई वाले खेत में फसल चक्र में धान की फसल ही जरूर अपनाए। ● वयस्क कीट प्रकाश प्रपंच के ऊपर भारी संख्या में आकर्षित होते देखे जा सकते हैं। इसके लिए मई के अंत में जैसे ही पहली बरसात हो जाए तथा वयस्क निकलना शुरू हो प्रकाश प्रपंच लगा देना चाहिए। ● जीवाणु बैसिलस पोपिली द्वारा वयस्क कीट को नियंत्रित किया जा सकता है। आलू की बुआई से पूर्व ब्यूवेरिया ब्रोंगनियार्टी की 1.0 कि.ग्रा. तथा 1.0 कि.ग्रा. मेटारायजियम एनासोप्ली को प्रति एकड़ बुवाई पूर्व प्रयोग करें। ● सूत्रकृमि के पावडर या घोल के फार्मुलेशन से बनाए गए घोल को 2.5- 5 गुणा 10 हिग्री आई.जे. प्रति हैक्टेयर की दर से आलू की सिंचाई के साथ कीड़ँ के प्रकोप से पूर्व खेत में प्रयोग करने पर नियंत्रण पाया जा सकता है। ● कीटनाशी रसायन क्लोरपायरीफॉस 20 ई.सी. क्विनालफास 25 ई.सी. व इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. द्वारा आलू के बीज उपचारित करके नियंत्रण किया जा सकता है। ● आलू बाने से पूर्व दानेदार कीटनाशी रसायन, फोरेट 10 जी 25 कि.ग्रा. प्रति है. की दर से भूमि उपचारित करके नियंत्रण पाया जा सकता है।

कर्तन कीट (एग्राटिस एप्सिलान)

इनका प्रभाव देश के प्रत्येक भाग में होता है तथा आलू के अलावा और फसलों पर भी पाए जाते हैं। यह रात के वातावरण में निकलकर नर व मादा संभोग करके पत्तियों पर अंडे देते हैं। इनकी जीवन क्रिया वातावरण के हिसाब से एक दो महीने में पूरी होती है। इसकी सूंडी जमीन में आलू के पौधे के पास मिलती है तथा जमीन की सतह से पौधे तथा इसकी शाखाओं को 30-35 दिन की फसल में काटती है बाद में जमीन में कंदों में छेद बनाकर नुकसान करती है। आलू की कटाई के समय इसकी सूंडी तथा प्यूपा मिलते हैं। जालंधर, पटना तथा अन्य मैदानी भागों में इसका प्रयोग अधिक होता है। इसका प्रकोप प्रत्येक वर्ष घटना-बढ़ता

रहता है। इसके अलावा आलू के पौधे की पत्तियों पर आर्थिक दृष्टि से नुकसान पहुंचाने वाले कई कीट हरा फुदका, सफेद, मक्खी और सफेद गिडार अलग-अलग क्षेत्रों में कम ज्यादा नुकसान आकस्मिक तौर पर करते हैं। इनका प्रकोप घटता रहता है और एक फसल से दूसरी फसल में जाता रहता है। इसके अलावा सूत्रक भी पौधों की ग्रंथियों से जुड़े होते हैं और पौधे की बढ़ोतरी को कम करके आलू के आकार को छोटा रखते हैं और उत्पादन कम हो जाता है। नीलगिरी पहाड़ियों में यह गंभीर समस्या है।

प्रबंधन : ● खेतों के पास प्रकाश प्रपंच 20 फेरोमोन ट्रेप प्रति है. की दर से लगाकर प्रौढ़ कीटों को आकर्षित करके नष्ट किया जा सकता है, जिसकी वजह से इसकी संख्या को कम किया जा सकता है। ● खेतों के बीच-बीच में घास फूस के छोटे-छोटे ढेर शाम के समय लगा देने चाहिए रात्रि में जब सूंडियां खाने को निकलती हैं तो बाद में इन्हीं में छिपेगी जिन्हें घास हटाने पर आसानी से नष्ट किया जा सकता है। ● प्रकोप बढ़ने पर डाइमैथोएट 30 ई.सी. (1.50-20 मि.ली./लीटर) या क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. 1 लीटर प्रति है. या नीम का तेल का 3 प्रतिशत की दर से छिड़काव करें।

माहूँ (माइजस परजीवी)

आलू की फसल में प्रायः पीले छोटे तथा हरे रेंग के बड़े माहूँ कीट पाए जाते हैं। ये माहू फसल की प्रारंभिक तथा अंतिम अवस्था में पंख वाले होते हैं। क्योंकि इनको एक जगह से दूसरी जगह प्रवास करना होता है। आलू के 50-60 दिन के पौधे पर इनकी संख्या ज्यादा होती है। हरे माहूँ कीट माइजस परजीवी पौधे की निचली पत्तियों के नीचे सतह पर ज्यादा और चोटी की पत्ती पर कम पाए जाते हैं। पीले माहूं (येफिस गासीपी) फसल की प्रारंभिक अवस्था में एक समूह में पाए जाते हैं बाद में इनकी संख्या कम हो जाती है। दोनों प्रकार के माहूँ इस देश में अलग अलग समय पर जलवायु के हिसाब से ठंडे मौसम में पाए जाते हैं। इनकी संख्या कर्नाटक, महाराष्ट्र में ज्यादा और पूरे साल पाई जाती है तथा उत्तरी भारत में ठंडे मौसम में दिसंबर से मार्च तक तथा पहाड़ी क्षेत्रों में जुलाई से सितंबर तक ये माहूँ कीट पाए जाते हैं। यह अनेक खरपतवार और सब्जियों पर भी पाया जाता है। बरसात के मौसम में इनकी संख्या कम हो जाती है। मुख्यतः ये विषाणु रोग फैलाते हैं और यह पत्तियों से रस चूसते हैं और एक रोगी पौधे से दूसरे पौधे पर जाकर बैठते हैं तथा कुछ सैकंड या क्षणों में पौधे को रोगी बना देते हैं जिससे यह विषाणु आलू कंदों तक पहुंच जाते हैं। फलस्वरूप इस प्रकार के आलू बीज के प्रयोग से आलू का उत्पादन कम हो जाता है। इनकी संख्या का एक तसले में पीला रंग पेंट करके तथा पानी भरके रखने पर पंख वाले माहूँ कीटों की संख्या का पता लगाया जा सकता है।

प्रबंधन : ● आर्थिक क्षति पर 15-20 प्रतिशत प्रभावित पौधे या 50 निम्फ प्रति पौधा। ● फसल की बुआई समय से करने पर इसका प्रकोप कम होता है। ● फसल में नाइट्रोजन का अधिक प्रयोग न करें। ● शुरू के आक्रमण ग्रसित प्ररोहों को तोड़कर नष्ट कर दें। ● माहूँ का प्रकोप होने पर पीले चिपचिपे ट्रेप प्रयोग करें जिससे माहूँ ट्रेप चिपक कर मर जाए। ● परभक्षी कॉक्सीनेलिड्स अथवा सिरफिड अथवा क्राइसोपरला कार्निया का संरक्षण कर 50,000-1,00,000 अंडे या सूंडी प्रति हैक्टेयर की दर से छोड़ें। ● नीम का अर्क 5 प्रतिशत या 1.25 लीटर नीम का तेल 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़कें। ● बी.टी. 1 कि.ग्रा. प्रति है. की दर से छिड़काव करना चाहिए। ● आवश्यकता होने पर मिथाइल डेमोटान 25 ई.सी. 1 लीटर अथवा डाइमेथोएट 30 ई.सी. 1.25 लीटर का प्रति है. छिड़काव करना चाहिए।

आलू के प्रमुख रोग

आलू का अगेती अंगमारी (झुलसा) रोग :

यह रोग आल्टर्नेरिया सोलेनाई नामक कवक द्वारा उत्पन्न होता है। यह आलू का एक सामान्य रोग है तथा आलू की फसल को सर्वाधिक हानि पहुंचाता है। इस रोग के लक्षण पछेती अंगमारी से पहले अर्थात फसल बोने के 3-4 सप्ताह बाद पौधों की निचली पत्तियों पर छोटे छोटे, दूर दूर बिखरे हुए कोणीय आकार के चकतों या धब्बों के रूप में दिखाई देते हैं जो बाद में कवक की गहरी हरी नीली वृद्धि से ढंक जाते हैं। शीघ्र ही यह धब्बे तेजी से बढ़ते हैं और शीघ्र ही तिकोनी गोल या अंडाकार आकृति धारण कर लेते हैं। आकार में बढ़ने के साथ साथ इन धब्बों का रंग भी बदल जाता है और यह बाद में भूरे गहरे रंग के हो जोत हैं। धब्बों के चारों ओर रोग जनक कवक के उत्पन्न जीव विष के कारण एक हरितहीन क्षेत्र बन जाता है। शुष्क मौसम में धब्बे सूखाकर कड़े एवं चुरमुरे हो जाते हैं और नम मौसम में फैलकर आपस में मिल जाते हैं जिससे बड़े क्षेत्र बन जाते हैं। रोग का भीषण प्रकोप होने पर पत्तियाँ सिकुड़ कर भूमि पर गिर जाती है और पौधे के तने पर भूरे काले उत्तकक्षयी विक्षत बन जाते हैं, रोग का प्रभाव आलू के कंदों पर भी पड़था है और आकार में छोटे रह जाते हैं। इस रोग के कारण आलू की फसल को 20 प्रतिशत तक हानि पहुंचाती है। इस रोग का प्रकोप अन्य पौधों जैसे टमाटर, बैंगन, मिर्च एवं जंगली पौधों पर भी होता है।

प्रबंधन : ● आलू की खुदाई के बाद भूमि में छोटे रोगी पौधे अवशेषों को एकत्र करके जला देना चाहिए। ● यह एक भूमिजनित रोग है। इस रोग को उत्पन्न करने वाले कवक के कोनिडियम एवं कवक जाल 1 वर्ष में 15 माह तक मृदा में पड़े रहते हैं अतः दो वर्ष का फसल चक्र अपनाना चाहिए। ● कवकनाशी जैसे जाइनेब 0.2 प्रतिशत, डाइथेन जेड़-78, डाइथेन एम.45, 0.2 प्रतिशत ब्लाइटोक्स 0.25 प्रतिशत, डिफोलटान और केपटान 0.2 प्रतिशत की दर से 4 से 5 छिड़काव प्रति हैक्टेयर की दर से करना चाहिए।

यह रोग फाइटोप्थोरा इन्फेस्टैंस नामक कवक के कारण होता है। आलू का पछेता अंगमारी रोग एक अत्यंत विनाशकारी रोग है। आयरलैंड का प्रसिद्ध भीषण अकाल जो सन 1945-46 में पड़ा था, इस रोग के द्वारा आलू की संपूर्ण फसल नष्ट कर देने का परिणाम था। यह उत्तर भारत के मैदानी तथा पहाड़ी दोनों क्षेत्रों में आलू की पत्तियों, शाखाओं तथा कंदों पर आक्रमण करता है। प्रारंभिक अवस्था में जब वातावरण में नमी तथा रोशनी कम तथा कई दिनों तक बरसात होती है तब इसका प्रकोप पौधे की निचली पत्तियों से प्रारंभ होता है और 1-5 दिनों के अंतराल में पूरे पौधों की हरी पत्तियों को नष्ट कर देता है। पत्ती की निचली सतह में सफेद रंग का गोला बन जाता है और बाद में यह भूरा व काला हो जाता है। पहाड़ी क्षेत्र में जून में अंत से तथा मैदानी क्षेत्रों में जनवरी में इसका प्रकोप ज्यादा होता है। पत्तयों के ग्रसित होने से आलू कंदों का आकार छोटा हो जाता है और उत्पादन में कमी आ जाती है। आलू के अलावा कई और फसलों तथा खरपतवारों पर भी यह पाया जाता है। इसके लिए 20-21 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान उपयुक्त पाया गया है। आर्द्रता इसको बढ़ने में सहायता करती है।

प्रबंधन : ● आलू की खुदाई के बाद भूमि में छूटे रोगी पौध अवशेषों को एकत्र करके जला देना चाहिए। ● यह एक भूमि जनित रोग है इस रोग को उत्पन्न करने वाले कवक के कोनिड्रयम एवं कवकजाल 1 वर्ष से 15 माह तक मृदा में पड़े रोगग्रस्त पौध अवशेषों पर जीवित बने रहते हैं। अतः दो वर्ष का फसल चक्र अपनाना चाहिए। ● आलू की पत्तियों पर कवक का प्रकोप को रोकने के लिए बोर्डेक्स मिश्रण या फलोटान का छिड़काव करना चाहिए। ● आलू की फसल में कवकनाशी जैसे जाइनेब 0.2 प्रतिशत, डाइथेन जेड़-78, डाइथेन एम. 45, 0.2 प्रति ब्लाइटोक्स 0.25 प्रतिशत डिफोलटान अरौ केप्टान 0.2 प्रतिशत की दर से 5 छिहक़ाव प्रति हैक्टेयर की दर से करना चाािए। ● मेटासिस्टाक्स 20 ई.सी. का घॅल 1.2 लीटर, रिडोमिल 72 डब्ल्यू.पी. 2 किलो को 100 लीटर पानी में मिलाकर घोल का प्रकोप दो बार 50-60 दिन की फसल में 15 दिन के अंतर पर आवश्यकतानुसार करना चाहिए।

जीवाणु रोग (बैक्टीरियल बिल्ट)

यह आलू का एक प्रमुख जीवाणु रोग है। इस रोग को स्यूड्रोमोनास सोलोनेसिएरस नामक जीवाणु उत्पन्न करता है। यह आलू के अतिरिक्त मिर्च, बैंगन, टमाटर, मूंगफली, तिल, आदि पर भी पाया जाता है। प्रायः इसका प्रकोप कर्नाटक, महाराष्ट्र, नीलगिरी, उड़ीसा, बंगाल, हिमाचल प्रदेश, उत्तरप्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में पाया जाता है। यह पौधे की प्रारंभिक अवस्था में पूरे पौधे को मुरझा देता है। प्रायः 2-3 दिन के अंदर पौधा मुरझा जाता है। और जीवाणु जड़ से पौधे की चोटी तक पहुंच जाते हैं। इनके सूक्ष्म जीवाणु जमीन और पौधे तथा कंदों में पाए जाते हैं। कंदों को काटने पर उसमें बाहरी भाग में गोला बना होता है और इसको काटकर दबाने पर सफेद रस निकलता है। 25-30 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान इसके लिए उपयुक्त होता है। यह बरसात तथा सिंचाई के पानी के माध्यम से फैलता है तथा खेत के कुछ हिस्सों में ही पाया जाता है और मिट्टी में इसके जीवाणु जीवित रहते हैं।

प्रबंधन : ● सदैव रोगरहित स्वस्थ आलू के कंदों को बीज के रूप में प्रयोग करना चाहिए। ● रोगग्रस्त पौध-अवशेषों एवं कंदों को खेत से निकालकर जला देना चाहिए। ● मृदोढ़ निवेशद्रव्य को कम करने के लिए तीन वर्ष का फसल चक्र मक्का, गेहूँ, जौ, सोयाबीन, लालशिरा घशस इत्यादि के साथ अपनाना चाहिए। रोगरहित कंदों को बोने के लिए प्रयोग करना चाहिए। ● आलू के कंदों को बोवनी से पहले चाकू से बीच में लगभग आधा से.मी. गहरा काटकर 30 मिनट तक स्टैप्टोसाइक्लीन के घोल (2 ग्राम रसायन प्रति 10 लीटर पानी) में डुबोना चाहिए। ● आलू को बोवनी से पहले 1 प्रतिशत फार्मेलीन,0.5% नीलाथोथा या 0.5% स्ट्रैप्टोसाइक्लीन से मृदापचार करना चाहिए।

आलू की काली रूसी

यह रोग राइजोक्टोनिया सोलोनाई नामक कवक के कारण होता है। इस रोग का आक्रमण प्रायः आलुओं के कंदों पर होता है जिस कारण से उनका बाजार में मूल्य कम हो जाता है तथा पकने के गुणों में भी बहुत कमी आ जाती है। यदि रोगी कंदों को बोया जाता है तो कल्लों पर कवक के आक्रमण के कारण अंकुरण बहुत कम होता है। इस रोग के लक्षण संक्रमित कंदों को बोने के कुरंत बाद प्रकट हो जाते हैं। ये विक्षत लंबे, धंसे हुए एवं भूरे रंग के होते हैं तथा इनके कारण पौधे मुरझाकर गिर जाते हैं। इस रोग को उत्पन्न करने वाला कवक मृदा के द्वारा दूसरे कंदों पर फैल जाता है और कंदों की सतह पर चिपके हुए अनियमित आकृति वाले, काले रंग के स्क्लेरोशियम बनते हैं। रोगी पौधे छोटे व हल्के पीले रंग के हो जोत हैं। कभी कभी पौधों के तनों पर कैंकर एवं वायव कंद भी लग जाते हैं। रोगकारक कवक मृदा एवं कंदों की सतह पर स्क्लेरोशियम के रूप में उत्तरदायी रहता है।

प्रबंधन : ● बीज के लिए सदैव प्रमाणित कंदों का ही प्रयोग करना चाहिए तथा बोने के लिए आलू का चयन स्वस्थ खेतों से ही करना चाहिए। ● आलू के कंदों को बोने से पहले 6 प्रतिशत कार्बनिक पारायुक्त कवकनाशी जैसे एगालाल 6, टैफासान, एराटिन-6 इत्यादि के 0.2 प्रतिशत घोल में एक मिनट तक डुबो देना चाहिए। ● एराटिन 6, कवकनाशी द्वारा कंद उपचार करने के बाद यदि पी.सी.एन.बी. (ब्रेसिकॉल) कवकनाशी द्वारा 33.3 किलो प्रति है. के हिसाब से मृदा उपचार किया जाए तो इस रोग की रोकथाम अच्छी होती है। ● मृदा में 25 क्विंटल प्रति है. के हिसाब से अरंडी, मूँगफली या सरसो की खली का प्रयोग करने से भी रोग बहुत कम उत्पन्न होता है।

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री सचिन यादव
कृषिमंत्री
श्री सज्जनसिंह वर्मा
प्रभारी मंत्री
71वें गणतंत्र दिवस की बधाइयाँ
किसान भाइयों से अपील
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ उठाएँ।
हम्माल तुलावटी भाई मुख्यमंत्री हम्माल तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्री एस.पी. मंडराह
(भारसाधक अधिकारी)
श्री मंशाराम जमरे
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
भीकनगाँव, जिला खरगोन

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री सचिन यादव
कृषिमंत्री
डॉ. विजयलक्ष्मी साधौ
प्रभारी मंत्री
गणतंत्र दिवस की समस्त किसान भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएँ
किसान भाइयों से अपील
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
श्री बी.एस. सोलंकी
(भारसाधक अधिकारी)
श्री लक्ष्मणसिंह ठाकुर
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
मनावर, जिला धार

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
71वें गणतंत्र दिवस की
समस्त कृषक बंधुओं को
हार्दिक बधाइयाँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्रीमती उषा सक्सेना
(अध्यक्ष : सीसीबी सीहोर)
श्री आर.आर. सिंह
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री भूपेन्द्र सिंह
(उपायुक्त सहकारिता)
श्री मुकेश श्रीवास्तव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. सीहोर

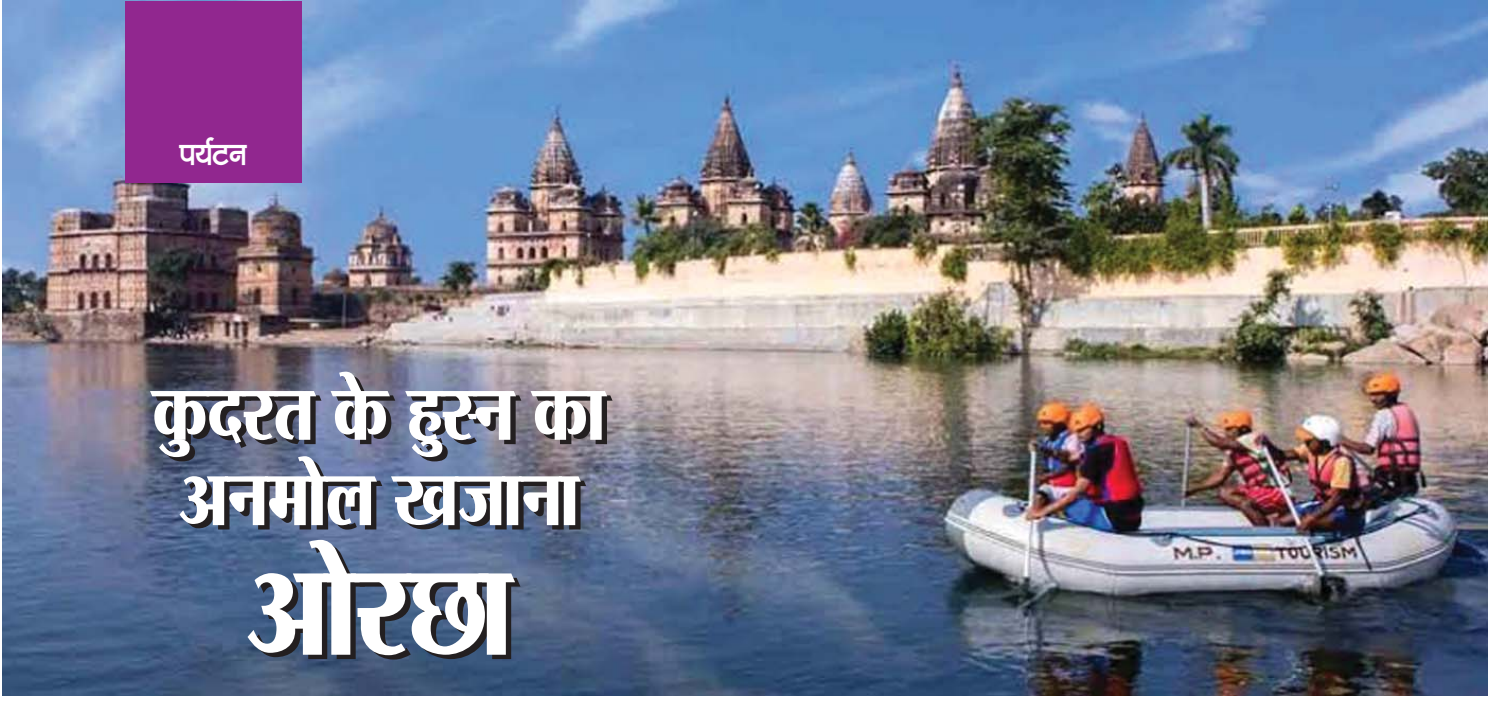

कुदरत के हुस्न का अनमोल खजाना ओरछा

» राजेश बादल

वरिष्ठ पत्रकार

एक सप्ताह पहले ही ओरछा गया था। इस धार्मिक -ऐतिहासिक -प्राकृतिक तीर्थ ने इस बार मन मोह लिया। पहले अक्सर रामराजा सरकार के दर्शन करने जाया करता था। एक श्रद्धालु की तरह। शायद मेरे अवचेतन में यह कहानी गहरे बैठी हुई है कि रामराजा तो बुंदेलखंड के ओरछा में विराजे हैं ,बेतवा नदी के तट पर। ओरछा में राम जी के दर्शन तो मैंने किशोरावस्था में क़रीब पैंतालीस - छियालीस बरस पहले ही कर लिए थे। इस अदभुत तीर्थ में आते ही ऐसा लगता है, मानों किसी अन्य लोक में आ गए हैं।आपको याद दिला दूँ कि ओरछा की रानी गणेश कुँअरि राम की बड़ी भक्त थीं। वे अयोध्या के मुख्य राम आवास से श्रीराम,सीता और लक्ष्मण की प्रतिमाएँ एक क़ाफ़िले की शक्ल में लाई थीं। यही प्रतिमाएँ राजा मधुकरशाह की रानी कुँअरि गणेश अवधपुरी से ओरछा लाईंद्य इन प्रतिमाओं को उन्होंने अपने रानी महल में प्रतिष्ठित कराया था।तबसे यही रानी महल भगवान् राम का आज तक मंदिर बना हुआ है।

मेरे अवचेतन में ओरछा नाम लेते ही एक फ़िल्म के अनेक दृश्य उभरते हैं। सबसे पहला लाखों श्रद्धालुओं का बेतवा में डुबकी लगाते हुए दृश्य उभरता है ।फिर कई किलोमीटर तक कतारों में लोकगीत गाते ,राम की महिमा गाते महिलाओं और पुरुषों के झुंड दिखाई देते हैं। भगवान राम को सशस्त्र जवानों की टुकड़ी प्रतिदिन नियम से सलामी देती नज़र आती है।जिस तरह उज्जैन के राजा महाकाल हैं, उसी तरह श्री राम ओरछा के मालिक हैं और इसी कारण वे करोड़ों दिलों में धड़कते हैं। इलाक़े के आसपास के पचास से अधिक ज़िलों में यह परंपरा सदियों से चली आ रही है कि शादी तय होते ही पहला निमंत्रण-पत्र ओरछा में भगवान राम को भेजा जाता है। लोग तो कई-कई किलोमीटर पैदल चलकर निमंत्रण पत्र पर हल्दी चावल छिड़ककर राम के चरणों में उसे रख देते हैं। उसके बाद ही अन्न जल ग्रहण करते हैं। जो लोग खुद नहीं पहुंच पाते ,वे बाकायदा डाक से निमंत्रण पत्र भेजते हैं। उसके बाद ही अन्य कार्डों को भेजने का सिलसिला शुरू होता है। हमारे यहां तो विवाह के लिए मुहूर्त निकलवाने की परंपरा है। शुभ मुहूर्त नहीं निकले तो शादी ही टल जाती है,जब तक कि अच्छा मुहूर्त नहीं निकल आता। लेकिन ओरछा में अगर आप शादी करने जाते हैं तो किसी मुहूर्त की ज़रूरत ही नहीं होती। ओरछा का एक-एक पल शुभ मुहूर्त है। इसलिए दूर दूर से लोग बसों में भरकर, रेल से या अपनी गाड़ियों में आते हैं और ठाठ से ब्याह करते हैं। ओरछा ब्याह रचाने का सबसे शानदार स्थल है। क्या किसी अन्य आराध्य के प्रति जन मानस में इतनी गहरी आस्था महसूस होती है?

लेकिन मेरी सप्ताह भर पहले की यात्रा केवल एक श्रद्धालु के तौर पर ही नहीं थी। इस बार मैं एक सैलानी या यायावर के तौर पर ओरछा का आनंद लेना चाहता था। झांसी रेलवे स्टेशन पर उतरते ही एक मित्र की कार मुझे ओरछा ले जाने के लिए तैयार थी। बीस से पच्चीस मिनट के भीतर हम ओरछा के भीतर थे। एक छोटी सी पहाड़ी पर घने जंगलों और कल-कल बहती बेतवा के बीच मेरे सस्ते विश्रामालय का कमरा सुरक्षित था। मैं दंग था। देश भर घूमा हूं। चप्पे-चप्पे की ख़ाक छानी है ।शायद ही मुल्क का कोई हिस्सा बचा हो। हिमालय की वादियां हों या ब्रह्मपुत्र के विराट धारे,समंदर के किनारे हों या रेगिस्तान के नज़ारे। घने पेड़ों से भरे जंगल हों अथवा वन्य जीवों की बहार। कह सकता हूं कि इस बार ओरछा में जिस अलौकिक अनुभूति से गुज़रा, किसी अन्य जगह वैसा अहसास नहीं हुआ।

सुबह सुबह मोरों की आवाज़ ,चिड़ियों की चहचहाहट और पत्थरों से टकराकर बेतवा की लहरों के इठलाने की धुन से नींद जल्दी खुल गई। बाहर निकला तो सफ़ेद कोहरे की चादर बिछी

हुई थी। कानों में मफ़लर लपेटकर कड़कड़ाती सुबह में सैर को निकल पड़ा। पत्थरों वाले रपट वाले पुल को पार करते हुए राष्ट्रीय अभयारण्य में जा पहुँचा।कोहरा छट गया था।नदी की धार के पार पौ फट रही थी। सूरज की किरणें पेड़ों के पत्तों के बीच से छन-छन कर आने लगी थीं। तभी

ओरछा में मध्यप्रदेश शासन द्वारा आगामी 6 से 8 मार्च तक 'नमस्ते ओरछा महोत्सव' आयोजित किया जा रहा है

सरसराहट हुई और हिरणों का एक झुण्ड कुलांचें भरता सामने से निकल गया। यह झुण्ड चट्टानों के बीच धीरे-धीरे कुछ नखरा दिखाते बहते पानी के पास पहुँचा। चौकन्नी आँखों से इधर उधर देखा और चप-चप करता पानी पीने लगा। मैं पेड़ों के बीच एक पगडण्डी पर था।एक फर्लांग भी नहीं गया कि सियारों का एक झुण्ड चपलता से निकल गया। बचपन में हम गाँव में रहते थे। सियारों को बुंदेली में लिडैया कहा जाता था। एक सेकंड की गति कितनी तेज़ होती है। सियारों की एक झलक ने मुझे पचपन साल पहले पहुँचा दिया था। मैंने ऊपर वाले को धन्यवाद देने के लिए सिर उठाया तो दो नीलकंठ एक डाल पर। फिर बचपन में जा पहुंचा। दशहरे के दिन जल्दी जगाती थीं। कहती थीं, आज दशहरा है। आज सुबह सुबह नीलकंठ देखना शुभ होता है।अपनी दादी की बात मानते हुए सब बच्चे नीलकंठ देखने निकल पड़ते और तभी लौटते ,जब नीलकंठ के दर्शन हो जाते चाहे कितना ही दिन चढ़ आए। हम गाते थे - नीलकंठ ! तुम नीले रहियो। हमाई ख़बर भगवान से कहियो.....

दिन वाकई चढ़ आया था। सात -साढ़े सात का समय रहा होगा। मोबाईल तो मैं कमरे में ही छोड़ गया था। कुदरत को पूरी तरह पीना चाहता था। लौटते हुए एक नीम से दातून तोड़ कर दाँत साफ़ करते ,यादों में उतराते उन्ही पत्थरों के पास ताज़ा बहता पानी पीने की इच्छा से गया ,जहाँ थोड़ी देर पहले हिरण प्यास बुझा रहे थे।एक पत्थर पर बैठकर ठन्डे पानी में पैर डाल कर बैठा रहा। छोटी-छोटी मछलियाँ मेरे पैर को छू कर निकल जातीं। दूर दूर तक सिर्फ़ मैं ,नदी ,चट्टानें ,बड़े-बड़े पेड़ और कुछ जंगली जानवर। सब कुछ कितना सुहाना था। दिल्ली के ज़हरीले गैस चैंबर से दूर प्रकृति की गोद मुझे दुलार रही थी।पास में सरसराहट से विचारों की तन्द्रा टूटी। चौंक कर देखा ,बाजू से एक भूरा अज़गर भी नदी किनारे एक पत्थर के इर्द गिर्द लिपट रहा था। अफ़सोस ! कोई कैमरा न था। उससे नज़र हटने का नाम ही नहीं ले रही थी। थोड़ी देर बाद आगे बढ़ा तो एक जंगली सुअर दाँत दिखाकर चिढ़ाते भाग गया। अपनी रिसॉर्ट के पास पहुंचा तो किनारे पत्थरों को चूल्हा बनाए एक गाँव वाला चाय बना रहा था। हमने भी पाँच रूपए में गिलास भर स्वादिष्ट अदरक वाली चाय पी।यक़ीन मानिए। दिल्ली के ताज़ या इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर की चाय से कई गुना बेहतर। रिसॉर्ट के अपने कमरे के बाहर भी नदी बेतवा का नज़ारा। एक चट्टान पर बैठकर वेटर से एक और चाय तथा गरमा गरम समौसा खाया। फिर कपड़े निकालकर ठंडे पानी में नहाने उतर गया। उस खुशनुमा सर्दी में भी नदी से बाहर निकलने की इच्छा नहीं हो रही थी। मुझे बेशर्मी से नहाते देख आसपास कुछ और देसी-विदेशी सैलानी भी स्नान के लिए आ पहुँचे। मैं बाहर निकल आया।

रामराजा के दर्शन के बाद मैं लाला हरदौल के निवास पर जा पहुँचा। लाला हरदौल बुंदेलखंड ही नहीं बल्कि उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और राजस्थान के कुछ क्षेत्रों में देवता की तरह पूजे जाते हैं।लेकिन उनकी

गाथा दुःख भरी है। मुझे याद आया। आकाशवाणी छतरपुर में जब उद्घोषक था तो अक्सर हम लोगों को टेपरिकॉर्डर लेकर भेज दिया जाता था। रेडियो रिपोर्ट बनाने के लिए। मैं एक रिकॉर्डिंग के लिए सहयोगियों के साथ गया। वहाँ एक मेले में डफली पर ओमप्रकाश अमर नाम के बेजोड़ लोक गायक के मुंह से हरदौल गाथा सुनी। हम भाव विह्वल हो गए। सामने दस हज़ार से अधिक लोग इन्ही हरदौल की कहानी सुनकर फूट-फूट कर रो रहे थे। हमारे भी आँसू भर आए थे।

हरदौल के बड़े भाई जुझारसिंह ओरछा के राजा थे ,लेकिन उनकी तैनाती दिल्ली दरबार में थी।उन्होंने अपने छोटे भाई हरदौल को अपना प्रतिनिधि बनाकर ओरछा का राज सौंप दिया। लेकिन जुझार सिंह कान का कच्चा था। उसके चापलूसों ने कहा कि हरदौल और जुझारसिंह की बीवी के बीच प्रेम संबंध हैं। नाराज़ जुझारसिंह ने अपनी पत्नी से कहा कि अगर वह पतिव्रता है तो

हरदौल के खाने में ज़हर मिलाकर उसे मार डाले। हरदौल भाभी को माँ की तरह मानते थे।ज़हर देते समय रानी फ़फ़क उठी। चकित हरदौल ने कारण पूछा तो वह छिपा न सकी। हरदौल ने कहा, ''माँ! बस इतनी सी बात। और हरदौल ने ज़हर पी लिया। हरदौल ने प्राण त्यागे तो शोक में सैकड़ों लोगों ने सामूहिक आत्मदाह किया। ओरछा में कई दिन तक चूल्हे नहीं जले। हरदौल की बहन कुंजावती का ब्याह दतिया में हुआ था। उसने जुझारसिंह से नाता तोड़ लिया। बरसों बाद जब उसकी बेटी का ब्याह हुआ तो मंडप के नीचे रिवाज़ के मुताबिक़ मामा को भात लेकर (चीकट की रस्म) जाना पड़ता है। कुंजावती जुझारसिंह से नाता

तोड़ चुकी थी और हरदौल की मौत हो चुकी थी। बहन ने चीत्कार करते हुए हरदौल को पुकारा। मान्यता है कि हरदौल की आत्मा ने भात की रस्म अदा की। तबसे लेकर आज तक बुंदेलखंड की हर माँ हरदौल को अपना भाई मानती है और बेटी के ब्याह में पहला कार्ड श्री राम को देने के बाद दूसरा निमंत्रण पत्र हरदौल को देने की परंपरा है। हरदौल के वस्त्र,महल,उनका आवास आज भी जस का तस रखा हुआ है।एक पर्यटक को नैतिक मूल्यों की गाथा सुनाने वाला ऐसा बेजोड़ तीर्थ देश विदेश में कहाँ मिलेगा

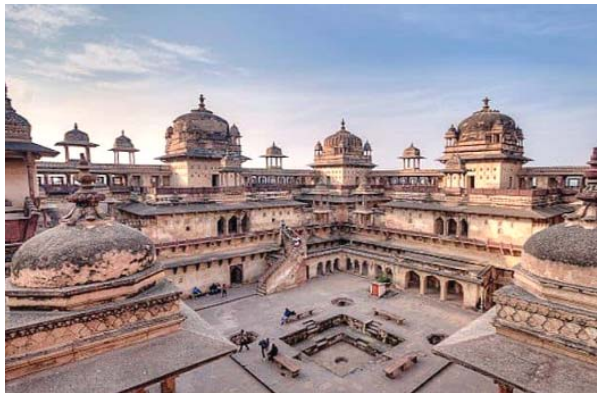

ओरछा में गंगा-जमुनी तहजीब का अदभुत समन्वय है। हरदौल जू के घर से मैं जहाँगीर महल जा पहुँचा था।तीन मंज़िल का बेजोड़ महल।हिन्दुस्तान का हिन्दू और मुस्लिम स्थापत्य शैली का मिला जुला पहला महल।पुरातात्विक विशेषज्ञों के लिए ही नहीं आम सैलानी के लिए एक अनोखी इमारत।आप जाएँ तो ठगे से रह जाएँगे।मैं गया तो आधा दिन कैसे बीत गया -पता ही नहीं चला। होश तो तब आया,जब एक कारिंदे ने आकर सूचना दी कि महल बंद होने का वक़्त हो चुका है और मैं बाहर चला जाऊँ।मैं तो आँखों से पी रहा था।अधूरी प्यास लिए रिसॉर्ट लौट आया।प्यास तो अधूरी थी,लेकिन भूख़ भी जबरदस्त लग आई थी।रिसॉर्ट का मीनू देखा तो वेटर से कहा,% भाई ! कुछ बुंदेली व्यंजन क्यों नहीं खिलाते।उसने कहा,% चलिए।मंदिर के पास देसी घी की पूड़ी और आलू की सब्ज़ी खिलाता हूँ।वह लेकर गया। वाह।क्या बात है।पंद्रह -सत्रह पूड़ियाँ खा गया और पेट भरने का नाम ही नहीं ले रहा था।खाने से तृप्त एकदम दिव्य मैं रात रिसॉर्ट आकर सो गया।गहरी नींद में भी ओरछा दिखता रहा। हिन्दुस्तान में ऐसा दूसरा कोई पर्यटक स्थल नहीं,जो धार्मिक तीर्थ हो, घने जंगल से घिरा हो, रिवरराफ्टिंग का आनंद हो, वन्यजीवों का लुत्फ़ हो और सबसे बड़ी बात साफ़ सुथरी हवा। हम दुनिया भर के पर्यटक स्थान घूमने में लाखों रूपए बहाते हैं और पाँच-दस हज़ार रूपए में धरती के इस अनमोल खजाने को नहीं लूटना चाहते।

अगले दिन मुझे लौटना था।अफ़सोस हो रहा था कि इस शानदार विरासत के लिए डेढ़ दिन ही क्यों लेकर आया। कम से कम तीन दिन तो बनते ही हैं। बहरहाल! नदी और जंगल का आनंद तो पिछले दिन ही ले चुका था। कुछ ऐतिहासिक स्मारकों को देखना बाक़ी था। इसलिए अगले दिन सुबह नाश्ता करके आठ बजे ही निकल पड़ा। सबसे पहले चतुर्भुज मंदिर गया। ताज्जुब होता है कि कोई साढ़े चार सौ साल पहले न तो बिजली थी और न अन्य वैज्ञानिक उपकरण लेकिन इस मंदिर में हवा और रौशनी झकाझक जाती है। हम आज फ़्लैट कल्चर के आदी हो रहे हैं और उनमें सारे दिन घर में बिजली जलाकर रखना पड़ जाता है।अपने पूर्वजों के बनाए इंजीनियरिंग तंत्र को समझना ही नहीं चाहते। सैकड़ों साल पुराने चार मंज़िल के इस स्थापत्य नमूने को देखकर मैं दाँतों तले उँगलियाँ दबा रहा था।पीछे ही लक्ष्मी मंदिर है। इस मंदिर की ख़ास बात यह है कि प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की नायिका झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई और गोरी फ़ौज़ के युद्ध के शानदार चित्र आप देख सकते हैं।उनकी शहादत के बाद के चित्र हैं। इसलिए एकदम प्रामाणिक मान सकते हैं।इस मंदिर के समीप ही पालकी महल अगर आपने नहीं देखा तो समझिए ओरछा का सफ़र पूरा नहीं हुआ। जैसे धार ज़िले के मांडू में एक महल जहाज़ के आकार का है ,उसी तरह ओरछा का यह महल पालकी के आकार का है। आज के बच्चों ने तो पालकी ही नहीं देखी होगी। पर हम लोगों ने बचपन में न केवल पालकी देखी ,बल्कि उसमें बैठने का भी मज़ा लिया है।

पालकी महल के बाद मैं राय प्रवीणा के महल में था। राय प्रवीणा याने सौंदर्य की मलिका, ग़ज़ब की नर्तकी और विलक्षण गायिका। ओरछा के राजा के भाई इंद्रजीत सिंह ने अपनी प्रेमिका रायप्रवीणा के लिए इस महल का निर्माण कराया था। तीन मंज़िल का यह महल एक दर्दनाक दास्ताँ की कहानी कहता है। एक कसक के साथ इस महल से वापस आया। रायप्रवीणा की कहानी फिर कभी। फिलहाल तो बता दूँ कि ओरछा से विदा लेते समय आपने अगर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के बहादुर क्रांतिकारी चंद्र शेखर आज़ाद का ओरछा के पास ही सातार नदी के किनारे अँगरेज़ों से छिपने का स्थान नहीं देखा तो कुछ नहीं देखा। हम सबके लिए यह एक तीर्थ से कम नहीं है। इस आधुनिक तीर्थ के अलावा निकट ही एक साहित्यिक नज़रिए से पावन स्थान कुण्डेश्वर है। यहाँ से आज़ादी से पहले प्रख्यात पत्रकार बनारसीदास चतुर्वेदी जी ने मधुकर नाम की बेजोड़ पत्रिका निकाली थी। देश के नामी गिरामी लेखक ,पत्रकार ,उपन्यासकार ,कहानीकार इस पत्रिका में छपने को तरसते थे। एक नदी किनारे बसे कुण्डेश्वर में आज दादा बनारसी दास चतुर्वेदी की एक विशालकाय प्रतिमा है। कुण्डेश्वर जाना भी एक आधुनिक तीर्थ से कम नहीं है।

आते समय ट्रेन से झांसी जंक्शन पर उतरा था। लौटने के लिए मैंने ओरछा स्टेशन से नही,बल्कि टीकमगढ़ से ट्रेन पकड़ने का फ़ैसला किया था। नए नवेले इस छोटे से स्टेशन पर ट्रेन में भोपाल के लिए बैठा तो मन भावुक हो गया।ओरछा रास्ते भर याद आता रहा। सलाम ओरछा!

ग्राम स्तर से प्रदेश के समग्र विकास की शुरूआत

» संदीप कपूर

मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार का विश्वास है कि, ग्राम स्तर पर व्यवहारिक योजना निर्माण से प्रदेश के समग्र विकास को आवश्यक गति दी जा सकती है। इसलिये ग्राम स्तर पर विद्यमान परिस्थितियों और जरूरतों के मुताबिक समग्र और समावेशी विकास के लिए योजनाएँ बनाने पर जोर दिया गया। सरकार ने विकास के विजन को प्राथमिकता दी, जिससे राज्य की समृद्धि का लक्ष्य तय हो सका।

आर्थिक विश्लेषण और सांख्यिकी, शासकीय योजनाओं को व्यवहारिक और वैज्ञानिक आधार प्रदान करते हैं। सामाजिक विकास हो अथवा अधोसंरचना निर्माण, हर गतिविधि में वास्तविकता से रू-ब-रू कराना तथा कार्यों के लिए लक्ष्य और समय-सीमा निर्धारित करने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। इस क्षेत्र में राज्य योजना आयोग और आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग दिशा सूचक का काम कर रहे हैं।

ग्राम विकास योजना

प्रदेश में पहली बार वर्ष 2019 में आजीविका, अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण, नागरिक अधिकार संरक्षण आदि क्षेत्रों को ध्यान में रखकर ग्राम विकास की योजना तैयार की गई। इस प्रक्रिया से विभिन्न जिलों की विशिष्ट परिस्थितियों, विशेषकर महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जाति, जनजाति तथा सामाजिक रूप से पिछड़े समुदायों को नियोजन प्रक्रिया से जोड़ने में सफलता मिली। यह प्रक्रिया समाज के समावेशी एवं त्वरित विकास के लिए मील का पत्थर साबित हुई। प्रदेश स्तर पर विकेन्द्रीकृत नियोजन के जरिये कार्य भी प्रस्तावित किए गए।

आकांक्षी विकासखण्डों में डैश बोर्ड निर्माण

योजना निर्माण की राज्य स्तरीय राज्य योजना आयोग द्वारा सतत विकास की कार्य-योजना 2030 तैयार कर ली गई है। भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा चयनित राज्य के आठ आकांक्षी जिलों में अनुश्रवण और मूल्यांकन का कार्य इस आयोग द्वारा किया जा रहा है। इसके लिए जिला स्तर पर प्रशिक्षण और क्षमतावर्धन के कार्यक्रम किए गए हैं। प्रदेश के 50 आकांक्षी विकासखण्डों में डैश बोर्ड निर्माण के बाद अनुश्रवण और मूल्यांकन कार्य का विस्तार किया गया। 'आकांक्षी विकासखण्डों का उत्थान' निर्देशिका तैयार की गयी। इसमें आकांक्षी विकासखण्डों के उत्थान, कार्यक्रम के संस्थागत प्रबंधन, संकेतकों और कार्य सम्पादन में सुधार के उपाय, स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और सहयोगी सेवाएँ, आधारभूत सुविधाएँ, कौशल विकास तथा वित्तीय समावेशन पर विशेष जानकारी उपलब्ध करायी गयी।

धान गहनता (मेडागास्कर) प्रणाली

राज्य योजना आयोग द्वारा प्रदेश में इव्यूलेशन ऑफ प्रमोशन फॉर आर्गेनिक फार्मिंग, इव्यूलेशन ऑफ प्रोजक्ट टू पापुलराईज स्वीट कॉर्न, डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ पम्पसेट्स (डीजल/इलेक्ट्रिकल) ऑन सब्सिडी टू फार्मर्स, इव्यूलेशन ऑफ प्रोजेक्ट फार इन्क्रीजिंग वाटरयूज इफीशियंसी थ्रू डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ स्प्रिंकलर पाइप लाइन एण्ड ड्रिप्स आदि शोध प्रतिवेदन तैयार किये गये। समग्र नर्सरी संवर्धन के लिए धान गहनता(मेडागास्कर) प्रणाली लागू की गई। कोदो/कुटकी, तिल और रामतिल जैसी पारंपरिक फसलों की संरक्षण परियोजना का मूल्यांकन भी किया गया।

नीतियों, उपलब्धियों, घोषणाओं का विश्लेषण

आर्थिक सर्वेक्षण ऐसा दस्तावेज है जिसमें प्रदेश के विकास के विभिन्न सूचकांकों का मूल्यांकन, नीतियों एवं कार्यक्रमों के परिणामों का आकलन किया जाता है ताकि प्रदेश की प्राथमिकताओं के लिए नीतियों एवं कार्यक्रमों में आवश्यक सुधार किया जा सके। राज्य सरकार ने प्रदेश का आर्थिक सर्वेक्षण 2018-19 तैयार किया। सर्वेक्षण में आर्थिक स्थिति की समीक्षा, लोकहित, बचत एवं विनियोजन, खाद्यान्न उपार्जन एवं वितरण, कृषि, उद्योग, अधोसंरचना, सामाजिक क्षेत्र तथा सुशासन एवं कानून-व्यवस्था के अन्तर्गत प्रदेश की सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था, नीतियों, उपलब्धियों, घोषणाओं और कार्य-कलापों का विश्लेषणात्मक विवेचन प्रस्तुत किया गया।

प्रति व्यक्ति आय में 9.71 प्रतिशत की वृद्धि

राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के अनुमान वर्ष 2018-19 तैयार किये गये। इसमें गत वर्ष की तुलना में वृद्धि दर (स्थिर भावों पर) 7.04 प्रतिशत रही है। इसी क्रम में राज्य की प्रति

व्यक्ति आय 2018-19 में 90 हजार 998 रूपये अनुमानित है, जो वर्ष 2017-18 की प्रति व्यक्ति आय 82 हजार 941 रूपये की तुलना में 9.71 प्रतिशत अधिक है।

जन्म-मृत्यु पंजीयन अब ऑनलाइन

राज्य में जन्म-मृत्यु पंजीयन के लिये आयुक्त आर्थिक एवं सांख्यिकी को मुख्य-पंजीयक का दायित्व सौंपा गया। इसे ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायतों और नगरीय क्षेत्र में नगर पालिका, नगर पंचायत, नगर निगम केच-मेंट बोर्ड तथा स्वास्थ्य संस्थाओं के माध्यम से जन्म-मृत्यु पंजीयन कराया जा रहा है। जन्म-मृत्यु पंजीयन अब ऑन लाइन किया जा रहा है। राज्य में वर्ष 2019 में जन्म पंजीयन 71.79 प्रतिशत और मृत्यु पंजीयन 74.71 प्रतिशत रहा।

विकास प्रक्रिया को दिशा और गति देने के प्रयास

राष्ट्रीय न्यादर्श सर्वेक्षण के अन्तर्गत क्षेत्रीय कार्यों के सर्वेक्षण, सारणीयन, अध्ययन और प्रतिवेदन तैयार करने तथा आर्थिक गणना जैसी गतिविधियाँ संचालित की गई। सर्वेक्षण के 77वें दौर में 1 जनवरी, 2019 से 31 दिसम्बर, 2019 तक परिवार की सूची, ऋण और निवेश, गृह भूमि और पशुपालन धारिता तथा कृषक घर की स्थिति के मूल्यांकन से संबंधित 537 सेंपल कार्य पूर्णता की ओर हैं। सांख्यिकी और आर्थिक विश्लेषण, अध्ययन, संवाद एवं सर्वे और उसकी व्याख्या, प्रतिवेदन तैयार करने तथा योजना निर्माण के माध्यम से प्रदेश में विकास प्रक्रिया को दिशा और गति देने के प्रयास वर्ष 2019 में ही शुरू किये गये हैं।

किचन में मौजूद 5 चीजें वजन घटाने में करे मदद

क्या आप अपना वजन कुछ किलोग्राम घटाना चाहते हैं? तो आपको यहां-वहां देखने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आपकी रसोईघर में ही कुछ ऐसे तत्व आपको मिल जाएंगे जो वजन कम करने में आपकी मदद करेंगे।

प्रतिष्ठित आयुर्वेदाचार्य और जीवा आयुर्वेद के निदेशक डॉ. परताप चौहान ने कहा, 'आहार और व्यायाम वजन कम करने का स्वास्थ्यवर्धक जरिया है, लेकिन किसी को यह नहीं पता है कि उनकी रसोईघर में ही कुछ ऐसी चीजें हैं जो उनका वजन कुछ किलोग्राम तक कम करने में मदद कर सकता है। प्रतिदिन के आहार में रसोईघर के उन कुछ तत्वों को शामिल करना आपके वजन कम करने में काफी प्रभावी हो सकता है।' उन्होंने रसोईघर में आसानी से मिलने वाले पांच तत्वों के बारे में बताया, जो आपके मेटाबॉलिज्म और पाचन को दुरुस्त करता है।

दालचीनी : आयुर्वेद में दालचीनी का प्रयोग इसके कीटाणुनाशक, जलन कम करने, एंटी-बैक्टिरियल गुणों के कारण किया जाता है। जब बात वजन कम करने की आती है, तो मीठी सुगंध वाला यह तत्व मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है। सुबह उठने के बाद सबसे पहले दालचीनी मिला पानी का सेवन करने से यह भूख कम करने में मदद करने के साथ बुरे कोलेस्ट्रॉल को भी कम करता है।

काली मिर्च : आयुर्वेद के अनुसार, काली मिर्च वजन कम करने में काफी प्रभावी है। यह शरीर के ब्लॉकेज को घटाता है, सकुर्लेशन को सुचारु करता है और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। यह शरीर को डिटॉक्स करने के साथ चर्बी को भी कम करता है।

अदरक : आयुर्वेद का यह जादुई तत्व मेटाबॉलिज्म को 20 प्रतिशत तक बढ़ा देता है, यह पेट को स्वस्थ रखता है, चर्बी को घटाता है और शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालता है। इसमें ज्वलन कम करने वाले और एंटी-बैक्टीरियल तत्व हैं। इसके निरंतर सेवन से न सिर्फ आपका वजन कम होता है, बल्कि यह आपके पूरे स्वास्थ्य को दुरुस्त रखता है।

नींबू खाने में इस्तेमाल से या सलाद पर डालकर नींबू के सेवन से वजन काफी जल्द कम होता है। नींबू में विटामिन सी और घुलने वाली फाइबर की प्रचुर मात्रा होती है, जिससे कई स्वास्थयवर्धक फायदे होते हैं। नींबू से हृदय संबंधी बीमारी, एनीमिया, किडनी में पथरी, सुचारु पाचन और कैंसर में फायदा मिलता है।

शहद : सोने के ठीक पहले शहद के सेवन से नींद के शुरुआती घंटों में कैलोरी कम होती है। शहद में शामिल फायदेमंद हार्मोन से भूख कम लगती है और तेजी से वजन कम होता है। इसके इस्तेमाल से पेट की चर्बी आसानी से कम होती है।

कुकिंग ऑयल भी हो सकता है मोटापे की वजह

सोयाबीन तेल के सेवन से न सिर्फ मोटापा और मधुमेह हो सकता है बल्कि इससे दिमाग में भी कई तरह के आनुवांशिक बदलाव हो जाते हैं। चूहों पर किए गए एक हालिया शोध में यह दावा किया गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार सोयाबीन का तेल ऑटिज्म और अल्जाइमर जैसी दिमागी बीमारियों को भी प्रभावित करता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के शोधकर्ताओं ने बताया कि सोयाबीन के तेल का इस्तेमाल फास्ट फूड को पकाने में किया जाता है। इसे पैकेट वाले खाद्य पदार्थों में डाला जाता है और दुनिया के कई हिस्सों में जानवरों को भी खिलाया जाता है। सोयाबीन के तेल का सेवन करने से मोटापे, मधुमेह, इंसुलिन प्रतिरोध और फैटी लिवर की समस्या बढ़ती है।

- किसान क्रेडिट कार्ड (फसल ऋण)
- ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि यंत्रों हेतु ऋण
- दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
- मत्स्य पालन हेतु ऋण
- स्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए ऋण
- स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ऋण
- कृषक को खेत पर शेड बनाने के लिए ऋण
- कम्बाइन हार्वेस्टर एवं रिपर कम बाइंडर क्रय ऋण

71वें गणतंत्र दिवस की समस्त किसान भाइयों को

हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री जगदीश कन्नौज
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एम.एल. गजभिये
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री एस.के. खरे
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री कमल किशोर मालवीय (शा.प्र. सॉंवेर) श्री सदाशिव बौरासी (शा.प्र. क्षिप्रा, इंदौर) श्री ओमप्रकाश चौहान (शा.प्र. मांगल्या)
श्री तेजराम मालवीय (पर्य. सॉंवेर) श्री हरीश पाण्डेय (पर्यवेक्षक क्षिप्रा, इंदौर) श्री धर्मेन्द्र चौहान (पर्य. मांगल्या)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पाचोला, जिला इंदौर
श्री तेजराम मालवीय (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पुर्वार्डा हप्पा, जिला इंदौर
श्री कपिल राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. राजोदा, जिला इंदौर
श्री सुभाष चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. डकाच्या, जिला इंदौर
श्री माखनलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कुडावा, जिला इंदौर
श्री सुभाष चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.गुराण, जिला इंदौर
श्री विजयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. दर्जी कराड़िया, जिला इंदौर
श्री जितेन्द्र राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.बरलाई, जिला इंदौर
श्री विजयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सांवेर, जिला इंदौर
श्री सुनेरसिंह यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पलासिया, जिला इंदौर
श्री लाखनसिंह कुशवाह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ोदिया खान, जिला इंदौर
श्री जगदीश सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मांगल्या सड़क, जिला इंदौर
श्री धर्मेन्द्र चौहान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. जामोदी, जिला इंदौर
श्री सुरेशचंद्र पिड़लाया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. टोड़ी, जिला इंदौर
श्री अजबसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सोलसिन्दा, जिला इंदौर
श्री रामलाल वर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कदवालीखुर्द, जिला इंदौर
श्री कल्याणसिंह बारोड (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने से भारत मजबूत बनेगा : श्री तोमर

नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने आज नई दिल्ली में ई-राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) में कृषि लॉजिस्टिक्स को सुदृढ़ करने के संबंध में राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि देश के लिए कृषि बहुत महत्वपूर्ण है और आबादी का बड़ा हिस्सा कृषि कार्य में लगा हुआ है। कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने से देश मजबूत होगा। प्रधानमंत्री के विज़न के अनुरूप सरकार 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का प्रयास कर रही है।

श्री तोमर ने कहा कि सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था और संरचना को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। खाद्यान्न, बागवानी और पशुपालन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए श्री तोमर ने किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, केन्द्र एवं राज्य सरकारों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सुझाव दिया कि बड़े किसानों और सीमांत किसानों के बीच के अंतर को समाप्त किया जाना चाहिए तथा प्रौद्योगिकी एवं योजनाओं के लाभ छोटे और सीमांत किसानों तक पहुंचने चाहिए।

श्री तोमर ने कहा कि किसानों को उनके उत्पादों का सही मूल्य मिलना आज की सबसे बड़ी चुनौती है। इसके लिए प्रधानमंत्री ने ई-नाम (इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाजार) का सुझाव दिया था। इसके अंतर्गत कृषि उत्पाद बाजार समितियों को राष्ट्रीय स्तर पर ई-व्यापार सुविधा से जोड़ा गया है। यह व्यवस्था पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी है। इसमें कृषि उत्पादों के लिए एक मंडी से दूसरे मंडी के बीच व्यापार होता है और इससे किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त होते हैं। इस योजना के अंतर्गत 16 राज्यों व 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 585 थोक मंडियों को ई-नाम प्लेटफॉर्म से जोड़ा जा चुका है और जल्द ही 415 अन्य मंडियों को इस सुविधा से जोड़ दिया जाएगा। इस पोर्टल के साथ 1.65 करोड़ से अधिक किसानों व 1.27 लाख व्यापारियों को पंजीकृत किया जा चुका है। इसके माध्यम से अभी तक 91 हजार करोड़ रूपए का लेन-देन किया गया है, जो निकट भविष्य में एक लाख करोड़ रूपए से अधिक हो जाएगा।

इस राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला में 200 से अधिक विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, एग्री लॉजिस्टिक, सफाई, छंटाई, उत्पादन, विश्लेषण, भंडारण और परिवहन क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी इस कार्यशाला में शामिल हुए। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण राज्य मंत्री श्री पुरुषोत्तम रुपाला और कृषि सचिव श्री संजय अग्रवाल ने भी कार्यशाला में भाग लिया।

बीज-कीटनाशक विक्रेता संघ प्रतिनिधि मंडल कृषि मंत्री से मिला

भोपाल। मप्र बीज एवं कीटनाशक विक्रेता संघ ने मप्र विधानसभा में कृषि मंत्री सचिन यादव जी से इंदौर में किसानों की सहूलियत हेतु एग्रिपार्क स्थापित करने की मांग, दोहरे लाइसेन्स प्रणाली समाप्त करने एवं कंपनियों को हर साल सेल परमिशन (भोपाल परमिशन) व वितरक-विक्रेताओं को प्रतिवर्ष जिला सेल परमिशन लेने की अनिवार्यता के विरोध में ज्ञापन दिया एवं व्यापारियों को हो रही अन्य परेशानियों से अवगत कराया। कृषि मंत्री महोदय ने प्रतिनिधिमंडल की उक्त समस्याओं को गम्भीरता पूर्वक सुनकर निजी सचिव को निवारण हेतु निर्देशित किया एवं आगामी नवीन मंडी परिसर में व्यापारियों का संकुल बनाकर उन्हें प्रतिस्थापित करने का आश्वासन दिया। उक्त महत्वपूर्ण भेंट में हमारे अपने माननीय मंत्री जीतू पटवारी जी का गरिमापूर्ण योगदान रहा। प्रतिनिधिमंडल में संस्था के संस्थापक श्री प्रहलाद मिश्रा, अध्यक्ष श्री दिलीप बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष श्री राजेन्द्र नागर, उपाध्यक्ष श्री सुरेश मेहता एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री जीतू मिश्रा ने भेंट की।

गणतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने का संकल्प लें

भोपाल। राज्यपाल श्री लालजी टंडन ने 71वें गणतंत्र दिवस पर लाल परेड मैदान में आयोजित राज्य-स्तरीय समारोह में प्रदेशवासियों का आव्हान किया है कि प्रदेश में गणतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि प्रदेश की प्रगति और आम आदमी के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के प्रयासों में राज्य सरकार का सहयोग करें। श्री टंडन ने समारोह में ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली। श्री टंडन ने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और संविधान सभा के सदस्यों का पुण्य स्मरण किया।

राज्यपाल ने कहा कि आदिवासियों के कल्याण के लिये वनाधिकार अधिनियम के निरस्त दावों पर समयबद्धता के साथ पुनर्विचार किया जा रहा है। एक माह में ऐसे सभी प्रकरणों पर अंतिम निर्णय ले लिया जायेगा। तेंदूपत्ता संग्राहकों की मजदूरी दर में वृद्धि कर इसे दो हजार से बढ़ाकर ढ़ाई हजार रुपये प्रति मानक बोरा किया गया है। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति और आदिवासियों के विकास पर जनसंख्या के मान से ही उचित बजट का आवंटन होगा।

राज्यपाल ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में मूलभूत और आधुनिक सुविधाओं के लिए मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के तृतीय चरण को मंजूरी दी गई है। लोगों को रोज़गार के अवसर मिलें, इसके लिए प्रदेश को विश्व-स्तरीय पर्यटन स्थल की पहचान दिलाने के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि चिकित्सा शिक्षा में एम.बी.बी.एस. तथा पी.जी. कोर्स में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा को अनिवार्य किया गया है। गणतंत्र दिवस के राज्य-स्तरीय समारोह में बड़ी संख्या में जन-प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, शासकीय अधिकारी-कर्मचारी और स्कूली बच्चे शामिल हुए।

मंडियों की जानकारी एक सप्ताह के अंदर भेजें

ग्वालियर। प्रदेश के किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री सचिन सुभाष यादव ने कृषि उपज मंडी सचिवों की बैठक को संबोधित करते हुए निर्देश दिए कि सभी मंडियों की परिसम्पत्तियों की जानकारी एक सप्ताह के अंदर भेजना सुनिश्चित करें। उक्त आशय के निर्देश मंत्री श्री सचिन यादव ने मंगलवार को ग्वालियर एवं चंबल संभाग के तहत आने वाली कृषि उपज मंडियों के सचिवों की तानसेन रेसीडेंसी में आयोजित बैठक में दिए। बैठक में अपेक्स बैंक के अध्यक्ष श्री अशोक सिंह, कांग्रेस नेता श्री रामप्रकाश, संयुक्त संचालक मंडी श्री आर पी चक्रवर्ती सहित मंडी सचिव उपस्थित थे।

श्री सचिन यादव ने संभाग की प्रत्येक मंडी के आय-व्यय, किसानों, हम्मालों को मिलने वाली सुविधाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि मंडियों द्वारा संचालित गोदाम एवं अन्य परिसम्पत्तियां जो किराए पर दी गई हैं उनकी जानकारी संकलित करें। उन्होंने संभाग के कृषि उपज मंडी के 8 नाकों के संबंध में भी जानकारी लेते हुए मंडियों में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की भी जानकारी ली। उन्होंने मंडियों में कैन्टीन के माध्यम से किसानों को मिलने वाली भोजन व्यवस्था आदि की भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मंडियों में अतिक्रमण को भी चिन्हत कर स्थानीय प्रशासन के सहयोग से हटाने की कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने इंदौर में ली परेड की सलामी

इंदौर। मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर इंदौर में आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। सम्पूर्ण गरिमा, हर्षोल्लास और उत्साह के साथ आयोजित समारोह में स्कूली बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस अवसर पर विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा नयनाभिराम झांकियां भी निकाली गयी। समारोह में मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने प्रदेश की जनता को सम्बोधित किया। मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने ध्वजारोहण के बाद खुली जीप में परेड का निरीक्षण किया और परेड कमाण्डरों से परिचय प्राप्त किया। परेड के दौरान सशस्त्र दलों द्वारा हर्ष फायर किये गये। समारोह में 17 दलों ने आकर्षक परेड प्रस्तुत की। समारोह में विद्यार्थियों तथा नव-आरक्षकों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। इनमें अहिल्या आश्रम स्कूल और खालसा महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग लोकनृत्य प्रस्तुत किये। महेश दृष्टिहीन कल्याण संघ की बालिकाओं ने समूह गीत की प्रस्तुति दी।

विभिन्न विभागों द्वारा बनायी गयी आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन भी दर्शकों का मन मोह रहा था। कृषि विभाग द्वारा जय किसान फसल ऋण माफी योजना, उद्यानिकी विभाग द्वारा मुख्यमंत्री प्याज कृषक प्रोत्साहन योजना एवं जलशक्ति अभियान, शिक्षा विभाग द्वारा 100 कलाम योजना, आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा डॉ.अम्बेडकर एवं महात्मा गांधी के संदेश, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान भारत, जेल विभाग द्वारा योग और ध्यान, वन विभाग द्वारा हरित इंदौर, जिला पंचायत द्वारा गौशाला, राजस्व विभाग द्वारा शून्य शक्ति अभियान और आपकी सरकार आपके द्वार सहित उद्योग केन्द्र, महिला एवं बाल विकास विभाग, इंदौर विकास प्राधिकरण, एकेवीएन, नगर निगम, यातायात पुलिस तथा पर्यटन विभाग ने अपनी विभागीय योजनाओं और कार्यों पर आधारित झाँकिया निकाली। समारोह में विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।

मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में विधायक श्री संजय शुक्ला, श्री विशाल पटेल तथा श्री महेन्द्र हार्डिया, सांसद श्री शंकर लालवानी, श्री नरेन्द्र सलूजा, श्रीमती शोभा ओझा, इंदौर दुग्ध संघ के अध्यक्ष श्री मोती सिंह पटेल, श्री विनय बाकलीवाल, श्री सदाशिव यादव सहित अन्य जन-प्रतिनिधि, संभागायुक्त श्री आकाश त्रिपाठी, आई.जी. श्री विवेक शर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी, पत्रकार और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे।

मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर इंदौर शहर कांग्रेस कार्यालय 'गाँधी भवन' में ध्वजारोहण किया। इस मौके पर कांग्रेस नेता श्री विनय बाकलीवाल, श्री प्रमोद टंडन, लक्ष्मीनारायण पाठक सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सहकारिता मंत्री ने भिंड में किया ध्वजारोहण

भिंड। सहकारिता, संसदीय कार्य एवं सामान्य प्रशासन मंत्री डॉ गोविन्द सिंह ने गणतंत्र दिवस-26 जनवरी 2020 के जिला स्तरीय मुख्य समारोह पुलिस परेड ग्राउण्ड भिण्ड पर ध्वजारोहण किया। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहकारिता, संसदीय कार्य एवं सामान्य प्रशासन मंत्री डॉ गोविन्द सिंह ने जिला कलेक्टर श्री छोटेसिंह, पुलिस अधीक्षक श्री रूडोल्फ अल्वारेस के साथ परेड की टुकडियों का निरीक्षण किया। इसके बाद जिला स्तरीय मुख्य समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ जी के संदेश का वाचन किया।

सहकारिता संसदीय कार्य एवं सामान्य प्रशासन मंत्री डॉ गोविन्द सिंह ने गणतंत्र दिवस-26 जनवरी 2020 के मुख्य समारोह में शांति के प्रतीक रंग बिरंगे गुब्बारे हवा में छोडे। मुख्य समारोह में परेड की टुकडियों ने हर्ष फायर किया। इसके बाद मुख्य अतिथि मंत्री डॉ गोविन्द सिंह को एसएएफ, जिला पुलिस बल, पुलिस महिला प्लाटून, होमगार्ड, एनसीसी, सीनियर डिवीजन, बिहारी रोवर स्कॉउट, स्कॉलर्स पब्लिक स्कूल,, आईपीएस अकाडमी, सरमन सिंह मेमोरियल, शाउत्कृष्ट उमावि एनएसएस,शाउमावि क्र.2, चौधरी सेन्ट्रल स्कूल, मुन्नालाल अग्रवाल उमावि, स्काउट दल जिला संघ, सोर्यादलएवं सेन्टमाईकल स्कूल-बैण्ड दल की टुकडियों ने सलामी दी।

गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रामनारायण हिण्डोलिया, क्षेत्रीय विधायक श्री संजीव सिंह, जिला सहकारी बैंक के प्रशासक श्री उदयप्रताप सिंह सेंगर, जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री जयश्रीराम बघेल, 17वीं वाहिनी के कमाण्डेट, जिला पंचायत सीईओ श्री आईएस ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव कुमार कंचन, एसडीएम भिण्ड श्री इकबाल मोहम्मद, डिप्टी कलेक्टर श्री डीके शर्मा एवं श्री सिद्वार्थ पटेल सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी, विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी, पत्रकार, नगरीय निकाय एवं पंचायतो के पदाधिकारी, अधिकारी/कर्मचारी, विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राऐं और भारी संख्या में शहरी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

कृषिमंत्री ने खरगोन में किया झंडावंदन

खरगोन। जिला मुख्यालय के मुख्य समारोह में प्रदेश के कृषि उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री सचिन सुभाष यादव ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के तत्काल बाद राष्ट्रगान गाया गया। फिर मुख्य अतिथि कृषि मंत्री श्री यादव के साथ कलेक्टर श्री गोपाल चंद्र डाड, पुलिस अधिक्षक श्री सुनील पाण्डे और रक्षित निरीक्षक श्रीमती रेखा रावत ने जिप्सी के द्वारा परेड का निरिक्षण किया। परेड का निरीक्षण करने के बाद मुख्य अतिथि श्री यादव ने मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ का प्रदेश की जनता के नाम संदेश वाचन किया। गणतंत्र दिवस के मार्च पास्ट में पहली बार बालिकाओं के एनसीसी दल ने भी सहभागिता की। वहीं मुख्य समारोह में स्कुली छात्र-छात्राओं ने अनोखी और सुरमयी प्रस्तुतियॉ दी और सबका मन मोह लिया। मुख्य समारोह में दौरान

विधायक श्री रवि जोशी नपाध्यक्ष श्री विपीनचंद्र गौर डीआईजी श्री एमएस वर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्री डीएस रण्दा, अपर कलेक्टर श्री एमएल कनेल अपर न्यायाधीश श्री सुभाष सोलंकी, और अन्य जनप्रतिनिधिगण, पत्रकारगण, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, गणमान्य नागरिक, स्कूली छात्र-छात्राएं मौजूद थे। समारोह में उपस्थित जिले के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व उनके परिजनों का शॉल श्रीफल से सम्मान किया गया। जिले के स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं सामूहिक पीटी की प्रस्तुति की गई। यहाँ शालेय छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई तथा अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से दर्शकों की तालियाँ खूब बटोरी। विभिन्न विभागों द्वारा शासकीय योजनाओं पर झांकी का प्रदर्शन किया गया।

पंचायत मंत्री ने सीधी में परेड की सलामी ली

सीधी। सीधी जिले में भी गणतंत्र दिवस समारोह पूरे उत्साह के साथ परम्परागत एवं गरिमापूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। मुख्य समारोह छत्रसाल स्टेडियम पर आयोजित किया गया जहां पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री कमलेश्वर पटेल ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान राष्ट्रगान का गायन हुआ। तत्पश्चात् मंत्री श्री पटेल ने परेड का निरीक्षण किया इस दौरान प्रभारी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ए. बी. सिंह तथा पुलिस अधीक्षक आर.एस. बेलवंशी भी उनके साथ रहें। मंत्री श्री पटेल ने समृद्धि के प्रतीक रंगीन गुब्बारे नील गगन में छोडे। उन्होने मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। तत्पश्चात परेड द्वारा तीन बार हर्ष फायर किया गया।

मंत्री श्री पटेल ने शहीद लांसनायक श्यामलाल सिंह, शहीद सिपाही रघुवंश प्रसाद, शहीद हवलदार रामस्वरूप तिवारी, शहीद हवलदार बृजभूषण तिवारी, शहीद सिपाही दिलीप कुमार, शहीद जीडीआर ताम्रध्वज सिंह, शहीद लांसनायक सुधाकर सिंह, शहीद सिपाही धरमपाल सिंह एवं सिपाही रामसिया मिश्रा की शहादत को नमन करते हुए उनकी पत्नियों एवं परिवार के सदस्यों को शाल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया।

जनकल्याणकारी आधारित विकास को दर्शाती विभिन्न विभागों व्दारा झांकिया प्रदर्शित की गयी। इसमें लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विभाग, किसान कल्याण एवं कृषि विभाग, वन विभाग, उद्यान विभाग, जिला पंचायत, आजीविका मिशन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा झाकियों का प्रदर्शन किया गया।

इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अभ्युदय सिंह, जिला न्यायाधीश सहित जिले के समस्त न्यायिक अधिकारी, वन मण्डल अधिकारी बृजेन्द्र झा, अपर कलेक्टर डी. पी. वर्मन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजुलता पटले, रूद्र प्रताप सिंह, चिंतामणि तिवारी सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी, विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों और सामाजिक संगठनों के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक के साथ नगर के विभिन्न विद्यालयोंध्महाविद्यालयों के विद्यार्थीगण, अभिभावक एवं आमजन गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान उपस्थित थे।

होशंगाबाद में जनसंपर्क मंत्री ने दी शुभकामनाएँ

होशंगाबाद। जिला मुख्यालय में पुलिस परेड ग्राउंड में गणतंत्र दिवस समारोह में प्रदेश के विधि एवं विधायी, जनसंपर्क, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, विमानन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के मंत्री एवं होशंगाबाद जिले के प्रभारी मंत्री श्री पी.सी. शर्मा ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली तथा मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ के संदेश का वाचन किया जिसमें मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ ने प्रदेश वासियो को गणतंत्र दिवस की शुभकामना दी। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने देशभक्ति से सराबोर रंगारंग आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। साथ ही विभिन्न विभागों की झाँकियों का प्रदर्शन भी किया गया।

मुख्य समारोह में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ.सीताशरण शर्मा, जनप्रतिनिधि श्री कपिल फौजदार, नर्मदापुरम् संभाग कमिश्नर श्री रजनीश श्रीवास्तव, आईजी श्री आशुतोष राय, कलेक्टर धनंजय सिंह सहित गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन राजेश जैसवाल व श्रीमती छाया रबूदा ने किया।

राज्य कृषि विपणन बोर्ड को मिला ई-अनुज्ञा के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड को ई-अनुज्ञा प्रणाली लागू करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। भुवनेश्वर में आयोजित सी.एस.आई. के वार्षिक सम्मेलन में ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक ने बोर्ड के अपर संचालक श्री केदार सिंह को यह पुरस्कार प्रदान किया। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री सचिन यादव ने इस उपलब्धि के लिये ई-अनुज्ञा टीम को शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि इस सिस्टम से प्रदेश के किसानों को फसल का सही दाम मिलेगा। साथ ही, व्यापारियों को व्यापार करने में सुगमता होगी।

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

श्री जगदीश कन्नौज
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री अम्बरीश वैद्य
(उपायुक्त सहकारिता झाबुआ)

श्री बी.एस. कोठारी
(उपायुक्त सहकारिता अलीराजपुर)

श्री गणेश यादव
(सभागीय शाखा प्रबंधक अपेक्स बैंक इंदौर)

श्री डी.आर. सरोठिया
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. झाबुआ

समस्त किसान भाइयों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट

समस्त किसानो को 0% ब्याज पर ऋण

श्री कुलदीपसिंह बुन्देला
(प्रशासक)

श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्रीमती भारती शेखावत
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री आर.एस. वसुनिया
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. धार

मुख्यमंत्री ने 767 जरूरतमंदों के घर का सपना किया पूरा

इंदौर। मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने इंदौर में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में जिले में संचालित ऑपरेशन क्लीन अभियान में विभिन्न गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं के लाभान्वित सदस्यों को आवासीय भूखण्ड के कब्जा-पत्र सौंपे। अभियान के प्रथम चरण में विभिन्न गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं के 767 सदस्यों को लाभान्वित किया गया। इससे गृह निर्माण सहकारी समितियों की अनियमितताओं से परेशान सदस्यों का अपने आशियाने का सपना साकार हुआ है। मुख्यमंत्री ने प्रतीक स्वरूप सात संस्थाओं के पाँच-पाँच सदस्यों को भूखण्ड आवंटन-पत्र एवं कब्जा-पत्र सौंपे। संयुक्त आयुक्त सहकारिता श्री जगदीश कन्नोज का विशेष सहयोग रहा। अभियान के द्वितीय चरण में 31 मार्च 2020 तक लगभग दो हजार पात्र सदस्यों को भूखंड/प्रकोष्ठ प्रदाय जायेगा। कार्यक्रम में लाभान्वित सदस्य अपने आशियाने का सपना साकार होने से बेहद खुश दिखायी दिये। लाभान्वित सदस्य राजेन्द्र कुमार, रामकुमार, चन्द्रशेखर, निशा गर्ग आदि का कहना था कि बरसों से भटक रहे हम सदस्यों को अब न्याय मिला है। इसके लिये शासन और प्रशासन बधाई के पात्र हैं। भू-माफिया के विरूद्ध मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ के निर्देश पर चलाये गये अभियान के परिणामस्वरूप आज हमें अपना हक मिला।

डाटा सेंटर व्यवसाय में बनेगी मध्यप्रदेश की नई पहचान

भोपाल। मध्यप्रदेश डाटा सेंटर व्यवसाय में अपनी नई पहचान बना सकता है। इसके लिए प्रदेश में अलग-अलग 9 स्थानों पर 690 एकड़ जमीन उपलब्ध है। इस क्षेत्र में आने वाली कंपनियों को सरकारी जमीन पर इकाइयाँ लगाने की लागत में 75 प्रतिशत तक की रियायत भी मिल सकेगी। इस क्षेत्र की संभावनाओं पर दावोस में वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम की वार्षिक बैठक के तीसरे दिन मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ से आज अमेजन वेब सर्विस के वाइस प्रेसीडेंट श्री मेक्स पीटरसन ने विस्तारपूर्वक चर्चा की। मुख्यमंत्री को उन्होंने बताया कि फिलहाल नई दिल्ली, मुम्बई, हैदराबाद, बैंगलुरू, पुणे, चैन्नई मिलाकर 6 स्थानों पर कंपनी काम कर रही है। इसमें दिल्ली, मुम्बई और चैन्नई में डाटा सेंटर हैं। मध्यप्रदेश में भी कंपनी अपनी आमद दर्ज करना चाहती है। मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने कहा कि मध्यप्रदेश में डाटा सेंटर व्यवसाय के लिए जरूरी जमीन, बिजली और श्रम आदि सभी परिस्थितियाँ मौजूद हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम के अध्यक्ष श्री बॉर्ज ब्रेंडे से और लुलु ग्रुप के मालिक मोहम्मद युनुस अली से मुलाकात की।

4125 करोड़ का प्रारंभिक निवेश

मध्यप्रदेश ने दावोस में वर्ल्ड इकॉनॉमिक फोरम की सालाना बैठक में शीर्ष निवेशकों के साथ पर चर्चा के शुरुआती दौर में ही बड़ी सफलता हासिल करते हुए 4125 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित कर लिया है। मंडीदीप में स्थित दावत फूड कंपनी लिमिटेड को सऊदी सरकार की कंपनी सऊदी अरब एग्रीकल्चर एंड लाइवस्टॉक इन्वेस्टमेंट कंपनी से 125 करोड़ रुपये का सीधा विदेशी निवेश मिला है।

जय किसान फसल ऋण माफी योजना का दूसरा चरण इंदौर से

इंदौर जिले के 10647 किसानों का कर्ज माफ होगा

इंदौर। इंदौर जिले में राज्य शासन की महत्वाकांक्षी जय किसान फसल ऋण माफी योजना के दूसरे चरण में ऋण माफी की राशि किसानों के खाते में जमा करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इस कार्यक्रम की शुरूआत सांवेर में आयोजित समारोह में इंदौर जिले के प्रभारी तथा गृह मंत्री श्री बाला बच्चन, स्वास्थ्य मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट तथा श्री सचिन यादव ने की। उन्होंने इस कार्यक्रम में सांवेर क्षेत्र के 2 हजार 455 किसानों के 18 करोड़ रूपये से अधिक के ऋण माफी के प्रमाण पत्र वितरित किये। जिले में इस योजना के अन्तर्गत दूसरे चरण में 10 हजार 647 किसानों का 77 करोड़ 74 लाख रूपये का ऋण माफ किया जा रहा है।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जाटव, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नेहा मीना, इंदौर दुग्ध संघ के अध्यक्ष श्री मोती सिंह पटेल, श्री सदाशिव यादव, श्री दिलीप चौधरी, श्री भारत सिंह चौहान, श्री हुकमसिंह सांखला सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए इंदौर जिले के प्रभारी मंत्री श्री बाला बच्चन ने कहा कि प्रदेश में जय किसान फसल ऋण माफी योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना का पहला चरण प्रदेश में संपन्न हो चुका है। पहले चरण में 20 लाख 22 हजार 731 किसान लाभान्वित हुए हैं। इनका 7154 करोड़ रूपये का ऋण माफ किया जा चुका है। आगामी चरण में 7 लाख 3 हजार 129 किसान लाभान्वित होंगे। इनका 4489 करोड़ रूपये के ऋण माफी की जा रही है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि राज्य शासन द्वारा दिये गये सभी वचन कारगर रूप से पूरे किये जा रहे हैं। प्रदेश में स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि के क्षेत्र में तेजी से कार्य हो रहे हैं। कृषि मंत्री श्री सचिन यादव ने कृषि विकास के लिये राज्य शासन द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

जैविक खेती की तरफ जाना होगा : सचिन यादव

ग्वालियर। कृषि मंत्री श्री सचिन सुभाष यादव ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के दौर में किसानों द्वारा खेती में रासायनिक उर्वरकों का लगातार उपयोग करने से प्राप्त पैदावार का मानव शरीर पर दुष्परिणाम देखने को मिल रहे हैं। आज समय की मांग है कि किसानों को अब जैविक खेती की तरफ जाना होगा। इसके लिए कृषि वैज्ञानिक अहम भूमिका निभा सकते हैं।

श्री यादव कृषि विजय 2020 पश्चिम क्षेत्रीय कृषि मेला के शुभारंभ समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पशुपालन, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास मंत्री श्री लाखन सिंह यादव ने की। इस अवसर पर अपेक्स बैंक प्रशासक श्री अशोक सिंह भी मौजूद थे। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वारा कृषि महाविद्यालय परिसर ग्वालियर में आयोजित तीन दिवसीय पश्चिम कृषि मेला कार्यक्रम में कुलपति प्रो. एस के राव, कुलसचिव श्री डी एल कोरी, पूर्व वाइस चांसलर श्री विजय सिंह तोमर, डीन श्री जे.पी. दीक्षित, अधिष्ठाता श्री बिल्लोरे सहित श्री रामप्रकाश यादव, श्री केदार सिंह यादव मंचासीन थे। मंत्री द्वय ने मेले में आयोजित की गई फुलवारी प्रदर्शनी का भी अवलोकन कर विश्वविद्यालय द्वारा कृषि विजय 2020 की प्रकाशित स्मारिका का भी विमोचन किया।

श्री सचिन यादव ने कहा कि आज समय की मांग है कि हमारे पूर्वजों द्वारा जो जैविक खेती की जाती थी। इसी दिशा में किसान जैविक खेती कर पोषक तत्वों से भरपूर कृषि एवं खाद्य उत्पाद लें। इसके लिए किसानों को जैविक खेती की तरफ जाना पड़ेगा। पशुपालन, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास मंत्री श्री लाखन सिंह यादव ने कृषि मेले की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रदेश को लगातार पाँच वर्षों से कृषि कर्मण पुरस्कार प्राप्त हो रहा है। इसमें किसानों के साथ कृषि वैज्ञानिकों का बहुत बड़ा योगदान है।

इस मौके पर कृषि विश्वविद्यालय द्वारा मंत्रिगणों का शॉल, श्रीफल एवं पुष्प-गुच्छ से स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किए। अंत में आभार निदेशक डॉ. एस एन उपाध्याय ने और संचालन वैज्ञानिक श्री वाई डी मिश्रा ने किया।

सदस्यता फॉर्म

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

नियमित अंकों सहित विशेषांक भी

सदस्यता शुल्क

480/-	850/-	9000/-
वार्षिक	द्विवार्षिक	आजीवन

नाम : .....

पिता : .....

पता : .....

.....

.....

पिनकोड : .....

फोन : .....

मोबाइल : .....

ई-मेल : .....

सम्पर्क करें

हरियाली के रास्ते

306/ए-ब्लॉक, शहनाई-।। रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 9752558186

सदस्यता शुल्क जमा करने हेतु बैंक अकाउंट विवरण

» खाता नाम : हरियाली के रास्ते
» बैंक : भारतीय स्टेट बैंक » शाखा : गोयल नगर
» खाता संख्या : 31450697620 » SBIN0030412
» PAN Card No. AHGPT7845K

अनुरोध : सदस्यों से अनुरोध है कि सदस्यता प्राप्त करने के बाद रसीद अवश्य प्राप्त करें।

सहकारिता माफिया के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए

ग्वालियर। सहकारिता एवं सामान्य प्रशासन मंत्री डॉ. गोविंद सिंह ने सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सहकारिता माफिया के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। विशेषकर सहकारी गृह निर्माण समितियों के ऐसे पदाधिकारी जिन्होंने सदस्यों से रूपए लेने के बाद भी प्लॉट नहीं दिए हैं ऐसे लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। इस अवसर पर उन्होंने जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक में डिपोजिट बढ़ाने के भी निर्देश दिए। डॉ. गोविंद सिंह ने यह निर्देश मोतीमहल के मानसभागार में आयोजित ग्वालियर एवं चंबल संभागों की सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। उन्होंने जिला पंचायत ग्वालियर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा को जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक ग्वालियर का प्रशासक नियुक्त करने की घोषणा भी की।

बैठक में सहकारिता आयुक्त एवं पंजीयक श्री एम.के. अग्रवाल, कलेक्टर श्री अनुराग चौधरी, पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत भसीन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा, अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक तथा सहकारिता विभाग एवं सहकारी बैंक के अधिकारी उपस्थित थे।

सहकारिता मंत्री ने निर्देश दिए कि गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं का भौतिक सत्यापन किया जाए। जिसमें संस्थाओं की जमीन अवश्य देखी जाएं। इसके अलावा कितने सदस्यों को प्लॉट मिल गए हैं एवं कितने शेष हैं, यह भी देखा जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि यदि किसी संस्था का कोई विवाद है तो उसका निराकरण कराकर सदस्यों को प्लाट दिए जाएं। इसके लिए सहकारिता विभाग, नगर निगम, ग्वालियर विकास प्राधिकरण तथा अन्य संबंधित संस्थायें समन्वय से कार्य करें। डॉ. गोविंद सिंह ने निर्देश दिए कि संस्था में हुए विकास के नाम पर फर्जी खर्च की जांच की जाए। उन्होंने गृह निर्माण समितियों का शतप्रतिशत ऑडिट करने के भी निर्देश दिए। ऑडिट में विशेषकर पिछले वर्षों के ऑडिट नोट देखने के निर्देश दिए।

ग्वालियर एवं चंबल संभागों की जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की समीक्षा करते हुए सहकारिता मंत्री ने निर्देश दिए कि बैंकों का डिपोजिट बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। इसके लिए अधिक से अधिक लोगों के सहकारी बैंकों में खाते खुलवाये जायें। बैंक कर्मचारीवार एवं सोसायटीवार मासिक लक्ष्य निर्धारित किया जाए।

स्व-सहायता समूहों को 0% पर ऋण मिलेगा : श्री पटेल

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री कमलेश्वर पटेल ने कहा है कि स्व-सहायता समूहों को राज्य सरकार शून्य प्रतिशत ब्याज पर 30 हजार रूपये तक का ऋण मुहैया कराएगी। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा पृथक् से एक फंड बनाया जा रहा है। उन्होंने यह बात भोपाल हाट बाजार में आयोजित रीजनल सरस मेले के उद्घाटन समारोह में कही। सरस मेले का आयोजन 15 जनवरी से 27 जनवरी 2020 तक किया गया। श्री पटेल ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अधिकाधिक साधन मुहैया कराना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले शिल्पियों को सरस मेले के माध्यम से

बाजार उपलब्ध कराने का काम राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग द्वारा शिल्प मेलों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा। अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि महिलाओं को समूह के रूप में संगठित कर उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मुहैया कराए जा रहे हैं। समूहों को बैंकिंग संस्थाओं के माध्यम से आसान किस्तों पर ऋण मुहैया कराने का काम किया जाता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय सामग्री से बनाए गए उत्पादों को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बाजार मुहैया कराने का प्रयास पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा किया जा रहा है।

गणतंत्र दिवस की आप सभी को हार्दिक बधाइयाँ

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ○ खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ○ कृषि यंत्र के लिए ऋण ○ दुग्ध डेयरी योजना

श्री आर.आर. सिंह
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री भूपेन्द्र सिंह
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री मुकेश श्रीवास्तव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्रीमती उषा सक्सेना
(अध्यक्ष : सीसीबी सीहोर)

सौजन्य से : श्री हुकुमसिंह राजपूत (शा.प्र . आष्टा), धरमसिंह परमार (पर्य. आष्टा), श्री देवकरण जावरिया (शा.प्र. कोठरी), श्री पवन कुमार दास (शा.प्र. मेहतवाड़ा)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेदाखेड़ी, जि.सीहोर श्री विक्रमसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. फूडरा, जि.सीहोर** श्री यशवंतसिंह ठाकुर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गवाखड़ा, जि.सीहोर श्री अजबसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डाबरी, जि.सीहोर** श्री रूपचंद वर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कोठरी, जि.सीहोर श्री इन्दरसिंह चौहान (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या.खड़ीहाल, जि.सीहोर** श्री बद्रीप्रसाद वर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निपानियाकलां, जि.सीहोर श्री मुरलीधर शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पगारिया राम, जि.सीहोर** श्री नरेन्द्र पाठक (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अमलाहा, जि.सीहोर श्री चन्दरसिंह वर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बमुलिया माली, जि.सीहोर** श्री देवसिंह जायसवाल (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धामव्दा, जि.सीहोर श्री घीसीलाल वर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भवरा, जि.सीहोर** श्री धरमसिंह परमार (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मेहतवाड़ा, जि.सीहोर श्री मनोहरसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बागेर, जि.सीहोर** श्री माँगीलाल ठाकुर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बवाली, जि.सीहोर श्री दीनदयाल दुबे (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुगली, जि.सीहोर** श्री राजराम वर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भाऊखेड़ा, जि.सीहोर श्री जयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लसुड़िया पार, जि.सीहोर** श्री दिलीपसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

मुर्गी पालन के लिये हितग्राहियों को प्रोत्साहित करें

भोपाल। पशुपालन, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास मंत्री श्री लाखन सिंह यादव ने बानमोर में सहकारी दुग्ध संघ मुरैना द्वारा संचालित दुग्ध संयंत्र एवं रायरू में शासकीय कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवार कड़कनाथ और आरआईआर प्रजाति की मुर्गियों के चूजे पालकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इन प्रजातियों के मुर्गी-पालन के लिये हितग्राहियों को प्रोत्साहित करें।

मंत्री श्री यादव ने प्रक्षेत्र में कड़कनाथ, आरआईआर और चेपब्रो प्रजाति के मुर्गी पालन के साथ इन प्रजातियों की मुर्गियों के अंडों से विशेष मशीन द्वारा 21 दिन में चूजे निकलने की प्रक्रिया को देखा। इस प्रक्रिया में 18 दिन तक अंडों को मशीन में रखकर निर्धारित तापमान दिया जाता है। इसके बाद तीन दिन हेचर होने पर मुर्गी का चूजा प्राप्त होता है। चूजों को अनुकूल वातावरण देकर उनकी देख-रेख की जाती है। शासकीय कुक्कुट-पालन प्रक्षेत्र रायरू में 6-7 हजार मुर्गे एवं मुर्गियां हैं। यहाँ तैयार चूजे ग्वालियर एवं चंबल संभाग में सप्लाई किए जा रहे हैं। पशुपालन मंत्री ने प्रक्षेत्र की गतिविधियों की सराहना की। पशुपालन मंत्री श्री लाखन सिंह यादव ने बानमोर में अधिकारियों को दुग्ध संयंत्र की क्षमता बढ़ाने के निर्देश दिये। उन्होंने दूध की पैकिंग, पाउडर प्लांट, क्वालिटी कन्ट्रोल लैब, कलेक्शन डॉक और आरएसआरडी का अवलोकन किया।

इंदौर संभागायुक्त ने झाबुआ में समीक्षा बैठक ली

झाबुआ। कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष झाबुआ में गत दिवस आयुक्त इन्दौर संभाग श्री आकाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री प्रबल सिपाहा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री संदीप शर्मा, वनमण्डलाधिकारी श्री हरित, अति.पुलिस अधीक्षक श्री विजय डावर, एवं समस्त जिला अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

संभागायुक्त श्री त्रिपाठी ने राजस्व प्रकरण के निराकरण की कार्यवाही में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद की धीमी गति से समाधान करने पर अप्रसन्नता व्यक्त की। पेटलावद क्षेत्र में झकनावदा के नायब तहसीलदार द्वारा राजस्व प्रकरण के लंबित प्रकरण के संबंध में कलेक्टर को कार्यवाही करने के निर्देश दिये। आयुक्त द्वारा गोशाला निर्माण के सम्बंध में निर्देश दिये कि स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सुदृढ बनाने के लिये अच्छी नस्ल की गाय प्रदान की जावे। इससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। गोशाला की सतत मानिटरिंग भी करें। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में संस्थागत प्रसव के संबंध में जानकारी प्राप्त की गयी। आयुक्त द्वारा चेतना अभियान की भी विस्तृत समीक्षा की गयी। कलेक्टर श्री प्रबल सिपाहा द्वारा बताया गया कि जिले मे कुपोषित 3165 बच्चे हैं, जिन्हें जिला अधिकारियों को गोद दिया गया है। इनकी सतत मानटरिंग की जा रही है। आयुक्त द्वारा इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त की गई एवं समय-समय पर बच्चों का वजन एवं पोष्टीक आहार देने पर भी प्रसन्नता व्यक्त की गई। आयुक्त श्री त्रिपाठी ने कहा की यह एक मानवीय कार्य है। अन्य अधिकारियों को भी स्वेच्छा से यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए। यह कार्य सतत प्रेरणा देगा।

आयुक्त श्री त्रिपाठी द्वारा माफिया को चिन्हाकित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। बैठक के पश्चात जिला पंचायत कार्यालय का निरीक्षण श्री त्रिपाठी ने किया। मनरेगा योजना की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर श्री प्रबल सिपाहा एवं सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप शर्मा द्वारा ग्रामीण विकास संबंधी जानकारी प्रस्तुत की गयी। आयुक्त श्री त्रिपाठी ने आजीविका परियोजना के स्वयं सहायता समूह द्वारा आजीविका भवन की कला दीर्घा भी पहुँचे। स्वयं सहायता समूह द्वारा बनाई गयी सामग्री एवं भवन का निरीक्षण किया। कलेक्टर प्रबल सिपाहा ने यहॉ पर चल रहे प्रशिक्षण एवं सामग्री के निर्माण के संबंध में आयुक्त को अवगत कराया।

द्वितीय चरण में 7 लाख किसानों के 4500 करोड़ माफ होंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने मंत्रालय में जय किसान फसल ऋण माफी योजना के द्वितीय चरण की समीक्षा करते हुए कहा कि हर पात्र किसान को समय-सीमा में योजना का लाभ मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। द्वितीय चरण में प्रदेश के सात लाख किसानों के साढ़े चार हजार करोड़ रुपये के ऋण माफ होंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि द्वितीय चरण में ऋण माफी की प्रक्रिया में और अधिक तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न की जाए और किसान परेशान न हों।

कमलनाथ

मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने प्रथम चरण में ऋण माफी की प्रक्रिया से वंचित किसानों की जानकारी प्राप्त की। बैठक में बताया गया कि अभी तक 27 हजार किसानों के आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने ऋण माफी प्रक्रिया में बैंक संबंधी विवादित प्रकरणों का भी तत्काल निराकरण करने को कहा। इस संबंध में अभी तक 95 प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन किसानों को ऋण संबंधी जानकारी चाहिए, उनके आवेदन सी.एम. हेल्प लाइन के द्वारा स्वीकार कर उनका समाधान किया जाए। इस सुविधा का अभी तक 1 लाख 20 हजार किसानों ने लाभ उठाया है।

बैठक में मुख्य सचिव श्री एस.आर. मोहंती, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री अनुराग जैन, प्रमुख सचिव सहकारिता, किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री अजीत केसरी एवं संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उज्जैन कमिश्नर ने रबी उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा की

उज्जैन। उज्जैन संभाग कमिश्नर श्री अजीत कुमार ने संभागीय समीक्षा बैठक में संभाग में रबी उपार्जन के लिये की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने वनाधिकार अधिनियम के अन्तर्गत निरस्त दावों के सम्बन्ध में हुई कार्यवाहियों की जानकारी ली।

कमिश्नर ने जय किसान फसल ऋण माफी योजना की प्रगति एवं आरसीएमएस में दर्ज प्रकरणों पर हुई प्रगति की समीक्षा की। कमिश्नर ने विभिन्न माफियाओं के विरूद्ध की जाने वाली कार्यवाहियों एवं शासकीय जमीन पर कब्जे के सम्बन्ध में जानकारी ली। बैठक में उज्जैन कलेक्टर श्री शशांक मिश्र, शाजापुर कलेक्टर श्री वीरेन्द्रसिंह रावत, देवास कलेक्टर श्री श्रीकान्त पाण्डे, आगर-मालवा कलेक्टर श्री संजय कुमार एवं अपर कलेक्टर्स उपस्थित थे। बैठक में संभाग के जिला आपूर्ति अधिकारी, जिला विपणन अधिकारी, जिला नापतौल अधिकारी, उप संचालक कृषि, उपायुक्त सहकारिता एवं समस्त प्रबंधक वेयर हाउस कॉर्पोरेशन मौजूद थे।

कमिश्नर ने रबी उपार्जन की तैयारियों के सम्बन्ध में समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि गेहूं भण्डारण हेतु आवश्यकता अनुसार कैप भी बनाये जायें। बताया गया कि इस वर्ष उज्जैन में 123 गेहूं खरीदी केन्द्रों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसी क्रम में मंदसौर में 64, नीमच में 31, रतलाम में 44, शाजापुर में 64, आगर-मालवा में 27 एवं देवास में 75 गेहूं खरीदी केन्द्रों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। कलेक्टर श्री शशांक मिश्र ने बताया कि यदि गेहूं की आवक बढ़ी तो और भी खरीदी केन्द्र बढ़ाने पड़ेंगे।

कमिश्नर ने गेहूं के अतिरिक्त चना, सरसों आदि अन्य फसलों की स्थिति की जानकारी ली। बताया गया कि रबी फसलों के भण्डारण का कार्य वेयर हाउस कॉर्पोरेशन द्वारा किया जायेगा। कमिश्नर श्री अजीत कुमार ने जय किसान फसल ऋण माफी योजना में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की।

इंदौर जिले में दो गाँवों पर एक कृषक बंधु नियुक्त होगा

इन्दौर। राज्य शासन के निर्देशानुसार ग्रामीण स्तर पर किसानों तथा प्रसार तंत्र के बीच जीवंत संबंध स्थापित करने की दृष्टि से दो आबाद ग्रामों पर एक कृषक बंधु की नियुक्ति स्वप्रेरणा से कार्य करने के लिये की जायेगी। इसके लिये नये सिरे से चयन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके लिये किसी भी शासकीय, अर्धशासकीय,अशासकीय अथवा किसी लाभ के पद की सेवाएँ प्राप्त नही करने वाले किसान पात्र है। दोनो ग्रामों में से किसी एक का निवासी होना, स्वंय की कृषि भूमि, हाई स्कूल पास एवं आवेदक की आयु 25 वर्ष से अधिक होना जरूरी है। और किसी भी प्रकार के अपराधिक प्रकरण में दोष सिद्ध नही होना चाहिये। इसमें 30 प्रतिशत महिला कृषकों को प्राथमिकता दी जायेगी।

ग्रामीण अंचल में 1177 करोड़ से बनेगा सुपर कोरिडोर

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री कमलेश्वर पटेल ने कहा है कि 1444 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का सुदृढ़ीकरण कर सुपर कॉरीडोर विकसित किया जायेगा। इसके लिये राज्य सरकार के प्रस्ताव पर भारत सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तृतीय चरण में 1177 करोड़ की राशि स्वीकृत की है। इस कार्य के लिये 60 प्रतिशत भारत सरकार देगी और 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा व्यय की जाएगी।

कमलेश्वर पटेल

मंत्री श्री पटेल ने बताया कि इस योजना में उन ग्रामीण सड़कों को शामिल किया जायेगा, जिस पर शैक्षणिक संस्थाएँ, स्वास्थ्य संस्थाएँ और कृषि उपज मंडियाँ स्थापित हैं। उन्होंने बताया कि सुपर कॉरीडोर का निर्माण आगामी 2 वर्षों में पूर्ण किया जायेगा। इसमें 108 ग्रामीण सड़कों और 27 पुलों का निर्माण किया जायेगा। श्री पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण योजना से सामान्य क्षेत्रों में 500 तक आबादी वाले ग्राम और अनुसूचित क्षेत्रों में 250 तक आबादी वाले गाँव डामरीकृत मार्गों से जोड़े जा चुके हैं।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिये पंजीयन प्रारंभ

इंदौर। इंदौर जिले में जारी रबी मौसम में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिये पंजीयन प्रारंभ कर दिया गया है। ऐसे किसान जो समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय करना चाहते हैं, उन्हें अपना पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। पंजीयन का कार्य 1 फरवरी से शुरू होकर 28 फरवरी 2020 तक जारी रहेगा। किसानों को इस बार मोबाइल एप के माध्यम से भी पंजीयन कराने की सुविधा दी गई है।

अपर कलेक्टर श्री दिनेश कुमार जैन ने बताया कि ई-उपार्जन मोबाइल एप के अलावा एमपी किसान एप पब्लिक डोमेन में ई-उपार्जन पोर्टल तथा इंदौर जिले में बनाये गये 58 पंजीयन केन्द्रों पर किसान अपना पंजीयन करा सकते हैं। गत वर्ष के पंजीकृत किसानों एवं नये किसानों को पंजीयन कराना जरूरी होगा। जिले में इंदौर तहसील क्षेत्र में 8, हातोद तहसील क्षेत्र में 5, सांवेर तहसील क्षेत्र में 13, महू तहसील क्षेत्र में 15 तथा देपालपुर तहसील क्षेत्र में 16 पंजीयन केन्द्र बनाये गये हैं। किसानों से आग्रह किया गया है कि वे निर्धारित तिथि में अपना पंजीयन अनिवार्य रूप से करवा लें।

इंदौर दुग्ध संघ ने लिए किसान हितैषी निर्णय

सहकारी दुग्ध संघ 7 रु. प्रति फैट की दर से दूध खरीदेगा

इंदौर। इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ के नव निर्वाचित अध्यक्ष मोती सिंह पटेल एवं संचालक मंडल ने बोर्ड की पहली बैठक में किसान हितैषी निर्णय लेते हुए दूध क्रय भाव में 50 पैसे प्रति फैट की वृद्धि कर 6 रूपये 50 पैसे प्रति फैट की जगह 7 रूपये प्रति फैट से 11 जनवरी से खरीदने का निर्णय लिया गया। इस निर्णय से दुग्ध उत्पादकों को 3 से 4 रुपये प्रति लीटर अधिक मिलेगा। इसके अलावा अन्य निर्णय भी लिए गए। यह जानकारी इंदौर दुग्ध संघ द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

मोतीसिंह पटेल

इंदौर दुग्ध संघ के अध्यक्ष श्री मोतीसिंह पटेल ने बताया कि खली, चारा महंगा एवं गाय, भैंस की कीमतें बढने से किसानों के हित में दूध क्रय भाव में 50 पैसे प्रति फैट की वृद्धि की गई। इसके अलावा संघ ने दुग्ध उत्पादक किसानों के लिए साँची बीमारी सहायता योजना पुनः एक जनवरी से पुनः शुरू की है, जिसमें दुग्ध उत्पादक सदस्य उसके पति-पत्नी व दो अवयस्क बच्चों के अलग-अलग 15 हजार रुपये तक का इलाज का खर्च इंदौर दुग्ध सहकारी संघ वहन करेगा। यही नहीं दुग्ध समिति में दूध देने वाले किसानों की जीवन रिस्क कवर बीमा योजना में 12 रुपए की वार्षिक प्रीमियम भी इंदौर दुग्ध संघ भरेगा। इसमें दुग्ध उत्पादक किसान की दुर्घटना में स्थाई में अपंगता हो जाने पर एक लाख रूपये एवं मृत्यु होने पर आश्रित परिवार को 2 लाख रूपये तक की आर्थिक सहायता मिलेगी। मृत्यु होने पर 5 हजार रूपये की अंत्येष्टि अनुग्रह राशि तत्काल पीड़ित परिवार को इंदौर दुग्ध द्वारा दी जाएगी।

किसान अध्ययन भ्रमण यात्रा शुरू होगी

पिछले कुछ वर्षों से बंद हुई किसान अध्ययन भ्रमण योजना को फिर से शुरू कर किसानों को गुजरात का भ्रमण कराया जाएगा, ताकि किसान वहां के अच्छे दूध उत्पादकों के पशु फार्म, अच्छी दूध उत्पादक सहकारी संस्थाओं/दुग्ध संघों का भ्रमण कर प्रशिक्षण एवं धार्मिक पर्यटन स्थल द्वारकाधीश, सोमनाथ आदि का भी लाभ ले सकें।

जनकपुर पहुंचे श्री सिलावट ने बाँटा दुग्ध संघ का बोनस

इंदौर। स्वास्थ्य मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट द्वारा सांवेर विधानसभा की जनकपुर सहकारी दुग्ध समिति में संस्था के 89 सदस्यों को 5 लाख 50 हजार रूपये का बोनस वितरण किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा चलाया जा रहा शुद्ध के लिये युद्ध अभियान में दोषी पाये जाने पर प्रदेश सरकार किसी भी परिस्थिति में कड़ी दण्डात्मक कार्यवाही करने में कोई संकोच नहीं करेगी। इंदौर दुग्ध संघ अध्यक्ष श्री मोती सिंह पटेल द्वारा यह आश्वासन दिया गया कि इंदौर दुग्ध संघ का प्रत्येक दूध उत्पादक शुद्ध के लिये युद्ध में खरे उतरेंगे। इस हेतु दुग्ध संघ के किसानों के लिये संघ स्तर पर अनेक सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही है। साथ ही मध्यप्रदेश दुग्ध महासंघ के अध्यक्ष श्री तंवरसिंह चौहान ने शुद्ध के लिये युद्ध हेतु हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में दुग्ध संघ संचालक श्री रामेश्वर गुर्जर, श्री विक्रम मुकाती एवं जनपद अध्यक्ष श्रीमती विजयलक्ष्मी पारिया, रामसिंह पारिया, रवि दुबे, भारत सिंह चिमली, अशोक चौधरी, बच्चनसिंह सेठ उपस्थित थे। दुग्ध संघ की ओर से मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ए. एन. द्विवेदी, सहायक महाप्रबंधक श्री आर. पी. एस. भाटिया, प्रबंधक श्री एस. के. जैन तथा श्री जी. एस. जैन सहित बड़ी संख्या में दुग्ध संघ के किसान, महिलाएं एवं आसपास की दुग्ध समितियों के अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित थे।

मप्र 822 खिलाड़ियों का बीमा कराने वाला पहला राज्य

भोपाल। राजस्व और परिवहन मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत की उदघोषणा के साथ टी.टी. नगर स्टेडियम में 7 दिवसीय राज्य स्तरीय गुरूनानक देवजी प्रांतीय ओलम्पिक खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। जनसम्पर्क मंत्री श्री पी.सी. शर्मा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री जीतू पटवारी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री अरूण यादव तथा पद्मश्री ओलम्पियन तीरंदाज सुश्री दीपिका कुमारी ने इस मौके पर रंगीन गुब्बारे छोड़े। मल्लखम्ब खिलाड़ियों की शानदार प्रस्तुति के साथ ही प्रदेश के दस संभागों से आये खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्च पास्ट किया। समारोह में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के पदक विजेता खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री जीतू पटवारी ने कहा कि ग्रामीण प्रतिभाओं को खेलों में पर्याप्त अवसर दिलाने के लिए मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ की पहल पर प्रदेश में गुरूनानक देवजी प्रांतीय ओलम्पिक खेल की शुरूआत हुई है। राज्य सरकार ने वचन-पत्र में किए वायदे को पूरा किया है। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्रवार प्रत्येक विधायक को लोकप्रिय खेलों के विकास के लिए 5 लाख रूपये तक अनुदान की स्वीकृति के अधिकार दिये जाएंगे।

जनसम्पर्क मंत्री श्री शर्मा ने खिलाड़ियों से कहा कि वे संघर्ष से घबराएं नहीं क्योंकि जीतने के लिए हार से सामना होना भी जरूरी है। उन्होंने मुख्यमंत्री की खिलाड़ियों के प्रति भावना की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने कैबिनेट की बैठक में पर्वतारोही सुश्री मेघा परमार और भावना डेहरिया को बुलाकर उनका सम्मान किया।

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि बिना टेलेन्ट और जूनुन के खिलाड़ी अपनी मंजिल नहीं पा सकते। उन्होंने प्रांतीय ओलम्पिक में भागीदारी कर रहे खिलाड़ियों से कहा कि काफी संघर्ष के बाद आप यहां तक पहुँचे हैं। यहाँ अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर सफलता प्राप्त करें। समारोह को पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री अरूण यादव ने भी संबोधित किया।

पद्मश्री ओलम्पियन तीरंदाज सुश्री दीपिका कुमारी ने प्रदेश में खिलाड़ियों को मिल रही खेल सुविधाओं के लिए राज्य सरकार की मुक्तकंठ से सराहना की। संचालक खेल और युवा कल्याण डॉ. एस.एल. थाउसेन ने कहा कि प्रांतीय ओलम्पिक खेल के लिए शासन की परिकल्पना का उद्देश्य पारम्परिक खेलों के अलावा कॉमनवेल्थ, एशियन और ओलम्पिक के लिए प्रदेश की प्रतिभाओं को तैयार करना और उन्हें प्रतिभा प्रदर्शन के अधिकतम अवसर प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि आज से 7 फरवरी तक राज्य स्तरीय गुरूनानक देव जी प्रांतीय ओलम्पिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें दस संभागों के खिलाड़ी दस खेलों में भागीदारी कर रहे हैं।

71वें गणतंत्र दिवस की समस्त कृषक बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री जगदीश कन्नौज
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एम.एल. गजभिये
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री एस.के. खरे
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से : श्री प्रवीणकुमार जैन (शा.प्र. गाँधीनगर), श्री सुरेंद्र सिंह सिसौदिया (पर्य. गाँधीनगर), श्री इंदरसिंह मंडलोई (शा.प्र. साकेत नगर), श्री सत्यनारायण जोशी/श्री महावीर शाक्य (पर्य. साकेत नगर), श्री अंबाराम मालवीय (शा.प्र. खुड़ैल), श्री विजयकुमार वर्मा (पर्य. खुड़ैल)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बड़ा बांगड़दा, जि.इंदौर
श्री गुलाबसिंह डाबी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बुरानाखेड़ी, जि.इंदौर
श्री मुकेश मौर्य (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिंहासा, जि.इंदौर
श्री सुरेंद्रसिंह सिसौदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेमल्याचाऊ, जि.इंदौर
श्री शील कुमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पालाखेड़ी, जि.इंदौर
श्री सुनील शुक्ला (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पेड़मी, जि.इंदौर
श्री महेश चौधरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जम्बुर्डी हप्सी, जि.इंदौर
श्री मनोज दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कम्पेल, जि.इंदौर
श्री महेश चौधरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कनाड़िया, जि.इंदौर
श्री रमेश परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खुड़ैल बुजुर्ग, जि.इंदौर
श्री विजय वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गारीपिपल्या, जि.इंदौर
श्री महावीर शाक्य (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बावल्याखुर्द, जि.इंदौर
श्री विजय वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भिचौली मर्दाना, जि.इंदौर
श्री सतीशजी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. शिवनी, जि.इंदौर
श्री केदार पटेल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खजराना, जि.इंदौर
श्री सत्यनारायण जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धमणाय, जि.इंदौर
श्री अनिल तंवर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तलावलीचांदा, जि.इंदौर
श्री संतोष चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिवड़ाय, जि.इंदौर
श्री सुभाष मंडलोई (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. श्रीराम पानोड, जि.इंदौर
श्री ज्ञानसिंह तोमर (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

मुख्यमंत्री ने आचार्य विद्यासागरजी से लिया आशीर्वाद

इंदौर। मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ ने इंदौर में जैन संत आचार्य विद्यासागर जी महाराज का पादप्रक्षालन किया। उनके चरण धोए और आशीर्वाद प्राप्त किया। जैन संत आचार्य विद्यासागर जी महाराज इन दिनों इंदौर में है। गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने इंदौर आए मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ ने तिलक नगर जाकर आचार्य से भेंट की। आचार्य ने मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ द्वारा प्रदेश में गौ शालाओं के निर्माण पर साधुवाद दिया। आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने इस अवसर पर कहा कि आज से पंच कल्याणक महोत्सव प्रारंभ होने जा रहा है। विश्व शान्ति के उद्देश्य से होने वाले इस महोत्सव के पहले दिन मुख्यमंत्री का यहाँ आना एक सुखद संयोग है। इसका पुण्य उन्हें और राज्य को भी मिलेगा। आचार्य श्री ने मुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान हाथकरघआ और आयुर्वेद को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता बतायी। भेंट के दौरान श्री मुनि संघ, श्री सुनील ब्रह्मचारी, विधायक श्री संजय शुक्ला और श्री विशाल पटेल, श्री नरेन्द्र सलूजा, श्री विनय बाकलीवाल, श्री सनत जैन, श्री सदाशिव यादव सहित जैन समाज के प्रतिनिधि और संभागायुक्त श्री आकाश त्रिपाठी, कलेक्टर लोकेश जाटव, डीआईजी श्रीमती रुचिवर्धन मिश्र भी उपस्थित थी।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने लिया आचार्यश्री से आशीर्वाद

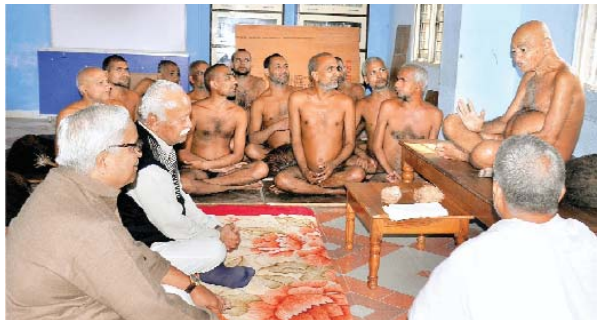

इंदौर। उदयनगर जैन मंदिर में आचार्य विद्यासागरजी महाराज से आशीर्वाद लेने के लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत पधारे और आशीर्वाद लिया। संघ प्रमुख और आचार्यश्री के बीच हथकरघा और हिन्दी भाषा के संबंध में चर्चा हुई। संघ प्रमुख के साथ सर कार्यवाहक भैयाजी जोशी ने भी आचार्यश्री से आशीर्वाद लिया। इस दौरान संघ प्र मुख ने यहाँ हथकरघा से बने कपड़ों को भी देखा। आचार्यश्री ने अपने प्रवचनों में कहा कि संसार में बहुत सारी कठिनाइयाँ आएँगी। कठिनाइयों का नाम ही संसार है। लेकिन पार करने वाला व्यक्ति उससे नहीं डरता क्योंकि हमारे ही कर्मों के कारण यह सब विपदाएँ आ रही हैं। उन्होंने बच्चों से कहा कि कठिनाइयों में ही परीक्षाएँ हुआ करती हैं। बच्चों! तुम कठिन प्रश्न से डरते हो? मत डरा करो। हजारों श्रद्धालु उदयनगर में आचार्यश्री के दर्शन हेतु पधारे थे। प्रतिभा प्रतीक्षा के बच्चों ने आचार्यश्री का पूजन किया।

कमलनाथ सरकार गौसेवा के लिए संकल्पित है : विशाल पटेल

देपालपुर (इंदौर)। गौपालन एवं संवर्धन की दिशा में प्रदेश की कमलनाथ सरकार ने रजिस्टर्ड गौशालाओं की गायों के लिए चारा, भूसा और पशु आहार वितरण की महत्वपूर्ण योजना शुरू की है। जिले में उक्त योजना का श्रीगणेश देपालपुर की गौशाला से किया गया। स्थानीय चौबीस अवतार मंदिर स्थित गौशाला में इंदौर दुग्ध संघ द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि विधायक श्री विशाल पटेल थे। उन्होंने कहा कि कमलनाथ सरकार का एक वर्ष एक माह का कार्यकाल उपलब्धि से भरा रहा है। सरकार ने जो वचन किये हैं उन्हें पूरा किया जा रहा है। कार्यक्रम को म.प्र. महादुग्ध संघ भोपाल के अध्यक्ष तँवरसिंह चौहान, संचालक प्रहलाद पटेल, सुरेशसिंह पटेल, सीईओ ए.एन. द्विवेदी, डॉ. जी.एस. डाबर ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर मंदिर गौशाला समिति अध्यक्ष विजय मंडोवरा, सचिव योगेन्द्र यादव सहित संतोष ठाकुर, बहादुर पँवार, चंदर पटेल, पार्षद करामत खान, लड्डू यादव, पंकज चौधरी आदि उपस्थित थे।

कम्बाइन हॉर्वेस्टर पर भी मिलेगा अनुदान

भोपाल। राज्य सरकार ने इस वर्ष से किसानों को कम्बाइन हॉर्वेस्टर खरीदने पर भी अनुदान देने का निर्णय लिया है। किसानों को कृषि यंत्रों पर दिये जाने वाली अनुदान राशि में भी वृद्धि की गई है। अब लघु, सीमांत, अनुसूचित-जाति, अनुसूचित-जनजाति तथा महिला कृषकों को कृषि यंत्रों की खरीदी पर कीमत का 50 प्रतिशत तथा अन्य किसानों को कीमत का 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा।

शासन की जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन संबंधी बैठक संपन्न

उज्जैन। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. उज्जैन की शाखा घटिया, चिमनगंज मंडी, गरवर, भरतपुरी, ताजपुर घोंसला, पानबिहार एवं भेरूगढ़ के शाखा प्रबंधकों तथा संबद्ध संस्थाओं के संस्था प्रबंधकों की बैठक घटिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री रामलाल मालवीय के मुख्य आतिथ्य तथा बैंक प्रशासक श्री अजीतसिंह ठाकुर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विधायक श्री मालवीय द्वारा ऋणमाफी, गेहूँ समर्थन मूल्य, फसल बीमा तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली आदि शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से समस्त कर्मचारियों को कृषकों के हित में कार्य करने तथा कृषकों की समस्याओं के निराकरण के लिए कहा गया। बैंक के महाप्रबंधक श्री आलोक यादव ने बताया कि प्रशासक श्री अजीतसिंह ठाकुर ने कहा कि सभी संस्था प्रबंधक ऋणमाफी योजना के अंतर्गत जिन कृषकों के डाटा पंच नहीं हुए हैं, उन कृषकों से संपर्क कर शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा के बीच पंचायत स्तर पर गुलाबी फार्म भरवाकर डाटा पंच करवाने की कार्रवाई कराएँ। श्री ठाकुर ने कहा कि गेहूँ का समर्थन मूल्य 1 मार्च से प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने कृषकों से अपील की कि किसान भाई अपना पंजीयन संस्था स्तर पर आवश्यक दस्तावेज के माध्यम से कराएँ। संस्था प्रबंधकों को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य पर खरीदी के शासन के अभियान के दौरान खरीदी केन्द्रों पर सभी प्रकार की व्यवस्थाएँ दुरुस्त रखें ताकि किसानों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इस मौके पर चंबल फर्टिलाइजर द्वारा कंपनी के नए उत्पादों के संबंध में संगोष्ठी आयोजित की गई।

अपेक्स बैंक प्रशासक को कैबिनेट दर्जा

भोपाल। राज्य शासन ने मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) के प्रशासक श्री अशोक सिंह को कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्रदान किया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आज यह आदेश जारी किया गया है।

अशोक सिंह

अमरूद की खेती से होगी 30 लाख प्रतिवर्ष की आय

मंदसौर। मंदसौर जिले के सीतामऊ तहसील के गांव गोपालपुरा के रहने वाले निर्मल पाटीदार पहले परंपरागत खेती करते थे। इनके मोबाइल नंबर 9009780278 ये है। अभी इनकी उम्र मात्र 20 वर्ष है। इन्होंने स्नातकोत्तर तक की शिक्षा प्राप्त करी है। श्री निर्मल पाटीदार पहले अपने खेत में मिर्ची की खेती करते थे।

जिससे इनको अच्छी खासी आय प्राप्त होती थी। और ज्यादा आय प्राप्त हो इसके लिए श्री निर्मल अब थाईलैंड वैरायटी के अमरूद के पौधे लेकर आए हैं। एक अमरूद के पौधे का मूल्य 170 हैं। इस तरह से यह अपनी 7 बीघा जमीन के लिए 1500 अमरुद के पौधे लेकर आए हैं। जिनको 7 बीघा जमीन में इनके द्वारा लगाया गया है। इनको एक पौधे से 35 किलोग्राम अमरूद प्राप्त होगा। इनके एक अमरूद का वजन 1 से 2 किलो के बीच रहेगा। इनके पौधे अभी वर्तमान में 15 माह के हो चुके है। 24 माह के पश्चात इन से आय प्राप्त होना प्रारंभ हो जाएगी। इनका कहना है कि मुझे एक पौधे से 3 हजार की आय प्राप्त होगी। एक पौधा वर्ष में दो बार फल देगा। इतने सिंचाई के लिए ड्रिप सिंचाई पद्धति को अपनाया गया है जिसमें पानी भी पानी की बचत होती है एवं सभी को जल बचाव का संदेश भी प्रदान करते करते हैं इनका कहना है कि मैं यह खेती पर्यावरण को ध्यान में रखकर कर रहा हूं। यह खेती करने से पर्यावरण अच्छा रहेगा।

खरगोन सहकारी बैंक में प्रशासक मुकेश जैन ने किया ध्वजारोहण

खरगोन। गणतंत्र दिवस पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, खरगोन में बैंक प्रशासक मुकेश जैन ने ध्वजारोहण किया। श्री जैन ने इस अवसर पर कहा कि देश की प्रगति में प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्तर पर सहभागिता निभाना चाहिए। हमारी बैंक की प्रगति को उच्च आयाम पर रखने के लिए सभी अधिकारी कर्मचारी पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ अग्रसर रहें।

बैंक प्रबंध संचालक के. के. रायकवार ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बैंक उत्तरोत्तर प्रगति कर रही है। इस प्रगति को उच्च स्तर पर कायम रखने के लिए हम सभी को इस पर्व पर संकल्प लेकर काम करना है तथा बैंक को जो प्रदेश में शीर्ष स्थान प्राप्त है, उस पर बनाये रखने के लिए कडी मेहनत एवं परिश्रम की आवश्यकता है। इस अवसर पर प्रबंधक लेखा राजेन्द्र आचार्य, प्रबंधक योजना एवं विकास अनिल कानूनगो, प्रबंधक विपणन श्रीमती संध्या रोकडे सहित बडी संख्या में बैंक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

झाबुआ बैंक में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया

झाबुआ। 71वें गणतंत्र दिवस पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित झाबुआ प्रधान कार्यालय पीलीकोठी मे बैंक के प्रभारी प्रबंधक (लेखा) एच.ए.के.पाण्डेय द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं बैंक के समस्त सम्माननीय अमानतदारो, किसान भाईयो, ऋणी सदस्यों व ग्राहको को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर मुख्य रूप से नाबार्ड डीडीएम श्री नीतिन बी. अलोने, प्रधान कार्यालय के कक्ष प्रभारी हेमन्त नीमा, मनोज शुक्ला, मनोज कोठारी, अशोक शर्मा, विष्णुप्रसाद शर्मा, प्रभारी पर्यवेक्षक शैलेन्द्रसिंह, जमादार मांगीलाल पालीवाल एवं सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी श्री बी.एल.कोठारी, नारायणसिंह चौहान, मनसुख भूरिया, शंभुसिंह गामड, बाबूसिंह डाबी, पूनमचंद डामोर सहित बैंक कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अपेक्स बैंक ग्राहकों को मिलेगी मोबाइल बैंकिंग सुविधा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) में पहली बार व्यावसायिक एवं राष्ट्रीय बैंकों के समान मोबाइल बैंकिंग सुविधा का मंत्रालय में लोकार्पण किया। उन्होंने इस मौके पर अपेक्स बैंक की वर्ष 2020 की डायरी और कैलेंडर का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने सहकारी बैंकों के ग्राहकों के लिए मोबाइल बैंकिंग सुविधा उपलब्ध करवाने की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारी बैंकों को व्यावसायिक बैंकों की तरह सक्षम बनाने की आवश्यकता है। सहकारी बैंक आम ग्राहकों के अलावा बड़ी संख्या में किसानों से जुड़े हैं। इसलिए उन्हें बैंकिंग की हर अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध करवाना हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

मोबाइल बैंकिंग

अपेक्स बैंक द्वारा पहली बार शुरू की गई मोबाइल बैंकिंग सेवा से एक लाख ग्राहक लाभान्वित होंगे। इसके लिए एप तैयार किया गया है। इस सुविधा के लागू होने से बैंक के ग्राहकों को अपेक्स बैंक की सभी शाखाओं में मोबाइल के माध्यम से सेवाएँ उपलब्ध रहेंगी। ग्राहकों को गूगल प्ले स्टोर अथवा एप्पल स्टोर से एमपी अपेक्स एम-बैंकिंग एप को डाउनलोड करना होगा। संचालित बैंकिंग संव्यवहार में द्विस्तरीय सुरक्षा प्रणाली है, जिसमें ओटीपी एवं टी पिन के उपयोग से ही संव्यवहार हो सकेगा।

डायरी-कैलेंडर का विमोचन

मुख्यमंत्री द्वारा विमोचित अपेक्स बैंक की डायरी और कैलेंडर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती वर्ष पर केन्द्रित है। कैलेंडर में महात्मा गांधी के विचारों को रेखांकित किया गया है। साथ ही स्वाधीनता आंदोलन के छायाचित्रों को प्रदर्शित किया गया है।

इस मौके पर सहकारिता मंत्री डॉ. गोविंद सिंह, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री सचिन यादव, मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक के प्रशासक श्री अशोक सिंह, विधायक श्री सुरेश धाकड़ और श्री बैजनाथ कुशवाहा, प्रमुख सचिव सहकारिता, किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री अजीत केसरी, आयुक्त सहकारिता डॉ. एम. के. अग्रवाल एवं अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री प्रदीप नीखरा उपस्थित थे।

सहकारी बैंक रतलाम में ध्वजारोहण किया गया

रतलाम। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रतलाम के न्यू रोड स्थित बैंक के प्रधान कार्यालय पर 71वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में बैंक प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता श्री पी.एन. गोडरिया ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर राष्ट्रगान और मध्यप्रदेश गान भी गाया गया। ध्वजारोहण समारोह में श्री गोडरिया ने कहा कि सभी को गणतंत्र दिवस की बधाइयाँ। इस अवसर पर बैंक के महाप्रबंधक श्री आलोक कुमार जैन, कृभको प्रबंधक श्री राजेन्द्रसिंह राठौर, श्री हरेन्द्र वाघेला, बैंक कर्मचारी सर्वश्री शैलेष खरे, राजेन्द्र कुमार मारू, हसमुख गौड़, रामकृष्ण शर्मा, मुकेश अग्रवाल, देवेन्द्र जोशी, महेशचंद्र जोशी, अरविंद वत्स, सुशील कुमार शर्मा आदि उपस्थित थे।

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री

श्री सचिन यादव
कृषिमंत्री

श्री बाला बच्चन
प्रभारी मंत्रीमंत्री

समस्त किसान भाइयों को 71वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री बी.बी.एस. तोमर
(अपर कलेक्टर एवं भास्साधक अधिकारी)

श्री एम.एस. मुनिया
(उपसंचालक, सचिव)

किसान भाइयों से अपील

नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति इंदौर

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट

71वें गणतंत्र दिवस की किसान भाइयों को हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री ओ.पी. गुप्ता
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री आलोक यादव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

श्री अजीत सिंह
(प्रशासक)

सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. उज्जैन

मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2020 के शासकीय कैलेण्डर और डायरी का विमोचन

मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने मंत्रालय में मध्यप्रदेश शासन की वर्ष 2020 की डायरी और कैलेण्डर का विमोचन किया। इस मौके पर मंत्री-मंडल के सदस्य उपस्थित थे। शासकीय कैलेण्डर की विषय वस्तु सरकार द्वारा पिछले एक वर्ष में जनहित में किए गए कार्यों पर केन्द्रित है। इन उपलब्धियों से प्रदेश और यहाँ के नागरिक लाभांवित हुए हैं।

आँगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका अन्य कार्यों से सम्बद्ध नहीं होंगे

भोपाल। प्रदेश में आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को अब एकीकृत बाल विकास योजना के कार्यों के अतिरिक्त अन्य कार्यों में संबंद्ध नहीं किया जायेगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में सभी विभागाध्यक्षों, संभागायुक्तों, कलेक्टरों और जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को आदेश जारी किये हैं। वर्तमान में प्रदेश में 80 हजार 160 आँगनवाड़ी केन्द्र तथा 12070 मिनी आँगनवाड़ी केन्द्र स्वीकृत हैं। आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा इन केन्द्रों के माध्यम से शून्य से 6 वर्ष तक के बच्चों को पूरक पोषण आहार देकर सुपोषित करने एवं शाला पूर्व शिक्षा प्रदाय करने का महत्वपूर्ण कार्य किया जाता है। इसके अतिरिक्त गर्भवती और धात्री माताओं को पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाएँ प्रदाय की जाती हैं, जिसकी निरन्तरता एवं अतिकम वजन वाले बच्चों की विशेष देखभाल की जाती है। अभी तक आँगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका को गैर आईसीडीएस कार्यों में भी संबद्ध किया जाता रहा है। आँगनवाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका द्वारा अन्य कार्य नहीं करने पर उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाती रही है। ऐसा होने से आँगनवाड़ी केन्द्रों की सेवाएँ लम्बे समय तक प्रभावित हो रही थीं। इसलिये कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को अन्य कार्यों से मुक्त किया गया है।

कृषि उपज मंडी समिति आष्टा को सम्मान

आष्टा। कृषि उपज मंडी समिति आष्टा में मंडी निरीक्षक के पद पर उत्कृष्ट कार्य करने के लिए आष्टा विधायक श्री रघुनाथ सिंह मालवीय एवं एसडीएम श्रीमती अंजू अरुण कुमार, पूर्व मंडक्ष अध्यक्ष श्री धर्मसिंह आर्य, मंडी सचिव श्री योगेश नागले द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

'हरियाली के रास्ते' डायरी-कैलेंडर का विमोचन

मध्यप्रदेश के गृहमंत्री श्री बाला बच्चन, स्वास्थ्य मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट एवं कृषिमंत्री श्री सचिन यादव ने 'हरियाली के रास्ते' डायरी 2020 का विमोचन किया। इस अवसर पर इंदौर कलेक्टर श्री लोकेश जाटव, 'हरियाली के रास्ते' के प्रधान संपादक श्री बृजेश त्रिपाठी, श्री परीक्षित शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अजीत जोगी की धर्मपत्नी श्रीमती रेणु जोगी को 'हरियाली के रास्ते' डायरी 2020 भेंट करते प्रधान संपादक श्री बृजेश त्रिपाठी।

इंदौर कलेक्टर श्री लोकेश जाटव ने 'हरियाली के रास्ते' के नववर्ष कैलेंडर का विमोचन किया। समीप हैं प्रधान संपादक श्री बृजेश त्रिपाठी।

घटिया (उज्जैन) विधायक श्री रामलाल मालवीय को 'हरियाली के रास्ते' डायरी 2020 भेंट करते प्रधान संपादक श्री बृजेश त्रिपाठी।

गारी पिपलिया गेहूं उत्पादन में बनेगा देश में अव्वल

इंदौर। इंदौर जिले के गारी पिपलिया में विशेष प्रयास कर गेहूं उत्पादन के क्षेत्र में देश में अव्वल बनाया जायेगा। इसके लिये किसानों को विभिन्न कृषि आदान, तकनीकी सलाह आदि देकर विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। किसानों द्वारा इस गाँव में बोई गई गेहूं की फसल लहलहा रही है। उम्मीद है कि प्रदेश में ही नहीं देश में गेहूं उत्पादन के क्षेत्र में यह गाँव बेहतर उत्पादन प्राप्त करेगा। इंदौर जिले के प्रभारी तथा गृह मंत्री श्री बाला बच्चन,

स्वास्थ्य मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट तथा कृषि मंत्री श्री सचिन यादव ने गारी पिपलिया गाँव पहुंचकर किसानों द्वारा की जा रही गेहूं की उन्नत खेती को देखा। उन्होंने किसानों का स्वागत किया और कहा कि यहां फसल देखकर लग रहा है कि गेहूं का बम्पर उत्पादन होगा। इस अवसर पर बताया गया कि गाँव में लगभग सौ हेक्टेयर से अधिक रकबे में गेहूं की उन्नत खेती की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की समीक्षा

बिना धान बेचे समिति से न लौटे किसान

रायपुर। मंत्रीमंडलीय उपसमिति छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बिलासपुर जिले में धान खरीदी की समीक्षा की गयी। कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे, सहकारिता मंत्री डॉ.प्रेमसाय सिंह टेकाम और वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर बैठक में उपस्थित थे। जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित बैठक में धान खरीदी के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिया गया कि कोई भी किसान समिति से बिना धान बेचे नहीं लौटना चाहिये। समितियों में किसानों के पंजीयन, धान का टोकन और लिमिट के संबंध में कोई भी शिकायत या समस्या न हो। गुणवत्ता को लेकर किसानों को कोई परेशानी न हो। कृषि मंत्री श्री चौबे ने कहा कि धान खरीदी के लिये सरकार के पास पैसे की कमी नही है। इस वर्ष धान खरीदी के लिये 5 हजार करोड़ रूपये अतिरिक्त राशि का प्रावधान किया गया है। किसानों की मदद करने के लिये सरकार तत्पर है। इन व्यवस्थाओं के बावजूद यदि किसान तकलीफ में आये तो संबंधित अधिकारी की जवाबदारी होगी। बैठक में कृषि मंत्री श्री चौबे ने बताया कि इस वर्ष राज्य में 85 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि धान खरीदी में लिमिट की कोई बाध्यता नहीं है। धान खरीदी कार्य और उठाव की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित रहे। नोडल अधिकारी सतत् भ्रमण कर समितियों में किसानों की समस्याओं से अवगत हों और उनका निराकरण करायें। उन्होंने बताया कि किसानों को होने वाले अड़चनों के निराकरण और खरीदी का कार्य सुचारू रूप से चले, इसके लिये ही उप समिति का गठन किया गया है। उन्होंने जानकारी ली कि असमय बारिश के कारण धान खरीदी कितना प्रभावित हुआ है। जिले के 71 प्रतिशत किसानों के 70 प्रतिशत धान की खरीदी की जा चुकी है।

छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी संशोधन अध्यादेश 2020 लागू

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 16 (क) में संशोधन कर छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी संशोधन अध्यादेश 2020 लागू किया गया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में आज आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में संशोधन अध्यादेश लागू करने का निर्णय लिया गया। छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी संशोधन अध्यादेश 2020 पर राज्यपाल के हस्ताक्षर पश्चात 30 जनवरी को अध्यादेश लागू हो गया है।

छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी संशोधन अध्यादेश 2020 लागू होने से सहकारी क्षेत्र में कोई भी सहकारी सोसायटी अपने आमसभा में निर्णय पारित कर तथा राज्य शासन से अनुमति प्राप्त करके सरकार के किसी भी उपक्रम या राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित किसी उपक्रम अथवा किसी अन्य सहकारी सोसायटी या निजी उपक्रम के साथ किसी विशेष कारोबार के लिए वित्तीय सहायता या विपणन और प्रबंधन विशेषज्ञता के लिए सहयोग कर सकेगी। इससे संस्था के व्यवसाय में वृद्धि होगी और आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो सकेगी।

छत्तीसगढ़ के पंचायत मंत्री श्री सिंहदेव ने किया झण्डावंदन

सरगुजा। 71 वां गणतंत्र दिवस के अवसर पर सरगुजा के अंबिकापुर जिला मुख्यालय में उत्साह एवं उमंग के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया। पंचायत मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने झण्डावंदन किया और परेड की सलामी ली। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। श्री सिंहदेव ने मुख्यमंत्री का राज्य की जनता के नाम गणतंत्र दिवस संदेश का वाचन किया।

अम्बिकापुर के राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैदान में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, बीस सूत्रीय, वाणिज्यिक कर विभाग की झांकियां लोगों के लिए आकर्षक का केन्द्र रहा साथ ही मुख्य समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण दर्शकों का मनमोह लिया। श्री सिंहदेव ने मुख्य समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया। श्री सिंहदेव ने गणतंत्र दिवस समारोह में शांति के प्रतीक स्वरूप आकाश में कबूतर छोड़े और हर्षोल्लास के प्रतीक गुब्बारे उड़ाये। गणतंत्र दिवस समारोह में सशस्त्र बल और पुलिस बल के द्वारा हर्ष फायर किया गया और राष्ट्रपति की जयकारे के नारे से समारोह स्थल गूंज उठा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झंडावंदन किया

लखनऊ। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 71वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने सरकारी आवास पर ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने मातृभूमि के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों तथा देशभक्तों को नमन किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गणतंत्र दिवस स्वाधीनता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान का स्मरण करने का दिन है। साथ ही, यह दिवस हम सभी को अपने संवैधानिक कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक करता है। यह पर्व आत्मचिन्तन तथा महान देशभक्तों के सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस हम सभी के लिए एक भारत-श्रेष्ठ भारत के प्रति संकल्पबद्ध होने का अवसर है। इस मौके पर शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

स्वतंत्रदेव सिंह निर्विरोध भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बने

लखनऊ। भाजपा के 19वें प्रदेश अध्यक्ष के रूप में स्वतंत्रदेव सिंह का निर्विरोध निर्वाचन हो गया। संगठनात्मक चुनावी प्रक्रिया के तहत स्वतंत्रदेव का एकमात्र नामांकन पत्र भरा गया था। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद पर आसीन होने वाले स्वतंत्र देव 14वें नेता हैं। एक से अधिक बार प्रदेश अध्यक्ष बनने वालों में कलराज मिश्र, कल्याणसिंह व स्व. माधवप्रसाद त्रिपाठी शामिल हैं। इसमें कलराज मिश्र चार बार, कल्याणसिंह और माधवप्रसाद को दो बार मौका मिला। अब तक बने प्रदेश अध्यक्षों में माधवप्रसाद, कल्याणसिंह, राजेन्द्र गुप्त, कलराज मिश्र, राजनाथ सिंह आदि शामिल हैं।

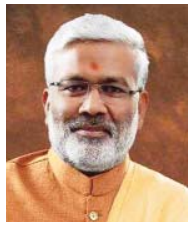

स्वतंत्रदेव सिंह

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से 22 जनवरी, 2020 को उनके सरकारी आवास, लखनऊ में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने भेंट की।

प्राकृतिक खेती की लागत नगण्य होने से जीरो बजट खेती कहा जाता है

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्राकृतिक खेती से पैदावार को दोगुना किया जा सकता है। यह खेती 'जीरो' लागत होती है। प्राकृतिक खेती में रसायन का प्रयोग भी नहीं होता। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति भी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों आदि के अत्यधिक प्रयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति समाप्त होने की कगार पर पहुंच गयी है। जिस प्रकार व्यक्ति के बीमार होने पर उसका इलाज कराए जाने की जरूरत होती है, उसी प्रकार धरती माता के भी उपचार की आवश्यकता है। प्राकृतिक खेती को अपनाकर धरती की उर्वरा शक्ति पुनर्स्थापित की जा सकती है।

मुख्यमंत्री चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कैलाश सभागार में 'नमामि गंगे' योजना के अन्तर्गत 'गौ-आधारित प्राकृतिक खेती' विषय आयोजित एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को प्रयागराज कुम्भ-2019 की कॉफी टेबल बुक भी भेंट की। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि प्राकृतिक खेती को 'जीरो' बजट खेती कहा जाता है, क्योंकि इसकी लागत नगण्य है। अभी समय है, हम सभी प्राकृतिक खेती को अपना कर देश का भविष्य बेहतर कर सकते हैं। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही, दुग्ध विकास एवं पशुधन मंत्री श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, उद्यान, कृषि विपणन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री श्रीराम चौहान, कृषि राज्यमंत्री श्री लाखन सिंह राजपूत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी व बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित थे।

● आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक'
अध्यक्ष : म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद
376, म.गाँ. मार्ग (बड़े गणपति के पास), इंदौर
फोन : 0731-2414181, मो. 9755014181

मेष

धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। परिवार के साथ लंबी दूरी की यात्रा हो सकती है। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। प्रतिस्पर्धा में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा।

वृषभ

विपरीत समय में परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। मेहनत व परिश्रम की अधिकता रहेगी। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। किसी अप्रिय घटना की आशंका है। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। यात्रा का जोखिम न लें।

मिथुन

सामाजिक मान सम्मान बढ़ेगा। आवक बढ़ेगी। तय किए गए लक्ष्य प्राप्त होंगे। सरकारी कर्मचारी लाभ प्राप्त करेंगे। कामकाज के नए अवसर मिलेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा।

कर्क

आलस्य का अनुभव करेंगे। नकारात्मकता को हावी न होने दें। कार्यों में अवरोध पैदा होंगे। पिता के स्वास्थ्य से परेशानी हो सकती है। व्यापार में उतार चढ़ाव बना रहेगा। पत्नी का सहयोग मिलेगा।

सिंह

कार्यस्थल पर स्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। सामाजिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। मित्रों का कार्य में सहयोग मिलेगा। अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। शुभ प्रवास होगा।

कन्या

दैनिक कार्य आसानी से हो जाएंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात मन को प्रसन्नता देगी। वाहन सुख प्राप्त होगा। भूमि, भवन क्रय करने की योजना बनेगी। प्रतिस्पर्धी निराश होंगे। वित्तीय पक्ष उत्तम।

तुला

बनते काम रुक सकते हैं। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शत्रु हावी हो सकते हैं। प्रेम संबंधों के लिए समय उपयुक्त है। सरकारी कामकाज बनेंगे। भूमि, भवन क्रय करने की योजना बनेगी। प्रवास शुभ।

वृश्चिक

विद्यार्थियों के लिए समय उत्तम है। प्रतिभा के बल पर सफलता के नित नए आयाम को स्पर्श करेंगे। धन की आवक खुलेगी। वाणी माधुर्य का लाभ मिलेगा। व्यापार में उतार चढ़ाव बना रहेगा। खानपान में रुचि बढ़ेगी।

धनु

राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी। दांपत्य संबंध मधुर बनेंगे। मित्रों के सहयोग से योजना सफल होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अध्ययन में विशेष ध्यान देना होगा। दुर्घटना का भय है।

मकर

यह माह अत्यधिक खर्च और व्यर्थ की भागदौड़ के साबित होगा। आपकी परिवार के लोगों से मनमुटाव की स्थिति बन सकती है। कार्यक्षेत्र में उन्नति और धनलाभ के योग बनेंगे। अधिकारियों से संभल कर व्यवहार करें।

कुम्भ

घर परिवार में सुख शांति रहेगी। बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद बना रहेगा। साझेदारी में लाभ मिल सकता है। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। नवीन वस्त्र क्रय करने का मन बनेगा। सेहत से समझौता न करें।

मीन

नौकरी के कार्य से यात्रा हो सकती है। आध्यात्मिकता की ओर रुझान बढ़ेगा। युवा वर्ग समय का सदुपयोग करेंगे। पुराने मित्र से मिलने पर मन प्रसन्न होगा। ईश्वर में आस्था बढ़ेगी। वाहन चलाने में सावधानी रखें।

सलमान ने नहीं चुकाई थी सवा रुपए की उधारी

फिल्म इंडस्ट्री में सबसे अमीरों की सूची में आने वाले सलमान खान पर एक साइकल मैकेनिक की उधारी है। उन्होंने खुद खुलासा किया कि वे एक साइकल मैकेनिक के 1 रुपए 25 पैसे लौटाना ही भूल गए थे। उन्हें इस उधारी के बारे में हाल ही में पता चला था। उन्होंने इस उधारी के बारे में तब हाल ही में पता चला जब वह अपनी साइकल का टायर ठीक करवाने के लिए एक मैकेनिक के पास पहुंचे। उन्होंने कहा, मैंने शॉर्ट्स पहने थे और मेरे पास पैसे नहीं थे। इसलिए मैंने काका से इसे रिपेयर करने को कहा कि वह पैसे बाद में दे देंगे। तब उन्होंने बताया तू बचपन में भी ऐसा ही करता था। तूने एक बार बहुत पहले साइकल ठीक कराया था और आज तक उसके पैसे नहीं दिए। तेरा आज भी 1.25 रुपए उधार है। मैं बहुत शर्मिंदा हुआ। सलमान ने आगे कहा कि जब उन्होंने पैसे लौटाए तो मैकेनिक ने लेने से मना कर दिया। बता दें कि सलमान खान अभी आगामी फिल्म राधे की शूटिंग कर रहे हैं जिसमें दिशा पाटनी, रणदीप हूडा और जैकी श्रॉफ महत्वपूर्ण भूमिकाओं में है। फिल्म को प्रभुदेवा बना रहे हैं और यह ईद 2020 पर रिलीज होगी।

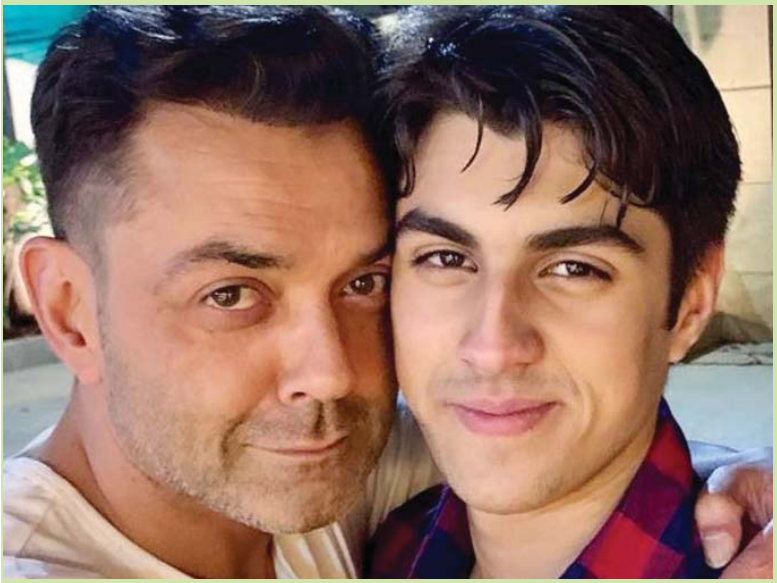

टाइगर श्रॉफ से कम नहीं है बॉबी देओल का बेटा

फिल्मी दुनिया में स्टार किड्स की अपनी जगह है और उन्हें फिल्मों में लीड रोल पाने के लिए उतनी मेहनत नहीं करनी पड़ती जितनी एक आप एक्टर को करना पड़ती है। टाइगर श्रॉफ को भी रोल आसानी से मिला लेकिन जगह बनाने के लिए काफी मेहनत करना पड़ी, अब उन्हीं के जैसे बॉबी देओल के बेटे भी हैं जो कभी भी फिल्मों में आ सकते हैं। वैसे इन स्टार किड्स पर निर्माताओं की हमेशा नजर रहती है और वक्त आने पर अपनी फिल्मों में इन्हें लॉन्च भी कर देते हैं। वैसे बॉबी के बेटे आर्यमान के बारे में काफी कम लोग जानते हैं क्योंकि वो अब तक बॉलीवुड की चकाचौंध से दूर रहे हैं। साथ ही यह भी साफ नहीं है कि वो फिल्मों में काम करेंगे की नहीं लेकिन उन्हें देखकर लगता है कि वो किसी हीरो से कम नहीं है। हालांकि, इन दिनों वो अपनी तस्वीरों को लेकर सोशल मीडिया में चर्चा में हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में आर्यमान हिंदी फिल्मों में नजर आ सकते हैं।

गणतंत्र दिवस की समस्त किसान भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसान भाइयों को **0%** ब्याज दर पर फसल ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एस.के. सिंह
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री पी.एन. यादव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से :

श्री माँगीलाल कमलवा (शा.प्र. सीतामऊ), श्री गोपाल राठौर (शा.प्र. नाहरगढ़), श्री ललित अग्रवाल (शा.प्र. बूढ़ा), श्री धर्मेंद्र जाजू (शा.प्र. करजू)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. सताखेड़ी, जि. मंदसौर
श्री बाबूलाल कछावा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. तितरोद, जि. मंदसौर
श्री सदाशिव कारा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. दीपाखेड़ा, जि. मंदसौर
श्री सदाशिव कारा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. सीतामऊ, जि. मंदसौर
श्री सदाशिव कारा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. सैदसमाता, जि. मंदसौर
श्री डूंगरसिंह देवड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. लदूना, जि. मंदसौर
श्री जगदीशचंद्र पाटीदार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. खजूरी नाग, जि. मंदसौर
श्री डूंगरसिंह देवड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. लावरी, जि. मंदसौर
श्री डूंगरसिंह देवड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. साखतली, जि. मंदसौर
श्री भेरूलाल सोनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. भगोर, जि. मंदसौर
श्री ओमप्रकाश शुक्ला (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. नाहरगढ़, जि. मंदसौर
श्री पवन जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. बिल्लौद, जि. मंदसौर
श्री मनोज शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. सूंठी, जि. मंदसौर
श्री राकेश कुमार चौधरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. पिपल्या कड़िया, जि. मंदसौर
श्री मनोज शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. पिपल्या जोधा, जि. मंदसौर
श्री मनोज शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. बूढ़ा, जि. मंदसौर
श्री मदनलाल प्रजापति (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. संजीत, जि. मंदसौर
श्री सीताराम दांगी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. टकरावद, जि. मंदसौर
श्री हिम्मतसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. करजू, जि. मंदसौर
श्री दशरथ भटेवरा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. नंदावता, जि. मंदसौर
श्री दशरथ भटेवरा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सहकारी संस्था मर्या. देहरी, जि. मंदसौर
श्री दशरथ भटेवरा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

समस्त किसान भाइयों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर रोड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

डॉ. श्रीकांत पाण्डेय
(कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक)

श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री मनोज गुप्ता
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री मुकेश बार्चे
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से

श्री राजाराम बारवाल (शा.प्र. सोनकच्छ)
श्री राजेन्द्र जायसवाल (पर्यवेक्षक सोनकच्छ)
श्री गिरिराजसिंह चौहान (पर्यवेक्षक सोनकच्छ)

श्री कमलसिंह झोरड़ (शा.प्र. बरोठा)
श्री मदनलाल चौधरी (पर्यवेक्षक बरोठा)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सोनकच्छ, जि.देवास
श्री संतोष शुक्ला (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गढ़ खजुरिया, जि.देवास
श्री महेन्द्र सिंह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. दौलतपुर, जि.देवास
श्री लोकेन्द्र सिंह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. जामगोद, जि.देवास
श्री हरेन्द्र सिंह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. फावड़ा, जि.देवास
श्री गोकलदास (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बरोठा, जि.देवास
श्री राजेन्द्रसिंह चावड़ा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बीसाखेड़ी, जि.देवास
श्री कालू सिंह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. तिरोल्या, जि.देवास
श्री मदनलाल गुप्ता (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कु. राव, जि.देवास
श्री खुमानसिंह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. खोकरिया, जि.देवास
श्री राजेन्द्रसिंह चावड़ा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. दो. जागीर, जि.देवास
श्री धर्मेन्द्र सिंह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कैलोद, जि.देवास
श्री रामगोपाल वर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पि. बक्क्षु, जि.देवास
श्री प्रहलाद सिंह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पटाड़ी, जि.देवास
श्री मदनलाल चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. डबलाई, जि.देवास
श्री भाबरसिंह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सन्नौड़, जि.देवास
श्री विष्णुप्रसाद मुकाती (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गंधर्वपुरी, जि.देवास
श्री शिवनारायणजी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक बृजेश त्रिपाठी द्वारा वी.एम. ग्राफिक्स, के-29, एलआयजी कॉलोनी, इंदौर से मुद्रित एवं 306-ए ब्लॉक, शहनाई-II, रेसीडेन्सी कनाड़िया रोड, इन्दौर से प्रकाशित (फोन : 0731-2595563, 9752558186, 8989179472, संपादक : बृजेश त्रिपाठी, प्रकाशन दिनांक : 17